@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 22 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 73 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 14 नक्सली ढेर

सिम्मी कौर बब्बर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा के पास गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में ओडिशा स्टेट कमेटी के प्रमुख चलपति समेत 14 नक्सली मारे गये हैं।ओडिशा पुलिस मुख्यालय ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद भी बरामद किए गए हैं। मौके पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। ओडिशा स्टेट कमेटी के प्रमुख चलपति के मारे जाने से नक्सली आंदोलन को बड़ा झटका लगा है। पुलिस ने कल जानकारी दी थी कि 20 जनवरी की सुबह सुरक्षा बलों ने कुल्हाड़ी घाट रिजर्व फॉरेस्ट में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया था। इस ऑपरेशन में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस की 10 टीमें शामिल हैं। जिनमें विशेष अभियान समूह (एसओजी) की तीन, छत्तीसगढ़ पुलिस की दो और केंद्रीय रिजर्व

पुलिस बल (सीआरपीएफ) की पांच टीमें शामिल थीं। अभियान की शुरुआत के कुछ ही समय बाद नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे सुरक्षा बलों ने इलाके में तेजी से घेराबंदी की। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 1000 जवानों ने 60 नक्सलियों को घेर रखा है। मामला मैनपुर थाना इलाके का है। जवानों ने जिन 14 नक्सलियों को ढेर कर दिया है, सभी का शव बरामद कर लिया गया है। इसमें कई हार्डकोर नक्सली शामिल है।मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की टीम को गरियाबंद के जंगलों में बड़े नक्सलियों की गतिविधि की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर करीब 700 जवानों की टीम को जंगल की ओर रवाना किया गया था।

राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 2 फरवरी से आम जनता के लिए खुलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान 2 फरवरी से 30 मार्च तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। लोग सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच उद्यान में जा सकेंगे। सप्ताह में एक दिन प्रत्येक सोमवार को उद्यान रखरखाव के लिए बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार, उद्यान 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान, 20 एवं 21 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में आगंतुकों के सम्मेलन तथा 14 मार्च को होली के कारण बंद रहेगा। सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा। यह गेट नॉर्थ एवेन्यू से राष्ट्रपति भवन के नजदीक है। आगंतुकों की सुविधा के लिए, केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक शटल बस सेवा सुबह 9.30 से शाम 6 बजे के बीच हर 30 मिनट में उपलब्ध होगी। अमृत उद्यान चार दिन विशेष श्रेणियों के लिए खुला रहेगा। इसमें 26 मार्च को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए, 27 मार्च को रक्षा, अर्धसैनिक एवं पुलिस बलों के कर्मियों, 28 मार्च को महिलाओं और आदिवासी महिला एसएचजी के लिए और 29 मार्च को वरिष्ठ नागरिकों के

लिए आरक्षित है। गार्डन में बुकिंग और प्रवेश निःशुल्क है। ऑनलाइन बुकिंग राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर की जा सकती है। वॉक-इन आगंतुकों को राष्ट्रपति भवन के गेट के पास सुविधा काउंटर या स्वयं सेवा कियोस्क पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को मिली सफलता नक्सलवाद को एक और करारा झटका : अमित शाह

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मुठभेड़ में 14 नक्सलियों के मारे जाने के बाद सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को एक और करारा झटका। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। गृहमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, नक्सलवाद को एक और करारा झटका।

नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में हमारे सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने संयुक्त अभियान में ढेर कर दिया। नक्सल मुक्त भारत के हमारे संकल्प और हमारे सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से आज नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी

जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में अब तक 14 नक्सलियों को ढेर किया जा चुका है। इनमें एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपति भी मारा गया है। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिनमें एसएलआर राइफल जैसे ऑटोमैटिक हथियार शामिल हैं। नक्सल विरोधी इस सर्च ऑपरेशन में गरियाबंद ऑपरेशन ग्रुप ई30, कोबरा 207, सीआरपीएफ की 65 और 211 बटालियन, और एसओजी नुआपाड़ा की संयुक्त टीम शामिल है।

अभिनेता सैफ अली खान पर हमले में निकला बंगाल कनेक्शन, मुंबई पुलिस का खुलासा

कोलकाता । फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले का बंगाल कनेक्शन सामने आया है। मुंबई पुलिस ने खुलासा किया है कि आरोपित शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी नागरिक है। उसने भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में कुछ समय बिताया और वहीं से आधार कार्ड बनवाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, करीब सात महीने पहले शरीफुल ने मेघालय में भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित डाउकी नदी पार कर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल आया, जहां उसने कई जिलों में काम

की तलाश की। भारतीय दस्तावेज बनाने की कोशिश की। जांच अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान शरीफुल ने एक स्थानीय महिला के नाम पर एक भारतीय सिम कार्ड हासिल किया। इसी सिम का इस्तेमाल उसने बाद में मुंबई में रहते हुए अपने परिजनों से संपर्क करने के लिए किया। मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल पुलिस से यह जानकारी साझा कर संबंधित महिला की तलाश करने का अनुरोध किया है। पुलिस के अनुसार, मुंबई पहुंचने पर शरीफुल ने वहां काम की तलाश शुरू की। उसने ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दी, जहां नागरिकता के प्रमाण की आवश्यकता न हो। इस दौरान वह मुंबई में ठेकेदार अमित पांडे के संपर्क में आया। पांडे ने उसे कई जगह काम दिलाने में मदद की। पुलिस का कहना है कि सैफ अली खान के घर में घुसने से पहले शरीफुल को बांद्रा के एक अन्य अभिनेता के बंगले के पास घूमते हुए देखा गया था।

पुलिस की पूछताछ में शरीफुल ने कहा कि उसने परिवार से संपर्क किया। उसने अपने भाई से बात की। भाई बांग्लादेश में रहता है। शरीफुल ने बांग्लादेश में 12वीं तक पढ़ाई की है और उसके दो भाई हैं। मुंबई पुलिस की एक टीम पश्चिम बंगाल आकर मामले की जांच करेगी।

भाजपा वाले गरीब तबके को राक्षस की तरह निगल जाएंगे : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के रावण के सोने के हिरण बनने को लेकर बयानबाजी जारी है। भाजपा अरविंद केजरीवाल को बयान के लिए घेर रही है। दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ये लोग रावण की इतनी पैरवी क्यों कर रहे हैं। ये राक्षसी प्रवृत्ति के हैं और अगर दिल्ली की जनता ने इन्हें चुना, तो ये

गरीब तबके के लोगों को राक्षस की तरह निगल जाएंगे।अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल एक जनसभा में कहा था कि रावण सोने का हिरण बनकर आया था और सीता मैया उस सोने के हिरण पर मोहित हो गई। इस पर भाजपा वालों का कहना है कि रावण नहीं, मारीच राक्षस सोने का हिरण बनकर आया था। इसके लिए मेरे घर के सामने पूरी भारतीय जनता पार्टी धरने पर बैठी है। भाजपा का कहना है कि मैंने रावण का अपमान क्यों किया। इनको रावण से इतना प्यार है, ये राक्षसी प्रवृत्ति के लोग हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली के झुग्गी वालों और गरीब तबके को खासकर बताना चाहता हूं कि अगर ये सत्ता में आ गए तो ये आप लोगों को राक्षसों की तरह निगल जाएंगे।गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल के बयान के बाद से भाजपा ने उनके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई बयान जारी किए। वहीं, अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर धरना प्रदर्शन भी हुआ है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी समेत भाजपा के तमाम नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल उठाए हैं कि उन्हें रामायण और सीता माता के बारे में कुछ पता ही नहीं है और उन्होंने सीता माता का अपमान किया है।

समाज में बुरे तत्व हमेशा होते हैं, उनके खिलाफ होनी चाहिए कार्रवाई : सिद्धारमैया

बेलगावी । एम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस शासित कर्नाटक के बेलगावी से कांग्रेस 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' रैली निकाल रही है। महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सौ साल पूरे होने के अवसर पर ये रैली निकाली जा रही है। इस दौरान कर्नाटक के सीएम एम सिद्धारमैया ने भाजपा पर निशाना साधा। रात सिटी मार्केट पुलिस स्टेशन पर गोडाउन स्ट्रीट में सामूहिक बलात्कार मामले पर पूछे सवाल पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा, क्या भाजपा के कार्यकाल में कोई बलात्कार नहीं हुआ? बलात्कार नहीं होना चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा होनी चाहिए, लेकिन समाज में हमेशा बुरे तत्व होते हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम एक साल से जय बापू

कार्यक्रम कर रहे हैं, गांधी के सिद्धांत लोगों से दूर होते जा रहे हैं, हमें अपने जीवन में गांधी को वापस लाने की जरूरत है। गांधी ने कहा था कि समानता, सद्भाव, महिला सशक्तिकरण हमें अपने बीच वापस लाने की जरूरत है। लोग गांधी, अंबेडकर और संविधान का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस संविधान के साथ खड़ी है। राहुल गांधी खराब स्वास्थ्य के कारण नहीं आ रहे हैं।

जनता की समस्याओं पर तत्काल लें एक्शन : योगी

गोरखपुर । कड़ाके की ठंड के बावजूद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित के साथ संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल एक्शन लें। इसमें ढिलाई अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति

भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक फरियादी से मिले।मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। एक महिला के इलाज संबंधी फरियाद पर उन्होंने अफसरों से कहा कि मेडिकल कॉलेज या किसी अन्य उच्च स्तरीय अस्पताल में इलाज कराया जाए। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंगलवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

मोदी सरकार की विकास नीतियों में नदारद है आम लोगों का हितः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार की विकास नीतियों पर सवाल करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की नीतियों में मेहनत आम आदमी करता है और उसकी मेहनत का फायदा कोई और उठाता है। श्री गांधी ने कहा, मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई- मेहनत आपकी, मुनाफा किसका। आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है। जरा सोचिए- मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में ग़लत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुज़ारा कर पा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है।उन्होंने जीएसटी तथा महंगाई को लेकर सरकार पर हमला किया और कहा, ÷हानिकारक जीएसटी और इनकम टैक्स की मार ने ग़रीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्ज़ा माफ़ किया जा रहा है। आसमान छूती महंगाई के कारण अब न सिर्फ़ ग़रीब बल्कि सैलरीड क्लास भी अपनी ज़रूरतों के लिए लोन लेने को मजबूर है।गांधी ने मोदी सरकार के विकास को हक़ीकत से परे बताया और कहा कि वास्तविक विकास वह है, जहां सबकी उन्नति हो - बिज़नेस के लिए निष्पक्ष माहौल मिले, उचित टैक्स सिस्टम हो और श्रमिकों की आमदनी बढ़े। इससे ही देश समृद्ध और मजबूत बनेगा।

शामली में पुलिस मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश समेत चार ढेर

सौरभ शर्मा

शामली । उत्तर प्रदेश में शामली जिले के झिंझाना क्षेत्र में 20-21 जनवरी की मध्य रात्रि में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक सशस्त्र मुठभेड़ में कुख्यात मुस्तफा कग्गा गैंग का इनामी बदमाश अरशद समेत चार शातिर अपराधियों को मार गिराया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सहारनपुर में गंगोह क्षेत्रमें बड़ी माजरा निवासी अरशद पर डकैती, हत्या और लूट समेत करीब 17 मामले दर्ज थे। वह सहारनपुर के बेहट थाने में दर्ज डकैती के एक मामले में वांछित था। मुठभेड़ में अरशद के साथ मंजीत, सतीश और एक अज्ञात बदमाश भी मार गिराये गये। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि अरशद अपने साथियों के साथ झिंझाना थाना क्षेत्र से गुजरने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की और उन्हें रोकने की कोशिश की।

अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। करीब आधे घंटे तक चली इस मुठभेड़ में अरशद और उसके तीन साथी घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर सुनील गोली लगने से घायल हो गए है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा ने संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी किया, ऑटो चालकों से लेकर एससी छात्रों के लिए किए बड़े वादे

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी कर दिया है। भाजपा ने संकल्प पत्र में सरकारी शिक्षण संस्थानों में जरूरतमंद छात्रों को 'केजी' से 'पीजी' तक मुफ्त शिक्षा और युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 15 हजार की वित्तीय सहायता और 2 बार के यात्रा व आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति का वादा किया है। इसके अलावा भी कई वादे किए गए हैं। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी करते हुए कहा कि जब हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो विकसित दिल्ली की एक अहम भूमिका है। हमारे संकल्प दिल्ली को विकसित बनाने के लिए हैं। संकल्प से सिद्धि की ये यात्रा हम अगले 5 वर्षों में पूरी करेंगे।

भाजपा की जहां भी सरकारें रही, जन-कल्याण उनकी प्राथमिकता और केंद्र बिंदु रहा। केंद्र सरकार में भी हमने राज्यों के सहयोग से नागरिकों की समस्याओं का जहां समाधान किया, वहीं पर उनको सुविधाएं भी दी।उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली, पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं का हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है और डीबीटी के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। भ्रष्टाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली के सरकारी शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के जरूरतमंद छात्रों को 'केजी' से %पीजी% तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। हमारी सरकार बनने पर हम दिल्ली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएंगे और 2 बार के यात्रा व आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति भी करेंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि बिना कोई बहाना या आरोप, पड़ोसी राज्य, एमसीडी, एनडीएमसी और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली के नागरिकों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

गुजरात में तेंदुओं पर नज़र रखने के लिए नई पहल, रेडियो कॉलर से रखी जा रही नजर

सूरत/अहमदाबाद। दक्षिण गुजरात में तेंदुए के हमलों की घटनाओं में लगातार वृद्धि के मद्देनजर राज्य के वन विभाग ने एक तेंदुए के जर्मन इंजीनियर्ड रेडियो कॉलर लगाकर उन्नत तकनीक का उपयोग करने संबंधी एक पायलट परियोजना शुरू की है। यह कॉलर सैटेलाइट के माध्यम से वन विभाग को हर आधे घंटे में तेंदुए की लोकेशन भेजेगा। तेंदुए के किसी गांव के पास पहुंचने पर वन विभाग उस गांव के लोगों को तुरंत सूचित कर सकेगा। दक्षिण गुजरात में शुरू की गई इस तरह की पहली परियोजना के बारे में दक्षिण गुजरात वन विभाग के डीएफओ आनंद कुमार ने बताया कि राज्य के वन विभाग ने तेंदुए को जर्मन इंजीनियर्ड रेडियो कॉलर लगाने की पहल की है। एक आठ वर्षीय नर तेंदुए को जर्मन इंजीनियर्ड रेडियो कॉलर लगाया गया है, जो वास्तविक समय में उसकी गतिविधियों पर नजर रखेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली वास्तविक समय में तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उपग्रह और जीएसएम तकनीक का उपयोग करती है। यह हर आधे घंटे में तेंदुए का कॉलर सैटेलाइट के माध्यम से वन विभाग को तेंदुए की लोकेशन भेजेगा। यदि किसी गांव के पास कोई तेंदुआ आता है, तो दक्षिण गुजरात के वन विभाग के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जाएगा।

मोदी, भल्ला और बीरेन सिंह ने मणिपुर के लोगों को राज्य दिवस की शुभकामनाएं दीं

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मणिपुर के राज्यपाल एबी भल्ला और मुख्यमंत्री एन बीरेन ने मणिपुर के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।श्री मोदी ने एक संदेश में कहा, ÷मणिपुर के लोगों को उनके राज्य दिवस पर शुभकामनाएं। हमें भारत के विकास में मणिपुर के लोगों द्वारा निभाई गई भूमिका पर अविश्वसनीय गर्व है। मणिपुर की प्रगति के लिए मेरी शुभकामनाएं। राज्यपाल भल्ला ने भी 53वें राज्य दिवस के अवसर पर मणिपुर के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि मणिपुर 21 जनवरी, 1972 को भारतीय संघ का पूर्ण राज्य बन गया और तब से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के साथ मिलकर आगे बढ़ने की इस गति को बनाए रखने और समानता पर आधारित कल्याणकारी उपायों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां किसी भी जाति, पंथ या धर्म से होने के बावजूद राज्य के सभी नागरिक एक समुदाय से जुड़े होने की भावना महसूस करते हैं।

उन्होंने लोगों से मणिपुर को एक शांतिपूर्ण और समृद्ध राज्य बनाने के लिए एक साथ आने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत तथा मंत्रियों ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि मणिपुर 15 अक्टूबर 1949 को भारत का हिस्सा बन गया। एक गहन संघर्ष के बाद 21 जनवरी 1972 को मणिपुर को त्रिपुरा और मेघालय के साथ राज्य का दर्जा दिया गया।

यूक्रेनी सैनिकों ने खेरसॉन क्षेत्र के गांव में दो रॉकेट दागे, 21 लोग घायल

एजेंसी

जेनिचेस्क। यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने खेरसॉन क्षेत्र के बेख्तेरी गांव पर एचआईएमएआरएस मल्टीपल लॉन्च सिस्टम के जरिए दो रॉकेट दागे हैं। इस हमले में 21 लोग घायल हुए हैं। गवर्नर के प्रेस सचिव व्लोडिमीर वासिलेंको ने इस घटना की पुष्टि की है। वासिलेंको ने बताया कि बताया कि हमला स्थानीय स्कूल परिसर को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें तीन बच्चों समेत 21 लोग घायल हुए। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन ने घायल लोगों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने के लिए एंबुलेंस और चिकित्सा दल को मौके पर तैनात किया। सचिव वासिलेंको ने कहा, यह हमला निर्दोष नागरिकों पर किया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन है। हमले के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

पुतिन ने ट्रंप को दी बधाई, कहा- बातचीत के लिए तैयार

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके शपथ ग्रहण समारोह से पहले शुभकामनाएं दीं। ट्रंप को व्हाइट हाउस में दूसरी बार लौटने पर बधाई देते हुए पुतिन ने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। पुतिन ने टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में ट्रंप को उनके आगामी शपथग्रहण समारोह पर बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा, हम दोनों देशों के हित में सहयोग बढ़ाने और वैश्विक स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि रूस यूक्रेन में स्थायी शांति का पक्षधर है और इसके लिए कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता देगा। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि हम यूक्रेनी संघर्ष पर नए अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। सभी लोगों के वैध हितों के सम्मान के आधार पर स्थायी शांति सुनिश्चित होनी चाहिए। दरअसल. ट्रंप ने पहले कहा था कि एक बार जब वह पदभार संभाल लेंगे तो वह चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का कोशिश करेंगे। हालांकि, उन्होंने यूक्रेन युद्ध को खत्म करने को लेकर योजना का खुलासा नहीं किया था।

विवेक रामास्वामी ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे, नई भूमिका की तैयारी

वाशिंगटन । उद्यमी विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें व्हाइट हाउस में नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। हालांकि अब इस भूमिका को नहीं निभाएंगे। क्योंकि वह ओहायो के गवर्नर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने दी। अब डीओजीई की जिम्मेदारी एलन मस्क को दी गई है, जिन्हें सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि मस्क को व्हाइट हाउस पास दिया गया है, और वह वेस्ट विंग से काम करेंगे। ट्रंप-वैन्स ट्रांजिशन की प्रवक्ता एना केली ने कहा, विवेक रामास्वामी ने डीओजीई की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि गवर्नर चुनाव में उतरने की इच्छा के चलते विवेक ने इस कमेटी से अलग होने का फैसला किया है। केली ने कहा, उनकी योजना जल्द ही चुनाव लड़ने की है, जिसके कारण उन्हें डीओजीई से बाहर रहना होगा। हम उनके योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिका को महान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डीओजीई से अलग होने के बाद रामास्वामी ने इसका हिस्सा बने रहने के लिए सम्मान बताया और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर जल्द घोषणा करने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ÷डीओजीई की स्थापना में सहयोग करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे भरोसा है कि एलन और उनकी टीम सरकार को बेहतर बनाने में सफल होंगे।

कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा के बीच आपातकाल की स्थिति घोषित

बोगाटो। कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा और उग्रवाद के कारण राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र कैटाटुम्बो में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। श्री पेट्रो ने यह कदम हाल ही में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के उग्रवादियों की ओर से किए गए हमलों के बाद उठाया, जिनमें करीब 80 लोगों की मौत हो गई और 11 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गए। उन्होंने इन हमलों की निंदा की और कहा कि ईएलएन अब एक ऐसा सशस्त्र समूह बन गया है जो ड्रग तस्करी और अर्धसैनिक संस्कृति से अधिक प्रभावित है। श्री पेट्रो ने कहा कि यह हिंसा और आतंकवाद देश की सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संकट को समाप्त करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राष्ट्रपति के इस फैसले के बाद से सशस्त्र बलों ने ईएलएन द्वारा धमकी दिए गए नागरिकों को बचाने के लिए अपने प्रयासों को तेज़ कर दिया है। खासकर, उन समुदायों को निशाना बनाया गया है जिनमें शांति समझौतों के तहत हिंसा से बचने वाले लोग और उनके परिवार शामिल हैं। इन समुदायों में टिओरामा, एल तारा, कंवेंसन, सान कैलिक्स्टो, हकारी और टिबू जैसे नगर पालिकाएं शामिल हैं, जहां ईएलएन के हमलों और धमकियों से नागरिकों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

अमेरिका में फिर आया ट्रंप युग

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण करने के अपने पहले संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के साथ वो फिर से देश को आगे लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि वो सभी को साथ लेकर चलने को तत्पर हैं। साथ ही उन्होंने दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की भी घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के बाद पहला बड़ा फैसला लेते हुए देश के दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाई जाएगी। संगठित अपराध के खिलाफ आज से ही काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए जरूरत पड़ी तो वहां सेना को भी भेजा जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अवैध प्रवासियों को वहीं छोड़कर आएंगे जहां से वो आए हैं।अपनी सरकार की प्राथमिकता को बताते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता घुसपैठ को रोकना है ताकि

देश की जनता सुरक्षित महसूस करे। दूसरी प्राथमिकता महंगाई पर रोक लगाना है ताकि लोगों को जरूरी सामानों के लिए अतिरिक्त बोझ न पड़े। ट्रंप ने कहा, अत्यधिक खर्च और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई का संकट पैदा हुआ और इसीलिए आज मैं नेशनल एनर्जी इमरजेंसी की भी घोषणा करता हूं।लॉस एंजिल्स में आग की विभिषिका पर ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास एक पब्लिक हेल्थ सिस्टम है जो आपदा के समय काम नहीं करता है। फिर भी दुनिया के किसी भी देश की तुलना में इसपर अधिक पैसा खर्च किया जाता है। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। हमारे पास एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो हमारे बच्चों को कई मामलों में खुद पर शर्म करना और हमारे देश से नफरत करना सिखाती है। यह सब आज से ही बदल जाएगा। ट्रंप ने कहा, मैं देशों को जोड़ने की कोशिश करूंगा। शांति स्थापित करना मेरी प्राथमिकता है। विरोधियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई नहीं होगी। सैनिकों के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। मैं युद्ध रोकने की कोशिश करूंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की जंग में अब अमेरिका की सेना नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि दुनिया उन्हें शांति दूत के तौर पर जाने। चीन को चुनौती देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पनामा कैनाल से चीन का आधिपत्य खत्म करेंगे। पनामा कैनाल को वापस लेंगे। वहीं भविष्य की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका जल्द मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्री भेजेगा और दुनिया के सामने नई मिशाल पेश करेगा। अपने भाषण के शुरुआत में ट्रंप ने कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के साथ वो फिर से देश को आगे लेकर जाएंगे। हम अपनी संप्रभुता बनाए रखेंगे। दुनिया हमारा इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। अमेरिका में अब घुसपैठ नहीं होगा।

विपक्षी दलों के दबाव के बीच ओली सरकार ने संसद सत्र बुलाने का किया फैसला

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दलों के गठबंधन ने संसद अधिवेशन बुलाने का अल्टीमेटम दिए जाने बाद आखिरकार सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने का फैसला किया गया है। विपक्षी दलों के गठबंधन ने पिछले हफ्ते बैठक कर संसद का नियमित अधिवेशन बुलाने की मांग की थी। इस गठबंधन ने सोमवार तक संसद की बैठक बुलाने का फैसला नहीं करने

कर लिया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश करने का फैसला किया है।

सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 फरवरी से बुलाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश का फैसला पर विशेष अधिवेशन बुलाने के लिए स्पीकर के समक्ष मांग करने की जानकारी दी थी। विपक्षी दलों के अल्टीमेटम के आखिरी दिन सरकार ने संसद का नियमित सत्र बुलाने का निर्णय कर लिया है। इससे पहले सरकार ने संसद का सत्र बुलाने के बदले करीब आधा दर्जन अध्यादेश जारी किया था, जिसे इस सत्र में पेश करना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल 1500 लोगों माफी दी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेने के बाद सबसे पहले अपने ओवल ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कठोर रुख अपनाते हुए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के 78 फैसलों को रद कर दिया। कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफी दी। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकॉस्टिंग कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफ कर दिया है। उन्होंने जेल अधिकारियों को दंगों से संबंधित सभी कैदियों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति के रूप में ओवल कार्यालय दोबारा लौटते ही ट्रंप ने सबसे पहला कार्य विद्रोह में शामिल लगभग 1,500

लोगों को क्षमा करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने 14 अन्य लोगों की सजा की अवधि भी कम कर दी। साथ ही इन लोगों को भी तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। रिहा होने वालों में धुर दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज और ओथ कीपर्स समूहों के नेता और सदस्य शामिल हैं। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप ने ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका को निकालने की घोषणा की। खबर में कहा गया है कि इससे ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगना तय है। ट्रंप ने देश की बागडोर संभालने के बाद घोषणा की कि अमेरिका पेरिस समझौते को छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि पेरिस जलवायु समझौते पर अमेरिका को शामिल करने का फैसला अनुचित था।

पाकिस्तान के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन, चीन ने किया निर्माण और वित्त पोषण

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में स्थित ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। यह अत्याधुनिक हवाई अड्डा 42 अरब डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के निर्माण और वित्त पोषण का कार्य चीन ने किया है, जो पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक सहयोग का प्रतीक है। ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पाकिस्तान का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जिसे आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस किया गया है। इसका उद्देश्य न केवल स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है बल्कि यह क्षेत्र में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस नये हवाई अड्डे पर पहुंचने वाला पहला वाणिज्यिक विमान पीके 503 बना, जिसमें वाणिज्यिक यात्री और उच्च

पदस्थ अधिकारी सवार थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन शुरू होने पर संतोष व्यक्त किया और इसे ग्वादर को मध्य और पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व और खाड़ी देशों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी में बदलने में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। एक बयान में प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के संचालन को पाकिस्तान और व्यापक क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में रेखांकित किया। पीएम शहबाज ने कहा कि यह उपलब्धि हमें सीपीईसी के माध्यम से पाकिस्तान और क्षेत्र के विकास के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की साझा प्रतिबद्धता को पूरा करने के करीब लाती है।

पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने की जमानत के खिलाफ सरकार की हाई कोर्ट में अपील

एजेंसी

काठमांडू। पांच सहकारी बैंक के घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाए गए पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को जिला अदालत के जमानत पर रिहा करने के खिलाफ सरकार की तरफ से हाई कोर्ट के अपील की गई है। पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक और काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाए जाने के बावजूद पोखरा और काठमांडू के जिला अदालत ने रवि लामिछाने को जमानत पर रिहा करने का फैसला दिया था। निचली अदालत के इस फैसले को गंडकी प्रदेश के हाई कोर्ट पोखरा और बागमती प्रदेश के हाई कोर्ट पाटन में जमानत रद्द करने की मांग की गई है। नेपाल सरकार की तरफ से महान्यायाधिवक्ता कार्यालय ने दोनों जगह पर जमानत खारिज करने की मांग के साथ अपील की गई है। पोखरा जिला अदालत द्वारा रवि लामिछाने को सहकारी घोटाले में अभियुक्त बनाने के बावजूद 60 लाख रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। सरकारी वकील कमला काफ्ले ने रवि को जमानत दिए जाने के खिलाफ अपील करते हुए फैसले को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि जमानत पर छोड़ने के कारण सबूतों के साथ छेड़खानी होने, गवाहों को प्रभावित करने के चलते जमानत रद्द करने की मांग की गई है। पोखरा और काठमांडू के बाद रवि लामिछाने के खिलाफ इस समय भैरहवा के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख आरोपित के रूप में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जल्द ही रवि को भैरहवा जिला अदालत में पेश होकर जमानत लेनी होगी।

मुख्यमंत्री ने सियोल में वैश्विक निवेश रोड शो में लिया भाग

एजेंसी

सियोल। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सियोल में आयोजित वैश्विक निवेश रोड शो में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने दक्षिण कोरिया के उद्योगपतियों और निवेशकों को आगामी 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर समिट' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह समिट गुवाहाटी में 25 और 26 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि असम की रणनीतिक स्थिति, केंद्रीय सरकार का विशेष सहयोग और अनुकूल नीतियां इसे निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य बनाती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति असम को दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंध मजबूत करने का केंद्र

बिंदु बना रही है। डॉ सरमा ने भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस रोड शो में 140 से अधिक व्यवसायिक नेताओं से बातचीत की। उन्होंने दक्षिण कोरियाई उद्योगपतियों को असम की निवेश-हितैषी नीतियों और समृद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम, पर्यटन के साथ-साथ सेमीकंडक्टर और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए भी बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है। बाद में, डॉ सरमा ने कोरिया ट्रेड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (केओटीआरए) के अध्यक्ष क्यूंगसुंग कांग और उनकी टीम से मुलाकात की।

उन्होंने दक्षिण कोरियाई उद्योगपतियों को समिट में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए इसे असम और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार और उद्योगिक साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया।मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया के ऑटोमोबाइल सहायक उद्योग के सीईओ और नेताओं के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि असम भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विशाल ऑटो उद्योग तक आसान पहुंच के साथ उत्पादन का एक बड़ा केंद्र बन सकता है। उन्होंने उद्योगपतियों को अपनी सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

चीन में दो लोगों को फांसी दी गई

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने पिछले साल नवंबर में दो अलग-अलग घातक हमलों में मौत की सजा पाए दो लोगों को फांसी दे दी। 62 वर्षीय फैन वेइकिउ को 11 नवंबर को झुहाई में एक खेल केंद्र के बाहर व्यायाम कर रहे लोगों के समूह पर जानबूझकर एसयूवी चढ़ाने का दोषी ठहराया गया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए और 43 अन्य घायल हो गए थे। इस घटना ने सूचने देश को हिलाकर रख दिया था।

सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इस घटना के कुछ दिनों बाद 16 नवंबर को 21 वर्षीय जू जियाजिन ने पूर्वी प्रांत जियांग्सू के एक कॉलेज में आठ लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कालेज स्टूडेंट जू परीक्षा में फेल हो गया था और फैक्टरी इंटर्न के रूप में मिलने वाले कम मानदेय से भी नाराज था। झुहाई की अदालत ने फैन को दोषी ठहराया था। अदालत ने जोर दिया था कि फैन के व्यवहार के लिए मौत के मामले में कानून की सबसे कड़ी सजा जरूरी है। दिसंबर में यह

मामला बीजिंग स्थित सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट में पहुंचा। शीर्ष अदालत ने भी कहा था कि दोषी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। शिन्हुआ के मुताबिक, फांसी के तरीके को सार्वजनिक नहीं किया गया पर जू को फांसी से पहले लिए अधिक उदार सजा का आग्रह किया है। चीन की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की देखरेख करने वाले केंद्रीय राजनीतिक और कानूनी मामलों के आयोग के महासचिव यिन बाई ने वीभत्स घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया है। यही नहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित शीर्ष नेता दुर्लभ मामलों में कठोरतम दंड की वकालत कर चुके हैं। शीर्ष अभियोजक यिंग योंग ने हाल की घटनाओं से लिए गए सबक के आधार पर इसी तरह के अपराधों को रोकने और जांच में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। दो लोगों की फांसी की सजा पर सीएनएन ने भी खबर दी है। इसमें कहा गया कि चीन के अधिकांश सोशल मीडिया यूजर ने 62 वर्षीय फैन वेइकिउ और 21 वर्षीय जू जियाजिन को फांसी देने पर खुशी जताई है। इस पर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि चीन फांसी की कुल संख्या पर पारदर्शी जानकारी प्रदान नहीं करता है। माना जाता है कि चीन दुनिया का शीर्ष जल्लाद है। जहां हर साल हजारों लोगों को फांसी दी जाती है।

ट्रंप ने पेरिस जलवायु समझौते से हटने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, चीन को बताया जिम्मेदार

एजेंसी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने के अपने फैसले का बचाव करते हुए चीन को जिम्मेदार ठहराया। इससे पहले उन्होंने पहले कार्यकाल 2017 में इसके लिए भारत को दोष दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पोर्टिंग एरिना में समर्थकों से कहा, मैं अन्यायपूर्ण, एकतरफा पेरिस जलवायु समझौते से तत्काल हट रहा हूं, क्योंकि जब चीन बिना किसी रोक-टोक के प्रदूषण फैला रहा है, तो अमेरिका अपने उद्योगों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

इस अवसर पर देश के सभी हिस्सों से लोग राजधानी आए थे। यह खास समारोह आम तौर पर यूएस कैपिटल के बाहर होता था। लेकिन इस बार, समारोह को यूएस कैपिटल के अंदर कर दिया गया। इसलिए, जो लोग समारोह देखना चाहते थे, उन्हें स्पोर्टिंग एरिना में ले जाया गया। वहां उन्होंने विशाल टीवी स्क्रीन पर समारोह देखा। ट्रंप ने आगे कहा, आप

जानते हैं चीन बहुत सारी गंदी ऊर्जा का उपयोग करता है, लेकिन वे बहुत सारी ऊर्जा का उत्पादन करते हैं। जब यह हवा में जाता है, तो यह चीन में नहीं रहता, यह हवा के साथ अन्य देशों में भी पहुंचता है, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका। इसलिए, जब हम स्वच्छ हवा की बात करते हैं, तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि अन्य देशों से आने वाली प्रदूषित हवा का क्या होगा। जब तक सभी देश स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग नहीं करते, तब तक स्वच्छ हवा की बात करना व्यर्थ है। इस प्रकार अमेरिका एक बार फिर पेरिस जलवायु समझौते से बाहर हो गया है। ट्रंप ने जश्न खत्म होने से पहले ही काम शुरू कर दिया और एक आदेश पर हस्ताक्षर करके बाइडन प्रशासन के कई नियमों को रद्द कर दिया। यह सब उनके समर्थकों के सामने हुआ, जो स्पोर्टिंग एरिना में पूरे दिन इसका इंतजार कर रहे थे। राष्ट्रपति के निर्देश पर उद्घोषक ने कहा, राष्ट्रपति ने बाइडन प्रशासन के समय के 78 आदेशों, कार्यवाहियों और ज्ञापनों को रद्द करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।÷ यह हस्ताक्षर स्टेडियम में बने एक विशेष मंच पर, राष्ट्रपति की मोहर के साथ किए गए।

विदेश मंत्री जयशंकर मोदी के विशेष दूत के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन समारोह में हुये शामिल

वाशिंगटन/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह सुबह सेंट जॉन्स चर्च में उद्घाटन दिवस प्रार्थना सेवा में शामिल हुए।उन्होंने कहा, आज वाशिंगटन डीसी में अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश मंत्री और प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिलाआज सुबह सेंट जॉन्स चर्च में उद्घाटन दिवस प्रार्थना सेवा में भाग लिया।

महिला शिक्षा पर प्रतिबंध इस्लाम के खिलाफ, लड़कियों के लिए फिर से खुलें स्कूल : तालिबान के उप विदेश मंत्री

एजेंसी

काबुल । तालिबान के कार्यवाहक उप विदेश मंत्री ने अफगान लड़कियों के लिए स्कूल खोले जाने की अपील की है। यह टिप्पणी हाल के वर्षों में किसी तालिबान अधिकारी की तरफ से देश में महिला शिक्षा पर प्रतिबंध की सबसे कड़ी सार्वजनिक आलोचनाओं में से एक है। लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी एक ऐसी नीति है जिसने तालिबान को दुनियाभर से अलग-थलग कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेर मोहम्मद अब्बास स्तानेकजई ने सप्ताहांत में एक भाषण में कहा कि लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध इस्लामी शरिया कानून के अनुरूप नहीं है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मंत्री ने तालिबान के प्रशासन के नाम का जिक्र करते हुए कहा, हम इस्लामिक अमीरात

के नेताओं से शिक्षा के दरवाजे खोलने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा, पैगंबर मुहम्मद के समय में ज्ञान के दरवाजे पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुले थे।कार्यवाहक उप विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान की महिला आबादी का जिक्र करते हुए कहा, ''आज, चालीस करोड़ की आबादी में से हम बीस करोड़ लोगों के खिलाफ अन्याय कर रहे हैं।'' तालिबान का दावा है कि वे इस्लामी कानून और अफगान संस्कृति की अपनी व्याख्या के अनुसार महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करते हैं। हालांकि उन्होंने 2022 में लड़कियों के लिए हाई स्कूल खोलने के वादे पर यू-टर्न लिया। 2022 के अंत में महिला छात्रों के लिए विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया।तालिबान प्रशासन तब से कहता रहा है कि वह स्कूलों को फिर से खोलने की योजना पर काम कर रहा है, लेकिन उसने कोई समयसीमा नहीं बताई है। इस्लामी विद्वानों सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तालिबान नीतियों की व्यापक आलोचना की गई। पश्चिमी राजनयिकों ने कहा है कि तालिबान को औपचारिक मान्यता देने का कोई भी रास्ता तब तक बंद है जब तक कि महिलाओं के प्रति उनकी नीतियों में बदलाव नहीं होता।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डाबड़ी में नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका जिले के डाबड़ी इलाके में एक नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार नाबालिग के ऊपर चाकू से कई वार किए गए हैं। फिलहाल पुलिस हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 17 वर्षीय विवेक परिजनों के साथ डाबड़ी में रहता था। पुलिस को सोमवार सुबह सूचना मिली कि एक लड़के को बदमाशों ने चाकू मार दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल पर एक लड़का अचेत अवस्था में मिला। पुलिस ने लड़के को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर क्राइम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस सूत्रों के अनुसार सीसीटीवी फुटेज से आरोपितों की पहचान कर ली गई है, जिन्हें पुलिस जल्द ही गिरफ्तार करेगी।

ऑटो में मिला युवक का शव, पुलिस ने दर्ज किया हत्या का केस

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गांधी नगर इलाके में एक ऑटो में एक युवक का बीती रात शव मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक के गले में तेजधारदार हथियार से हमला किया गया है। पुलिस ने युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान मोहम्मद आसिफ के रूप में हुई। घटनास्थल पर क्राइम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। फिलहाल गांधी नगर थाना पुलिस हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि रविवार रात करीब आठ बजे पुलिस को सूचना मिली कि पुराने लोहे के पुल के पास ऑटो में एक व्यक्ति मृत पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के गर्दन में चोट के निशान थे। डीसीपी के अनुसार उक्त मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

पुलिस ने पिछले 12 दिनों में पकड़ी एक करोड़ से अधिक मूल्य की शराब

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और स्वतंत्र बनाने के लिए दिल्ली पुलिस लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। दिल्ली पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की इन कोशिशों के चलते 7 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक कई अहम एक्शन लिये गए।

सफाई कर्मचारियों और गरीबों को नया फ्लैट देने की घोषणाएं दिल्ली सरकार की झूठी राजनीतिः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा नेताओं ने जे.जे. क्लस्टर बवाना स्थित केन्द्र सरकार द्वारा तैयार किये फ्लैट्स की दुर्दशा पर दिल्ली सरकार की आलोचना की है। उन्होंने दिल्ली की जनता को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं समाचार चैनलों के माध्यम से लाइव दिखाया और जनधन की बर्बादी के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है।

इस दौरान वीरेन्द्र सचदेवा ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की जिद और राजनीतिक द्वेष के कारण खंडहर हुए फ्लैट्स केजरीवाल के दोहरे चरित्र को उजागर करते हैं।भाजपा नेताओं ने दिखाया कि किस तरह से फ्लैट्स की दिवारें रखरखाव ना होने की वजह से गिर गई हैं और जर्जर हालात में हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार जनधन की बर्बादी करती रही है और उसका सबसे बड़ा उदाहरण खंडहर पड़े ये सरकारी फ्लैट्स हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने 50 हजार फ्लैट्स सिर्फ इस जिद के कारण खंडहर में तब्दील कर दिए, क्योंकि उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए फ्लैट्स पर मुख्यमंत्री का नाम रखना था। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी और गरीबों के लिए केन्द्र सरकार ने लगभग 12 हजार करोड़ रुपये दिए ताकि ये फ्लैट्स तैयार हो सकें। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि तीन बार मुख्यमंत्री बनने के बाद भी अरविंद केजरीवाल ने इन फ्लैट्स के गरीबों को आवंटन पर ध्यान नहीं दिया परन्तु आज सफाई कर्मचारियों और अन्य गरीबों को नया फ्लैट देने की झूठी घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार आते ही जैसे देश भर में चार करोड़ लोगों को पक्के मकान देने का काम किया गया है, वैसे ही दिल्ली में भी इन फ्लैट्स की मरम्मत करके देने का काम भाजपा सरकार करेगी। सचदेवा ने कहा कि स्वाभिमान अपार्टमेंट देकर मोदी सरकार ने दिल्ली के गरीब लोगों को सौगात दी है लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इन खंडहर पड़े फ्लैट्स की मरम्मत के लिए 250 करोड़ रुपये की अपने ही विभागों की मांग के बावजूद सिर्फ एक लाख रुपये ही दिए।उन्होंने कहा कि दिल्ली की गरीब जनता को सिर्फ अपना वोट बैंक समझने वाले केजरीवाल की दोहरी नीति का पर्दाफाश हो चुका है, इसलिए अब उन्हें ज्यादा बहाने बनाने पड़ रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के नेताओं पर बनी "अनब्रेकेबल" डॉक्यूमेंट्री यू-ट्यूब पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संघर्षों पर बनी ''अनब्रेकेबल'' डॉक्यूमेंट्री फिल्म यू-ट्यूब पर उपलब्ध हो गई है। यू-ट्यूबर ध्रुव राठी ने इस डॉक्यूमेंट्री को बनाया है और उन्होंने अपने यू-ट्यूब चैनल पर इसे जारी किया है।

इस डॉक्यूमेंट्री को यू-ट्यूब पर सार्वजनिक होने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेताओं ने इसके लिंक को अपने एक्स हैंडल पर साझा कर दिल्ली और देश के लोगों को देखने और ज्यादा से ज्यादा लोगों में शेयर करने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि यह फिल्म मेरे लिए बेहद भावुक है। यह हमारे पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। देश में किसी और पार्टी ने ऐसी साज़िशों और पूरे सिस्टम के हमलों का सामना नहीं किया होगा लेकिन मुश्किल वक्त ही दिखाता है कि हम असल में कौन हैं? ''आप इज अनब्रेकेबल।'' धन्यवाद ध्रुव, जब पूरा सिस्टम इसे रोकने की कोशिश कर रहा था, तब आपने इस डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के सामने लाने की हिम्मत दिखाई। ये फिल्म पहली बार हमारा पक्ष बताती है। इसे जरूर देखें और सबके साथ शेयर भी करें। सांसद संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि हर एक बात पर कहते हो तुम कि तू क्या है? मिर्ज़ा ग़ालिब साहब की लाइन विपक्ष पर फिट बैठती है। हम तो आपसे सिर्फ़ इतना कहना चाहते हैं कि हम 'टूटेंगे नही' आप भी देखिए और अपने कार्यकर्ताओं को भी दिखाइए। कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि सत्ता की जुल्म बनाम आम आदमी की हिम्मत है अनब्रेकेबल। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक और मंत्री गोपाल राय ने एक्स पर कहा कि ''अनब्रेकेबल'' भारत के इतिहास के सबसे बड़े राजनीतिक षड्यंत्र की एक अद्भुत कहानी है।

उदित राज ने बौद्ध विहार-वाल्मीकि मंदिर पुजारियों को मासिक भत्ते की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से पुजारियों-ग्रंथियों की तर्ज पर बौद्ध विहार, वाल्मीकि-रविदास मंदिरों के पुजारियों तथा चर्चों के पादरियों के लिए 18 हजार रुपये मासिक देने की मांग की। उदित राज अपनी मांगों को लेकर आज केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है। देवेंद्र यादव ने कहा कि आज का दिन दिल्ली के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा, जब दलित समाज की मुखर आवाज उदित राज को सिर्फ़ इसलिए गिरफ़्तार किया गया कि वो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों की आवाज उठा रहे थे। उदित राज अरविन्द केजरीवाल से बौद्ध विहार, वाल्मीकि मंदिरों, रविदास मंदिरों के पुजारियों और चर्चों के पादरियों के लिए 18000 रुपये मासिक देने की मांग उनके निवास पर कर रहे थे। क्योंकि केजरीवाल ने ग्रंथियों और पुजारियों 18000 रुपये मासिक देने की घोषणा की थी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल का दलित और अल्पसंख्यक विरोधी चेहरा उजागर हो गया, क्योंकि जब दलितों के अधिकारों की हम लड़ाई लड़ते हैं तो भाजपा और और आम आदमी पार्टी दोनों को दिक्कत होती है। केजरीवाल ने 11 वर्षों में एक भी दलित और अल्पसंख्यक वर्ग का राज्यसभा सदस्य नहीं बनाया।

दिल्ली चुनाव 2025 : प्रधानमंत्री मोदी दो जनसभाओं को करेंगे संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 31 जनवरी को एक-एक रैली को संबोधित करेंगे।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जनसभा 29 जनवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 4 पुस्ता, करतार नगर के पास यमुना खादर क्षेत्र में आयोजित होगी। प्रधानमंत्री की दूसरी रैली 31 जनवरी को द्वारका में सेक्टर-14 के पास स्थित वेगास मॉल के निकट आयोजित की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी इन जनसभाओं के माध्यम से दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में जनसमर्थन तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे। दिल्ली की राजनीति में भाजपा अपनी खोई जमीन दोबारा हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और इन जनसभाओं में पीएम मोदी की मौजूदगी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को एक ही चरण में होगा। इस बार कुल 83,49,645 पुरुष; 71,73,952 महिला और 1,261 थर्ड जेंडर वोटरों सहित 1.55 करोड़ से अधिक मतदाता अपने बहुमूल्य अधिकार का प्रयोग करेंगे। नतीजों का ऐलान 8 फरवरी को होगा।

स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली। सांसद व दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर निशाना साधा है। इस बार उन्होंने गंदे पानी के सप्लाई को लेकर वीडियो जारी कर हमला बोला है उन्होंने दिल्ली के बादली विधानसभा इलाके का औचक निरीक्षण किया। यहां के लोगों ने उन्हें गंदे पानी की समस्या के बारे में बताया।

स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, दिल्ली के दारूबाजों में खुशी की लहर है। पहले शराब 1+1 मिलने के बाद अब अरविंद केजरीवाल सीधा नल से शराब जैसा पानी सप्लाई कर रहे हैं। इस बियर जैसे दिखने वाले पानी को पीकर आप सीधा अस्पताल पहुंचेंगे। चिंता मत कीजिए, वो भी तो वर्ल्ड क्लास बना ही दिये हैं।

इस वीडियो में महिलाएं गंदे पानी से होने वाली समस्याएं बताती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही स्वाति मालीवाल खुद भी नल से पानी भरते हुए नजर आ रही हैं। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि गंदे पानी के इस्तेमाल से लोग आए दिन बीमार रहते हैं। इसके अलावा वीडियो के अंत में एक शॉट क्लिप अरविंद केजरीवाल का भी है, जिसमें वह स्वच्छ पानी के सप्लाई के बारे में बात करते हुए नजर आ रहे हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **भारतीय प्रेरणा पार्टी** (दल का नाम के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय **मकान नं-139, हरि नगर, आश्रम, नई दिल्ली**-110044. (पूरा पता लिखे) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:

अध्यक्ष :- अशोक कुमार मिश्रा

महासचिव :- राहुल पाल

कोषाध्यक्ष :- मनोज कुमार दुबे

यदि किसी को **भारतीय प्रेरणा पार्टी** (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपति हो तो वे अपनी आपति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

PUBLIC NOTICE

This is informed to all in General Public at large that my client namely Radhe Shyam Bari S/o Lt. Natthu Mal Bari Rio H.No. E-2/221, Shastri Nagar Delhi-110052 aged 66 years hereby in sound mind and disposing memory, annul has severed all his relations with her sons Amit Kumar aged 40 years. Ajay Kumar aged 35 years, daughter in laws Manju w/o Amit aged 35 years, Neelam Ajay Kumar w/o Ajay Kumar aged 32 years daughters Miss. Manisha D/o Radhey Shyam Bari all above relations R/o H.No. E-2/221, Shastri Nagar Delhi-110052 and Smt. Maya D/o Sh. Radhey Shyam Bari Wo Sh. Ajay Kumar R/o 5327, Ward No. 9, Nalbanda Rewari, Haryana-123401 has disinherited them from all his movable and immovable properties situated in any part of india. Anybody dealing with them may do so at his/her/ their own risk, cost, consequence and responsibility. My client shall not be responsible in any manner.

SHEETAL ADVOCATE
CH.NO.302, CIVIL WING
TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

NAME CHANGE

It is for general information that I RESHMA KHATUN D/O AFTAB ALAM W/O SHAHNAWAZ R/O D-1/7, F/F Gali No. 4, Opp. SVN Public School, Kabir Nagar, Gokul Puri, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as ALIA in my Aadhaar Card No- 558724105268. The actual name of mine is RESHMA KHATUN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANJU DEVI alias SUCHITA DEVI W/O OM PRAKASH SINGH R/O Plot No- 52, G/F Gali No-3, Khasra No-132/13/1/2, Block-C, Dichaon Enclave, Najafgarh South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known as SUCHITA DEVI.

RELIGION CHANGE

I, Kajal Sharma D/O Ravi Sharma R/O WZ-68/C, Main Bazar, Shadipur, Patel Nagar, PO: Patel Nagar, Dist: Central Delhi, Delhi -110008, have changed my Religion Hindu to Muslim from dated 13.01.2025 and changed my name to Sara.

NAME CHANGE

It is for general information that I, DEEPTI W/O ASHOK KUMAR, R/O H NO-164 C, BS-BLOCK, SHALIMAR BAGH, NORTH WEST DELHI, DELHI-110088 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SRISHTI in my minor daughter SHRISHTI aged 15 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is SHRISHTI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Brahm Dev Shah S/o Laxmi Shah R/o H.No-4626 U/G/F, Shora Kothi, Pahar Ganj, Central Delhi, Delhi-110055 declare that name of my minor son has been wrongly written as Chanchal Shah in my minor son Sachin Shah aged 13 years in his School Records. The actual name of my minor son is Sachin Shah.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ASHOK KUMAR KOTNALA S/O KISHORE KUMAR KOTNALA R/o RZ-205 A/16, Near Tara Apartment, Tughlakabad Ext., Alakhnanda, South Delhi -110019, declare that name of mine and my father have been wrongly written as ASHOK KUMAR and KISHOR KUMAR in my 10th Class and Name of mine and my father have been wrongly written as ASHOK KUMAR and KISHORE KUMAR in my 12th class Educational Documents. The actual name of mine and my father are ASHOK KUMAR KOTNALA and KISHORE KUMAR KOTNALA respectively, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

I, Netrapal Singh S/O Doongar Singh R/O-P-2, 3rd floor Pillangi Village, Near Indira Niketan, Sarojini Nagar, PO: Sarojni Nagar, Distt: South West Delhi, Delhi -110023, have changed my minor Son namely Boby aged 16 years and he shall hereafter be known as Boby Singh

NAME CHANGE

I, hitherto known as GANGA DEVI W/O BHAWANI RAM Permanent Resident GOLFA, PO- BAUNA, SUB DISTT-MUNSIYARI, DISTT- PITHORAGRAH, UTTARAKHAND-262554 Presently Residing at FLAT NO - TF-2 /B-5 SLF, VED VIHAR, LONI GHAZIYABAD UTTAR PRADESH-201102, have changed my name and shall hereafter be known as GANGOTRI DEVI.

NAME CHANGE

I, POONAM GUPTA W/O ANKUR JAIN R/O RZB-26B, FIRST FLOOR, GURUDWARA WALI GALI, MAHAVIR ENCLAVE, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI-110045, have changed the name of my minor son KIYANSH JAIN aged 03 years and he shall hereafter be known as SWASTIK JAIN.

NAME CHANGE

I, ANAND AGARWAL S/O MANOHAR LAL AGARWAL R/O J-15, HAUZ KHAS ENCLAVE, HAUZ KHAS, SOUTH DELHI, DELHI-110016, have changed the name of my minor daughter KAASHVI AGARWAL aged 14 years and she shall hereafter be known as KAASHVI AGARWAAL

NAME CHANGE

I, BENCY RAJU spouse of No.GS-187754X Rank-SR DFM Name- RAJU GEORGE R/o 3/12, UDAY NIWAS, MISHRA CHAWL, GROUP NO-5, VIKROLI EAST, MUMBAI-400083, have changed my name from BENCY RAJU to BENCY BABU LUKOSE for all future purposes. Vide affidavit dated 21.01.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD AERIF S/O-ABDUL RISHED R/O R-3 A-2, House No-34A, Block R-3 A-2, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have changed my name from MOHD AERIF S/O-ABDUL RISHED to MOHAMMD ARIF S/O ABDUL RASID for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्रीमती प्रियांक महंत ने मुझे आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया है। आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती प्रियांक महंत ने श्रीमती दीप्ति चक्रवर्ती से गोविंद पुरी एक्सटेंशन कालकाजी नई दिल्ली में स्थित म्यूनिसिपल नंबर 1930-ए, गली नंबर 19 वाले प्लॉट पर निर्मित 735 वर्ग फीट का फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण भूतल (आरएचएस) बिना छत के अधिकार के खरीदा है, शुरू में श्रीमती दीप्ति चक्रवर्ती और श्री अरुण चक्रवर्ती जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (पंजीकृत) और विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 30.11.2000 के आधार पर संयुक्त रूप से स्वामित्व में थे, उसके बाद श्री अरुण चक्रवर्ती ने श्रीमती दीप्ति चक्रवर्ती के पक्ष में दिनांक 24.03.2016 को वसीयत निष्पादित की, उसके बाद उक्त संपत्ति श्रीमती प्रियांक महंत के नाम से बिकने जा रही है, हमारी ग्राहक यह घोषणा कर रही है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखाः झंडेवालान दिल्ली द्वारा किया जाना है।

यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I hitherto known as SONU AHIRWAR alias SONU KUMAR YADAV S/O SUKH LAL R/O 88/2, T-Huts, Near MTNL Office Sector-3, Rohini PO: Rohini Sector-7, District North West Delhi, Delhi-110085, have changed my name and shall hereafter be known as SONU AHIRWAR.

NAME CHANGE

I,MANISH KUMAR VOHRA S/O BRIJ MOHAN VOHRA R/O B3A/40A, GROUND FLOOR JANAKPURI PO JANAKPURI B-1 DISTRICT WEST DELHI- 110058 have changed my name to MANISH VOHRA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Bernadette Assunta Bedi widow of IC No : 25414X Rank : Colonel Name : (Late) Pushpinder Singh Bedi resident of C-490, Defence Colony, Lajpat Nagar, South Delhi, Delhi-110024 have changed my daughter name from AMBIKA BEDI to AMBIKA MARIA BEDI for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL20080553480958X and dated 21.01.2025 before sub divisional magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Nitin Kumar alias Nitin Thukral S/O Rakesh Kumar R/O 134, E-Block, Phase-1, Jai Vihar ,Najafgarh, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043,have changed my name and shall hereafter be known as Nitin Thukral.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ATUL MAHEY S/o VINOD MAHEY R/o 666, Gali No. 7, Govindpuri, Kalkaji, South Delhi, Delhi - 110019 declare that name of my minor son has been wrongly written as TRISHAN in my minor son namely TRISHAN MAHEY aged 5 year in his school record. The actual name of my minor son is TRISHAN MAHEY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NAGOOR MEERAVALI SHAIK S/o MOULALI SHAIK R/o 42-54-22/1, Vijayawada, Urban Krishna, Andhra Pradesh-520015 and Present R/O WZ-915, Besides Vidyarshi Classes Near Bata Chowk Palam Village New Delhi-110045 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SAFIYA SHAIK in my minor daughter namely SHAIK SAFIYA aged 14 year in her school record. The actual name of my minor daughter is SHAIK SAFIYA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLTENTS MR. JAGDTSH DAN| S/O LATE SH. SHYAM SINGH DANI AND MRS. SUDHA WO MR. JAGDISH DANI BOTH R/O RZ.5A, GALI NO.6, RAJ NAGAR 1, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, Delhi 110077 HEREBY DECLARE THAT THEY HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DISINHERITED THEIR SON I.E. KARAN DANI, THEIR DAUGHTER-IN-LAW I.E. SONAM CHAUHAN (WIFE OF KARAN DANI) , THEIR GRAND DAUGHTER I.E. SHREYA DANI (CHILD OF KARAN DANI & SONAM CHAUHAN) DUE TO MISBEHAVIOUR OF ABOVE MENTIONED SON & DAUGHTER-IN-LAW FROM THEIR ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER/ WHEREEVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. THEY HAVE ALSO RELEASED ALL THEIR RELATIONS WITH THEIR ABOVE MENTIONED SON, DAUGHTER.IN-LAW & GRANDDAUGHTER FOR ALL INTENTS AND PURPOSES, AND MY CLIENTS HEREBY DECLARE THAT THEY SHALL NOT BE RESPONSIBTE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF THEIR ABOVE MENT]ONED SON & DAUGHTERIN-LAW FROM HERETO. ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL DO SO AT HIS/HER/ THEIR OWN PERIL.

GULSHAN CHANANA
11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027, PH:7838546879

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR Residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512 have change my minor son's name from SAMARTH to SAMARTH BALAJIRAO PANCHAL for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-472601P, Rank-SUB Name-KISHAN DEV R/o VILL-KHAJPUR, PO-MANAGARHI, TEH-MANT, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281201, have changed my daughter's name from YASH CHOUDHARY to YASHI CHOUDHARY for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-472601P, Rank-SUB Name-KISHAN DEV R/o VILL-KHAJPUR, PO-MANAGARHI, TEH-MANT, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281201, have changed my father's name from GIRRAJ SINGH to GIRRAJ for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-472601P, Rank-SUB Name-KISHAN DEV R/o VILL-KHAJPUR, PO-MANAGARHI, TEH-MANT, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281201, have changed my mother's name from OMWATI DEVI to OMVATI for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I HARDEEP SINGH CHAUHAN CHAUHAN S/O MUKHTIAR SINGH CHAUHAN R/O 901 EMPIRE OMAXE NORTH AVENUE 1 BAHADURGARH JHAJJAR PIN-*124507* HARYANA I HAVE CHANGED NAME TO HARDEEP SINGH CHAUHAN

NAME CHANGE

I SHYAM DEO RAI S/O KAILASH RAI R/O 105 BAUR BYAS 2 KHALILABADA BAKHIRA BAURBYAS SANT KABIR NAGAR UTTAR PRADESH 272199 I HAVE CHANGED MY NAME TO SHYAM DEV

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री रवि कुमार पांडे ने मुझे आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया है। आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती पल्लवी शर्मा पत्नी श्री राम शर्मा, प्रशांत नगर कॉलोनी, खेत/खसरा संख्या 87 में स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 44, क्षेत्रफल 64 वर्ग गज यानि 53.51 वर्ग मीटर की मालिक हैं, जो कि सूरजपुर गांव, परगना दादरी, तहसील और जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 03.06.2024 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 16453, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 44868, पृष्ठ संख्या 149-164 पर, एसआर- ग्रेटर नोएडा, और सुधार विलेख दिनांक 13.01.2025 के अनुसार दस्तावेज़ संख्या 1313, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 46315, पृष्ठ संख्या 87-96 पर, एसआर- ग्रेटर नोएडा, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है, यानी श्री देवेंद्र कुमार पुत्र श्री राम सरन दास और श्री हरकिशन पुत्र श्री मंगतू के बीच पंजीकृत विभाजन विलेख, हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री रवि कुमार पांडे के नाम से बिकने जा रही है, जिसे आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखाः नोएडा, यू.पी. द्वारा वित्तपोषित किया जाना है।

यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR Residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512 have change my wife's name from SARIKA to SARIKA BALAJI PANCHAL for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-768777F Rank-SUB Name-PANCHAL BALAJI GANGADHAR Residing at VILL-DABHADI, PO-PARDI, TEHSIL-BASMATH, DIST-HINGOLI, MAHARASHTRA-431512 have change my minor daughter's name from TANVI to TANVI BALAJI PANCHAL for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442542Y Rank- SUB Name- G CHANDRA MOHAN REDDY residing at 1-62, VPO- PERUR, TIRUPATI (RURAL), DIST-TIRUPATI, ANDHRA PRADESH-517505, have change my minor son's name from G MUNI DAYAANESHWAR REDDY to G MUNI DAYANESHWAR REDDY for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SIRIPURAM KOMURAIAH Father of No-2607792X Rank-CHM, Name-THIRUPATHI SIRIPURAM residing at VILL-MYLARAM, POST-HUSSAINPALLI, MANDAL-SHAYAMPET, DIST-HANUMAKONDA, TELANGANA-506319, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 03/03/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1959 vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SIRIPURAM VASANTHA Mother of No-2607792X Rank-CHM, Name-THIRUPATHI SIRIPURAM residing at VILL-MYLARAM, POST-HUSSAINPALLI, MANDAL-SHAYAMPET, DIST-HANUMAKONDA, TELANGANA-506319, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/06/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री फरमान अहमद खान, आवासीय सम्पत्ति ग्राउंड फ्लोर के हिस्से को, जो सम्पत्ति संख्या II-35 पर निर्मित है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014 में स्थित है, को श्री हरिश बांगवाल से खरीदने का इरादा रखते हैं। सम्पत्ति सम्पत्ति को फ्रेंड्स एसोसिएट्स ने 03.03.2003 को एक कन्वेयेंस डीड के माध्यम से क्हद्ध के जरिए ष्ठ्ठ से खरीदी थी। इसके बाद, फ्रेंड्स एसोसिएट्स ने 27.03.2003 को एक बिक्री डीड के माध्यम से यह सम्पत्ति श्री प्रदीप लाल धींगरा को बेच दी थी। श्री प्रदीप लाल धींगरा ने 26.03.2021 को श्री बद्री प्रसाद अंथवाल के पक्ष में एक वसीयत बनाई थी। दुर्भाग्यवश, श्री प्रदीप लाल धींगरा का निधन हो गया। उनके निधन के बाद, वसीयत के धारक श्री बद्री प्रसाद अंथवाल ने 29.07.2024 को एक बिक्री डीड के माध्यम से यह सम्पत्ति श्री हरिश बांगवाल को बेच दी। यह सम्पत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा - यूनिट नं. 806, 807 और 808, 9वीं मंजिल, के.एम. ट्रेड टावर्स II-3, रैडिसन होटल के पास, कौशांबी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010 द्वारा वित्तपोषित की जा रही है।

यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

आपका विश्वासी,
[अश्वनी कुमार] वकील
चैंबर नंबर 122, तहसील कंपाउंड, गाजियाबाद, यूपी
kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, BHARAT GORVER S/O BALDEV RAJ GROVER R/o B-2/58, 4TH FLOOR, ASHOK VIHAR PHASE-2, DELHI-110052 have changed my name to BHARAT GROVER for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SHIVANI BHATIA D/O DHARAMPAL BATRA R/O H.NO-204, E-2130, BLOCK-E, SAFAL DAIRY, PALAM VIHAR, CHOMA(62), GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO SHIVANI BATRA FOR ALL FUTURE PURPOSE .

NAME CHANGE

I hitherto known as Simran D/o Subhash Malik R/o Quarter-501 5th Floor, DCP Office And Staff Quaters, Sector-5, Rohini Sector-7, Narela, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as Simran Malik.

NAME CHANGE

I, No-15454234X Rank-SEP Name-VIVEK KUMAR MALL Residing at VILL-AURA CHAURI, PO-G.I. ESTAT DEORIA, TEHSIL & DIST-DEORIA, UTTAR PRADESH-274001 have change my father's name from VIJAYA NAND MALL to VIJAYANANDA for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MD SHAMIM AHMAD S/O ABU MOHAMMAD residing at D-21/7, GALI NO-3,NEAR WAHID MASJID, SHASTRI PARK, North East Delhi, 110053,have changed my name to SHAMIM AHMAD for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Arjun Thakur S/o Gunanand Thakur R/o E 1/11, Jaitpur Extension, Badarpur-110044 have changed my name to Arjun Kumar Thakur.

NAME CHANGE

I, BHARAT SHARMA S/O ASHOK R/O F-54 S/F FRONT SIDE GALI NO-4 MAHAVIR ENCLAVE PART-3 UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 declares that I have changed my name from BHARAT to BHARAT SHARMA for all in further purpose.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री अमित कुमार ने मुझे आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया है ।

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री सनोज प्रताप गौतम, फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित प्लॉट संख्या बी-22, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा संख्या 1136, कोहली विहार, यमुना विहार, ग्राम बरौला परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित के मालिक हैं। दिनांक 02.12.2024 को बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 14335, पेज नंबर 219-236 पर दस्तावेज़ संख्या 9716 के रूप में विधिवत पंजीकृत गिफ्ट डीड के आधार पर, इस दिनांक 02.12.2024 को, एसआर- नोएडा II, गौतम बुद्ध नगर, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है अर्थात स्वर्गीय श्री सुरेंद्र प्रताप गौतम की एसएमसी की मृत्यु 21.03.2021 को हो गई। हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और छत के अधिकारों के साथ तीसरी मंजिल पर निर्मित भी श्री अमित कुमार के नाम से बिकने जा रही, जिसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा कौशाम्बी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना है।

यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार/स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Anushka Rathi D/o Ajay Singh R/o H.No-2267/3, Old Delhi Road, Rajiv Nagar, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Anushka Panwar For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, SHRI RAMLAL SAHU Father of No-16115619W, Rank-L/HAV, Name-RAMENDRA SAHU Residing at WARD NO-10, GOHJAR, CHHINDWARA, MADHYA PRADESH-480107 have changed my name from SHRI RAMLAL SAHU to RAMLAL SAHU for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

Birj mohan, S/o, Shri , Kanhci Ram, R/o. F-449 Dakshin Puri Extn Dr. Ambedkar Nagar new delhi 110062, have changed my name to Brij Mohan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KASHVVA Mother of No-2609169A, Rank-HAV, Name- BASAVARAJ PAWADEPPANAVAR residing at VILL-BASIDONI, POST-GORABAL, TEHSIL-SAUNDATTI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591126, have changed my name from KASHVVA to KASHAVVA BASAPPA PAWADEPPANAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442609M Rank- NB/SUB Name- D JEYA KUMAR residing at 11-107 B, VELANCODE, KAPPIYARAI, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629156, have change my minor son's name from J J ABHINAV NIHAL to ABHINAV NIHAL J J for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442609M Rank- NB/SUB Name- D JEYA KUMAR residing at 11-107 B, VELANCODE, KAPPIYARAI, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629156, have change my minor son's name from J J AASHISH NIHAL to AASHISH NIHAL J J for all future purposes vide Affidavit dated 21/01/2025 before Notary Public, Delhi.

निगमायुक्त आरडी सिटी का किया दौरा, सीवर समस्या, सफाई व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने अधिकारियों की टीम के साथ आरडी सिटी का दौरा कर क्षेत्र में मौजूद समस्याओं का जायजा लिया। दौरे के दौरान उन्होंने सीवर समस्या के स्थायी समाधान, सडक़ों के दुरुस्तीकरण और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने क्षेत्र के निवासियों की समस्याएं सुनने के लिए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रवीण यादव, महासचिव चेताली मंडोतरा और अन्य नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक में जन शिकायतों पर विस्तृत चर्चा की गई और उन्हें प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रवीण यादव ने सीवर ओवरफ्लो और सडक़ों की खराब स्थिति की समस्याओं को निगमायुक्त के समक्ष रखा। महासचिव चेताली मंडोतरा ने सफाई व्यवस्था को नियमित और प्रभावी बनाने की मांग की। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में सीवर लाइन की सफाई और मरम्मत का काम शीघ्र शुरू किया जाए। साथ ही, सडक़ों के दुरुस्तीकरण और सफाई कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। निगमायुक्त की पहल पर स्थानीय निवासियों ने संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान होगा। अधिकारियों की टीम ने मौके पर जाकर समस्याओं की समीक्षा की और त्वरित कार्रवाई का वादा किया।

गुरुग्राम में स्कूल वाहनों की जांच के लिए फिर से चलाया जाएगा अभियान

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की अनुपालना के लिए स्कूल वाहनों की जांच का अभियान आरटीए ऑफिस की ओर से चलाया जाएगा। परिवहन विभाग के राज्य आयुक्त डी.जी. रजनीकांथन से हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद एसडीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति हरियाणा सरकार पूरी तरह गंभीर है। स्कूल बसों के सुरक्षित आवागमन के लिए यह जरूरी है कि इन बसों के चालक यातायात नियमों का ठीक ढंग से पालन करें और बस की कंडीशन ठीक रहनी चाहिए। परिवहन आयुक्त ने वीसी में निर्देश दिए कि रोजाना कम से कम चार-पांच स्कूलों की बसों की जांच होनी चाहिए। किसी वाहन में कोई त्रुटि नजर आती है तो उसका चालान किया जाए। उन्होंने कहा कि इन दिनों सुबह के समय धुंध का मौसम रहता है। इस मौसम में स्कूल बसों की गति धीमी रखनी चाहिए तथा बसों पर पीली लाइटें लगी हों। बसों में फर्स्ट एड की किट, सीसीटीवी कैमरा, प्रशिक्षित चालक-परिचालक, बसों पर हेल्पलाइन नंबर आदि अंकित होनी चाहिए। बसों में उतने ही बच्चे बैठाएं जाएं, जितनी कि सीट हों। एसडीएम ने बताया कि 21 जनवरी से जिला की शिक्षण संस्थाओं के वाहनों की जांच का अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान स्कूल वाहन पॉलिसी के अनुसार उनका निरीक्षण किया जाएगा।

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की होगी शानदार प्रस्तुति

पलवल। जिला के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम पलवल में 26 जनवरी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2025 को जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के मार्गदर्शन में भव्य व देशभक्ति से परिपूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। इस समारोह को भव्य रूप देने के लिए जिला के विभिन्न विद्यालयों की टीमें सांस्कृतिक व देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां देंगी।जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के शानदार आयोजन को लेकर पलवल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल की अध्यक्षता में चयन कमेटी के समक्ष मार्च पास्ट, डंबल लेजियम व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की टीमों की रिहर्सल करवाई गई। इसमें जिला के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल शहर, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल कैंप, विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल, एसएनडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल, जीवन ज्योति स्कूल आदि की टीम शामिल रहीं। वहीं आयुष विभाग की ओर से सूर्य नमस्कार भी करवाया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी मामराज रावत, बीआरसी दयानंद रावत, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बघौला के प्रधानाचार्य बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट, सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

रेवाड़ी। गणतंत्र दिवस पर पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता की ओर से सभी पर्यवेक्षण अधिकारियो व थाना प्रभारियों को सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए गए है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के विभिन्न होटलों, धर्मशालाओं, गेस्ट हाउस, रिसोर्ट, सराय, ढाबों, झुग्गी बस्तियों, ईंट भट्टों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सर्च अभियान चलाने के आदेश दिए गए है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर सभी थाना प्रभारियों को आदेश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र में आने वाले सराय, गेस्ट हाउस, धर्मशाला, होटलों, ढाबों व अन्य सार्वजनिक स्थानों की तलाशी ले तथा अतिथि गृहों में रहने वाले व्यक्तियों व किरायेदारों का सत्यापन करवाए। किसी भी संदिग्ध के बारे में सूचना मिलने पर तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करें।

नारायणगढ़ में खोला जायेगा बागवानी महाविद्यालय, स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ भी लगेगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए एक बागवानी कॉलेज की स्थापना और स्थानीय स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा की। यह बागवानी कॉलेज महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से संबद्ध होगा जिससे इस क्षेत्र के युवाओं को बागवानी के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बड़ागढ़ स्टेडियम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों के लिए हाई-मास्ट लाइटें भी लगाई जाएंगी ताकि सायंकाल के बाद भी हमारे खिलाडी अभ्यास जारी रख सकें। मुख्यमंत्री ने आज नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'नारायण तालाब' की भौतिक रिपोर्ट जांच कर इसे हरियाणा तालाब प्राधिकरण को देकर तालाब का जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने पतरहेड़ी से शहजादपुर-नारायणगढ़ तक सड़क को चार लेन का बनाने की भी घोषणा की। स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी सड़कों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये देने की भी

घोषणा की। साथ ही, मार्केटिंग बोर्ड के तहत सड़कों की मरम्मत के लिए अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि लगभग 45 गांवों में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण पहले ही किया जा चुका है और आश्वासन दिया कि शेष गांवों में भी धीरे-धीरे इसी प्रकार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नारायणगढ़ में सहकारी चीनी मिल स्थापित करने की घोषणा पहले ही कर चुकी है। किसानों की समस्याओं के मद्देनज़र राज्य सरकार इस मामले पर सक्रियता से चर्चा कर रही है और मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। मुख्य सचिव इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से गंभीरता से नजर रख रहे हैं और इस सम्बन्ध में तीन बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि या तो इसी वर्तमान मिल को सहकारी चीनी मिल के रूप में स्थापित किया जाएगा या फिर दूसरी सहकारी मिल स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नारायणगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को आगे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए इस निर्णय को जल्द ही लागू किया जाएगा। इस अवसर पर नायब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 10 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 43.28 करोड़ रुपये है। इनमें 22.23 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 21.05 करोड़ रुपये की 3 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। उद्घाटन की गई परियोजनाओं में कई नई संपर्क सड़कों के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा सड़कों का चौड़ाकरण व नवीनीकरण शामिल है। इसके अलावा, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के अंतर्गत चांदसोली में क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया।

एससी-एसटी केसों में जल्द चालान पेश करे पुलिस: बलियाला

राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने झज्जर में दर्ज मामलों में की सुनवाई

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र बलियाला ने कहा कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में पुलिस पूरी तत्परता से निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए कोर्ट में चालान पेश करें। न्याय मिलने में देरी न्याय ना मिलने के समान है। अनुसूचित जाति आयोग का ध्येय अनुसूचित जातियों के कल्याण व विकास को सुनिश्चित करते हुए समाज में सभी वर्गों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। डॉ. रविंद्र बलियाला लघु सचिवालय झज्जर स्थित संवाद भवन में एससी-एसटी एक्ट के तहत जिला से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रहे थे। इस दौरान आयोग के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बडगूजर व सदस्य रत्तन लाल बामनिया, मीना नरवाल और पारा राम भी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की तरफ से डीसी प्रदीप दहिया, डीसीपी दीपक सहारण सहित

अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग द्वारा जिले से संबंधित सूचीबद्ध किए गए एससी-एसटी एक्ट से जुड़े 44 मामलों में संबंधित पक्षों को सुना गया। इस दौरान पुलिस जांच अधिकारी भी मौजूद रहे। चेयरमैन डॉ. बलियाला के नेतृत्व में आयोग ने एससी-एसटी आयोग से संबंधित मामलों को पूरी गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ सुनवाई की। पुलिस द्वारा जिन मामलों में जांच बंद की गई है, उनसे संबंधित पक्षों को ध्यानपूर्वक सुना। सूचिबद्ध मामलों में से अधिकतर मामलों में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से शिकायतकर्ता पक्ष द्वारा संतुष्टि जाहिर की गई।

चेयरमैन डॉ. बलियाला ने सुनवाई उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करना है। उन्होंने कहा कि न्याय मिलने में पीड़ित पक्ष को किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। एक्ट के तहत दर्ज मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता नियमानुसार दी जाए। डॉ. बलियाला ने कहा कि जिलों में जाकर आयोग द्वारा एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामलों को सुना जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो ताकि न्याय मिलने में पीड़ित को देरी ना हो। आयोग द्वारा एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मामलों की प्रकृति जानने के लिए शोध के उद्देश्य भी इस आयोजन में निहित है। बलियाला ने जिला प्रशासन द्वारा एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में की जा रही कार्रवाई से संतुष्टि जाहिर की। उन्होंने कहा कि मामलों में सुनवाई से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन द्वारा एससी-एसटी एक्ट को पूरी गंभीरता से जिले में लागू किया जा रहा है व इन मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली की जनता ने भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की ठान ली है : डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ में संगठनात्मक विषयों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा की उपस्थिति में पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश में चल रहे संगठनात्मक चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श हुआ।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रदेश में संगठनात्मक चुनाव सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के परिणाम स्वरूप हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। डा. पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियां जनता को पसंद आ रही है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार में राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए भाजपा सरकार संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है।

डा. पूनिया ने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति की जुबान पर एक ही शब्द है कि जो राम को लाये हैं, हम उनको लायेंगे, जो हरियाणा लाये हैं वो दिल्ली भी लायेंगे। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि दिल्ली की जनता विकास चाहती है, इसलिए लोगों ने भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की ठान ली है।

बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी महत्व: श्याम सिंह राणा

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने गांव सभापुर सहित आधे दर्जन गांवों में धन्यवादी दौरा कर हलके की जनता का आभार व्यक्त किया। इस दौरे के दौरान कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी महत्व है। खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को और आगे ले जाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है।

हमारी सरकार ने अपने शासनकाल में सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी इसी नीति पर चल विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य रह गए है या अधूरे पड़े हैं उन सभी विकास कार्यों को भी जल्द पूरा कर दिया जाएगा ताकि जनता को उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हर क्षेत्र में हर वर्ग के हित में

योजनाएं बनाई जा रही है तथा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी विशेष रूप से कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस विश्वास व उम्मीद के साथ हलके की जनता ने उन्हें प्यार व मान-सम्मान देकर अपना जनप्रतिनिधि चुना है उसका वे दिल से धन्यवाद करते हैं। वे हलके की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि वे जनता के विश्वास व उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और विकास कार्यों में कमी नहीं आने देंगे। उनका ध्येय जनता की समस्याओं के समाधान एवं हलके में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाने पर रहेगा। उन्होंने इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनका शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है, आप लोग काम बताते रहो और हम काम करते रहेंगे।

एसडीएम ने चार्ज संभालते ही लिया नांगल चौधरी तहसील का जायजा

एजेंसी

नांगल चौधरी। नारनौल में अपने पहले कार्यकाल के दौरान अपनी ईमानदार कार्यशैली के चलते आम जनता के बीच चर्चित रहे एसडीएम मनोज कुमार पुन- नांगल चौधरी एसडीएम का कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपने पुराने अंदाज में नजर आए। कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही जहां उन्होंने नांगल चौधरी तहसील समेत नगरपालिका, बीडीपीओ व दूसरे सरकारी दफ्तरों के सरकारी कामों में तेजी लाने के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए है, वहीं उन्होंने कर्मचारियों को भी लेटलतिफी पर लगाम लगाने को कहा है।

इसी कडी में आज उन्होंने नांगल चौधरी तहसील परिसर में घूम कर सफाई व्यवस्था के साथ-साथ पार्किंग आदि की स्थिती का भी जायजा लिया। उन्होंने तहसील प्रांगण में बैठने वाले अधिवक्ताओं से भी मुलाकात करके तहसील परिसर में साफ-सफाई रखने का आहवान किया।

वकीलों की सीट पर रखवाएं कूड़ादान: तहसील परिसर निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अधिवक्ताओं

की सीटों के पास रद्दी कागजों के अलावा कूड़ा मिलने पर उन्होंने तुरंत ही प्रत्येक अधिवक्ता की सीट के पास एक कूड़ादान रखने की अपील की। एसडीएम की अपील पर अमल करते हुए सभी अधिवक्ताओं ने मौके पर ही कूड़ादान खरीदवा कर अपनी-अपनी सीट पर कूड़ादान रखवा दिए। वकीलों ने एसडीएम से तहसील परिसर में वकीलों के लिए एक तरफ टीनसैड लगवाने की गुहार लगाई, जिस पर एसडीएम ने मौके पर जाकर बीडीपीओं के पुराने निवास की खंडहर ईमारत वाली साईड में टीन सैड की व्यवस्था करवाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा आम जनता विशेषतौर पर महिलाओं के लिए तहसील प्रांगण में ही एक पेशाबघर की व्यवस्था करवाने का भी आश्वासन दिया।

समाधान शिविरों से और अधिक विश्वास तथा पारदर्शिता बढ़ी : डीसी भारती

नागरिकों का तुरंत हो रहा समाधान

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविरों से प्रशासन व नागरिकों के बीच और अधिक विश्वास तथा पारदर्शिता बढ़ी है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन का भी यही लक्ष्य है कि आम जनमानस को सरकार की योजनाओं का जल्द लाभ मिले। यह बात उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में कही। जिला में आज कुल 19 जन शिकायतें रखी गई।

डीसी ने कहा कि समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। कुछ ऐसी भी समस्याएं आती हैं जिनका निदान मुख्यालय स्तर पर होना है। ऐसी समस्याओं को अधिकारी मुख्यालय पर बात करके उसका भी निदान कर रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आने वाले किसी भी प्रकार

के आवेदन पर अगर कोई त्रुटि रह गई है तो अधिकारी खुद उसको दूर करवाने में प्रार्थी की सहायता करें। जिला प्रशासन का हमेशा प्रयास रहता है कि बिना समाधान कोई भी प्रार्थी वापस ना जाए। उन्होंने बताया कि अधिकतर मामले परिवार पहचान पत्र से संबंधित आ रहे हैं। इस पर भी अधिकारी मौके पर ऑनलाइन रिकॉर्ड चेक करके उसका समाधान कर रहे हैं। इस दौरान एसडीएम नारनौल रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त ने जिला के आकांक्षी खंड नूंह व पुन्हाना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला नूंह के आकांक्षी खंड नूंह व पुन्हाना में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं सहायक सेवाएं, बुनियादी ढांचा व सामाजिक विकास के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों में नीति आयोग की हिदायतों अनुसार तत्परता से कार्यवाही की जाए, ताकि जनता को सरकार की योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सके। उपायुक्त लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आकांक्षी खंड नूंह व पुन्हाना में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस जिला में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के लिए बेहतर कार्य किए जाएं। अब तक हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व महिला एवं बाल विकास विभाग सभी बिंदुओं पर बेहतर कार्य करें। कृषि क्षेत्र में विकास की अनेक संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं के अनुरूप कृषि व किसानों के विकास के कार्य किए जाएं, ताकि कृषि क्षेत्र में अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों और किसानों व युवाओं की आर्थिक स्थिति बेहतर बने। किसानों को छोटे समूहों को अपना एफपीओ बनाने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे अपने प्रोडक्ट को अच्छी मार्केटिंग कर पेकिंग के साथ बाजार में बेच सकें। इसके साथ ही एमएसएमई विभाग की ओर से कई योजनाओं व कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए बैंक से ऋण की सुविधा भी प्रदान की जाए।

समाधान शिविर में मौके पर सुलझ रही शिकायतें, जनता को मिल रही राहत

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित करवाये जा रहे समाधान शिविर आमजन और प्रशासन के बीच की दूरी को खत्म कर सुगम संवाद का बेहतर जरिया बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में प्रत्येक कार्य दिवस जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनका त्वरित व प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में 10 नागरिक शिकायत लेकर पहुंचे जिनकी समस्याओं को सुनते हुए उनका समाधान करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर की शिकायतों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में काफी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उपायुक्त द्वारा नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता

से सुना गया व जमीनी वास्तविकताओं को समझते हुए समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए त्वरित समाधान करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर को जनता के जीवन में बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। न केवल समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है, बल्कि जनता का प्रशासन के बीच विश्वास भी मजबूत हो रहा है। यह एक पारदर्शी और जवाबदेह प्रणाली है जिससे जनता व प्रशासन के बीच संबंध और बेहतर हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर 08 शिकायतें प्राप्त हुई तथा फिरोजपुर-झिरका उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में कुल 02 शिकायतें प्राप्त हुई। उपमंडल पुन्हाना व तावडू में कोई शिकायत प्राप्त नहीं है।

एबीवीपी ने आइजीयू कुलपति को परिवहन समस्याओं के निराकरण हेतु सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

रेवाड़ी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय इकाई ने विद्यार्थी हितों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया तथा कुलपति को मांगों का ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य युधिष्ठिर धनखड़ ने बताया कि अभाविप द्वारा कई बार बस की समस्याओं की मांग को उठाया परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन इसे लगातार अनदेखा कर रहा है। जिसे तुरंत पूरा किया जाए अन्यथा अभाविप को आंदोलन का रास्ता दोबारा अपनाना पड़ेगा इसके लिए प्रशासन स्वयं जिम्मेवार होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से रेवाड़ी और रेवाड़ी से विश्वविद्यालय के लिए बस की भारी कमी है। जिससे विद्यार्थियों को आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कार्यकर्ता किशन ने बताया कि कनीना से विश्वविद्यालय व बावल से विश्वविद्यालय के लिए कोई भी बस नहीं चल रही है। जिससे विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं। अभाविप के कार्यकर्ता जब इन मांगों को लेकर कुलपति कार्यालय पहुंचे तो कुलपति ने विद्यार्थियों से मिलने से भी इंकार कर दिया, परंतु विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता इस बात पर अड़े रहे की वह कुलपति से मिलकर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराएंगे तथा केवल उन्हें ही ज्ञापन सौंपेंगे। अंततः कुलपति को विद्यार्थियों के समक्ष आना पड़ा तथा उनकी मांगों को सुना व उनके निवारण का आश्वासन दिया।कुलपति को सौंपे ज्ञापन में बावल से आईजीयु के लिए बस चलाने, कनीना से विवि तक बस चलाने, आईजीयु के लिए जो बस चल रही है वह सभी अपने रूट पर समय अनुसार नहीं चलती है, उन्हें नियमित रूप से समयानुसार चलाने तथा आईजीयु विद्यार्थियों के परिवहन पास जल्द से जल्द बनवाने की मांगे प्रमुख हैं।

इस मौके पर विकास, प्रवेश, विनीत, आइशा, अनीसा, भव्य, आशीष, अमन व काफी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता तथा छात्र-छात्राएँ मौजूद रहीं।

पेटीएम को तीसरी तिमाही में 208.5 करोड़ रुपये का घाटा

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस का 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसे 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में उसका समेकित घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि में पेटीएम को 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तीसरी तिमाही में पेटीएम की परिचालन आय 35.8 प्रतिशत घटकर 1,827.8 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 2,850.5 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी के राजस्व में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अगस्त 2009 में पेटीएम पेमेंट ऐप लॉन्च किया था। इसके फाउंडर विजय शेखर शर्मा हैं। फिलहाल देश में पेटीएम के 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। पेटीएम का मार्केट कैप करीब 28 हजार करोड़ रुपये है। ये कंपनी भारत में उपभोक्ताओं और व्यापारियों को डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है।

बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स ने फ्लैट लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश, लिस्ट होते ही अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स बनाने वाली कंपनी बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स के शेयरों ने आज फ्लैट लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 60 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयरों की जोरदार खरीदारी हुई, जिससे थोड़ी ही देर में ये उछल कर 63 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स का 39.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 15 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 151.52 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 78.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 373.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 98.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 81,250 रुपये से लेकर 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,490 रुपये से लेकर 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 81,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस की रणनीतिक साझेदारी

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने आज वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की। इस साझेदारी में एयरटेल के 37 करोड़ का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है ।एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी।

स्टॉक मार्केट में लक्ष्मी डेंटल की जोरदार एंट्री, 23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। डेंटल प्रोडक्ट्स की डिजाइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग करने का काम करने वाली कंपनी लक्ष्मी डेंटल के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 428 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर ये शेयर 528 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 542 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 584 रुपये के स्तर तक पहुंचा। दोपहर 11 बजे ये शेयर 561.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 31.53 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।लक्ष्मी डेंटल का 698.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 15 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 114.14 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 110.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 75.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 138 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,30,85,467 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज चुकाने नई मशीनरी की खरीदारी करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 18.68 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 4.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में कंपनी को 25.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 195.26 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान कंपनी को 22.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। वहीं इस अवधि में कंपनी को 117.90 करोड़ रुपये का राजस्व मिल चुका है।

कांच उद्योग भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

कोलकाता। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के भविष्य की आर्थिक प्रगति में कांच उद्योग की भूमिका बेहद अहम है।

उन्होंने कांच उद्योग के विकास के लिए शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय और जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।वे कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांच कांग्रेस में शामिल हुए जिसका आयोजन सीएसआईआर-सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया। मंत्री ने कहा कि कांच उद्योग में रीसाइक्लिंग क्षमता है, जो इसे स्थिरता के लिए आवश्यक बनाता है। उन्होंने 'एक संस्थान, एक थीम' के दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव दिया ताकि बेहतर समन्वय और परिणाम प्राप्त किए जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने कांच उद्योग के योगदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

जितेंद्र सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्टअप और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने मुंबई में स्थापित नए सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की स्टार्टअप यात्रा के एक महत्वपूर्ण समय में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न शामिल हैं। ये भारत की उद्यमशीलता क्षमता का प्रमाण है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दिसंबर तिमाही में 959 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 959 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 718 करोड़ रुपये रहा था। सेंट्रल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 9,739 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9,139 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 8,509 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,809 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 1,963 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,931 करोड़ रुपये था। इसके अलावा परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) पिछले वित?त वर्ष के 4.50 फीसदी

से घटकर 31 दिसंबर, 2024 के अंत में कुल कर्ज का 3.86 फीसदी रह गई। वहीं, शुद्ध एनपीए भी पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 1.27 फीसदी से घटकर अक?टूबर-दिसंबर तिमाही में 0.59 फीसदी हो गए हैं। बैंक ने कहा कि उसे फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की 24.91 फीसदी हिस्सेदारी और फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईएलआईसीएल) में एफईएल की 25.18 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए 15 अक्टूबर, 2024 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई है।

केंद्र ने चालू सत्र में 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मौजूदा चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 10 लाख मीट्रिक टन चीनी के निर्यात की अनुमति दे दी है। पिछले विपणन सत्र 2023-24 के दौरान घरेलू आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण चीनी के निर्यात पर पूरी तरह से अंकुश लागू था। खाद्य मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया जिसमें चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी गई है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में मिल-वार चीनी निर्यात का कोटा निर्धारित किया गया है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पोस?ट में लिखा कि भारत सरकार ने चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 के लिए 10 लाख टन चीनी के निर्यात को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इससे मूल्य स्थिरता सुनिश्चित होगी, पांच करोड़ किसान परिवारों तथा पांच लाख श्रमिकों को सहायता मिलेगी और चीनी क्षेत्र मजबूत होगा। वहीं, एग्रीमंडी लाइव के संस्थापक और एमडी उप्पल शाह ने एक बयान

में कहा, हम सरकार के 10 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात की अनुमति देने के फैसले का स्वागत करते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय बाजार में चीनी की कम कीमतों के कारण चीनी मिलें नकदी की समस्या से जूझ रही हैं। इससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गई हैं।

शाह ने कहा कि आज के फैसले से चीनी की कीमतों में स्थिरता आएगी और मिलों को अतिरिक्त आय होगी, जिससे किसानों का बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। चीनी निर्यात को मंजूरी देने के साथ ही मुझे उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इथेनॉल की कीमतों में भी बढ़ोतरी करेगी, जो उत्पादकों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चीनी मिलों के लिए चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 का सीजन सुचारू रहेगा।

कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्यों के साथ केंद्रीय अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्र की कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को राज्यों के साथ निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिये हैं1 श्री चौहान ने देश में कृषि व्यवस्था की स्थिति पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में रबी की बुआई की प्रगति, मौसम की स्थिति, राष्ट्रीय कीट सर्वेक्षण प्रणाली के माध्यम से कीट सर्वेक्षण, कृषि उत्पादों के आयात और निर्यात सहित विपणन से संबंधित कई मुद्दे पर चर्चा हुई।उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार जुड़े रहें, क्योंकि जमीनी स्तर पर मुद्दों का निपटान करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों की भागीदारी की आवश्यकता होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समग्र फसल रकबा और फसल की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। रबी टमाटर, प्याज और आलू की बुआई चल रही है।

पुनर्चक्रण रणनीतियां बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान दे : भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव नेसोमवारको कहा कि प्रकृति की तरह कोई भी पुनर्चक्रण नहीं कर सकता। पुनर्चक्रण रणनीतियों की योजना बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र को प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान देना चाहिए।

भूपेंद्र यादव नई दिल्ली में स्थाई सर्कुलरिटी पर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने के लिए ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित किया। ' नेचर पॉजिटिव रिसाइक्लिंग' थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में ऑटोमोटिव उद्योग के प्रमुख हितधारकों ने सतत विकास और सर्कुलरिटी पर चर्चा की।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि देश यात्री वाहन बिक्री में वैश्विक स्तर

पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। सर्कुलर अर्थव्यवस्था में बदलाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय मंत्री ने सर्कुलरिटी के तीन प्रभावों पर बल दिया, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक प्रभाव शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने सरकार में 'कर-सकने' की भावना पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश केवल कचरे के प्रबंधन की बात नहीं कर रहा है बल्कि अपशिष्ट के मूल्य को उजागर करने और 'अपशिष्ट को धन में बदलने' की बात कर रहा है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में ऑटोमोटिव क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया, जिसमें एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), एसडीजी 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) और एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) शामिल हैं। उन्होंने बैटरी चार्जिंग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व पर भी जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने की ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए अपने भाषण का समापन किया। उन्होंने वायु प्रदूषण से निपटने में वनरोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जैसी पहलों में भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भूपेन्द्र यादव ने एसआईएएम रणनीति पत्र का भी अनावरण किया, जिसका शीर्षक था 'ऑटोमोबाइल उद्योग में सर्कुलर भविष्य की ओर- अपशिष्ट प्रवाह विनियमन में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) व्यवस्था का एकीकरण।' इस मौके पर एसआईएएम के कार्यकारी निदेशक प्रशांत के. बनर्जी और हीरो मोटो कॉर्प के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी विक्रम कस्बेकर भी मौजूद थे।

वॉलमार्ट ने अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए भारतीय स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी की

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने भारत स्थित स्टार्टअप्स के साथ रणनीतिक पायलट प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया है, ताकि कंपनी की अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला और सोर्सिंग संचालन के लिए समाधान प्रदान किया जा सके। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने यूएस सप्लाई चेन और सोर्सिंग ऑपरेशंस के लिए बेहतर समाधान पाने की दिशा में तीन भारतीय स्टार्टअप्स के साथ स्ट्रेटजिक पायलट प्रोग्राम की शुरुआत करने के लिए साझेदारी की है। इन पायलट कार्यक्रमों के लिए चुने गए तीन स्टार्टअप में पुणे स्थित केबीकॉल्स साइंसेज, चेन्नई स्थित ग्रीनपॉड लैब्स और बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन शामिल हैं। इन कंपनियों ने पिछले साल भी वॉलमार्ट ग्रोथ समिट में हिस्सा लिया था। कंपनी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक के समाधान वॉलमार्ट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बड़े पैमाने पर नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। पायलट कार्यक्रम वॉलमार्ट के लिए बेहतर और अधिक ताज़ा उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने वाले समाधानों का परीक्षण करेंगे। इन स्टार्टअप्स से मिले अनूठे समाधानों से वॉलमार्ट की सप्लाई चेन में नवाचार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इनकी मदद से अमेरिका एवं दुनियाभर में वॉलमार्ट के ग्राहकों को बेहतर एवं ज्यादा ताजे उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उत्पादों की बर्बादी रुकेगी।

प्रत्येक स्टार्टअप के नवाचार समाधान इस प्रकार हैं:-

-पुणे स्थित केबीकोल्स साइंसेज, भारत भर में कृषि अपशिष्ट से सूक्ष्मजीवों को किण्वित करके गैर-जीएमओ प्राकृतिक रंग बनाती है। इन प्राकृतिक रंगों का उपयोग विभिन्न वस्त्रों के लिए किया जा सकता है, जिससे रंगाई प्रक्रिया में पानी और ऊर्जा के उपयोग को कम करके अधिक कुशल विनिर्माण को बढ़ावा मिलता है। सिंथेटिक रंगों के लिए एक अधिक टिकाऊ विकल्प के रूप में, यह नवाचार बड़े पैमाने पर उत्पादित कपड़ों में अधिक पुनर्योजी तरीकों का मार्ग प्रशस्त करता है। पायलट केबीकोल्स के रंगों और उनके गुणों का मूल्यांकन करेगा, उन्हें बुने हुए मैट पर परीक्षण करेगा।

-चेन्नई स्थित कंपनी ग्रीनपॉड लैब्स, पौधों के अर्क से भरे छोटे पाउच बनाती है, जो फलों और सब्जियों के प्राकृतिक रक्षा तंत्र को सक्रिय करते हैं, जिससे पकने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह उस अवस्था की नकल करता है, जब वे अभी भी बेल पर होते हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला में यात्रा का समय बढ़ जाता है, जिससे उत्पाद लंबे समय तक ताजा बने रहते हैं। इस नवाचार में वॉलमार्ट के लिए नए सोर्सिंग भूगोल को खोलने, लागत प्रभावी शिपिंग को सक्षम करने और ग्राहकों के लिए गुणवत्ता और ताज़गी में सुधार करने की क्षमता है।

-बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन एक एआई-संचालित एगटेक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है, जो फसल की पैदावार, उत्पादकता बढ़ाने, संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने और लगातार फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। पायलट उपज अनुमान, फसल स्वास्थ्य और मौसमी संक्रमण समय की गहरी समझ हासिल करने के लिए उत्पाद आपूर्ति श्रृंखलाओं पर इस तकनीक का परीक्षण करेगा।

श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना के तहत 24 कंपनियों का हुआ चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्हाइट गुड्स (श्वेत वस्तुओं) उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिसमें कुल 3 निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीटीआईआई) ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिनकी कुल निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। इसमें 18 नए आवेदकों के लिए 2,299 करोड़ रुपये और छह मौजूदा लाभार्थियों के लिए अतिरिक्त 1,217 करोड़ शामिल रुपये हैं। पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन विंडो के तीसरे दौर में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की समीक्षा के बाद सरकार ने 18 नई कंपनियों का अनंतिम रूप से चयन किया है। इन कंपनियों में एयर कंडीशनर के कलपुर्जों के 10 निर्माता और एलईडी लाइट के 8 निर्माता शामिल हैं, जिन्होंने 2,299 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 6 मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड करने के लिए अनंतिम रूप से चुना गया है, जिससे 1,217 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। दो मौजूदा आवेदकों सहित 13 आवेदकों

को जांच और उसकी सिफारिशों के लिए विशेषज्ञों की समिति (सीओई) के पास भेजा जा रहा है। आवेदकों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना से पूरे भारत में एसी और एलईडी लाइट के कलपुर्जों के उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के लिए वर्ष 2030 तक ईवी की बिक्री 50 फीसदी तक पहुंचनी चाहिए: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वर्ष 2030 तक सभी वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 50 फीसदी होनी चाहिए, ताकि ऑटोमोटिव सेक्टर 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सके। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री यादव सोमवार को नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

यादव ने कहा कि भारत अब कुछ देशों की आबादी से भी अधिक कारें सालाना बेचता है, लेकिन इस उपलब्धि के साथ एक जिम्मेदारी भी आती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाहनों की बिक्री में वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है... और अगर हम मिलकर काम करें, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह पर्यावरण के लिए भी बुरी खबर न हो। मंत्री ने कहा कि 2030 में ईवी की बिक्री कुल वाहन बिक्री का करीब 35 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।ऑटो सेक्टर को 2070 के शुद्ध शून्य लक्ष्य के साथ पटरी पर लाने के लिए, इस हिस्से को 50 प्रतिशत तक पहुंचने की आवश्यकता है।

शुरुआती दबाव के बाद शेयर बाजार में आई मजबूती, सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों और कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजे से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने आज बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार के बाद ज्यादातर इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। कैपिटल गुड्स, पीएसई, टेलीकॉम, बैंक और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत कियाआज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 431.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.86 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,228 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,503 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,557 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 168 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,587 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,662 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 925 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 359.20 अंक उछल कर 76,978.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे में ही गिर कर लाल निशान में 76,584.84 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक 699.61 अंक की तेजी के साथ 77,318.94 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 454.11 अंक की मजबूती के साथ 77,073.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 87.20 अंक की तेजी के साथ 23,290.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 32.55 अंक की कमजोरी के साथ 23,170.65 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

तेजी से Weight loss में मदद करता है एप्पल साइडर विनेगर, मगर कम ही लोग जानते हैं इसे पीने का सही समय

क्या आप भी तेजी से वजन कम करने के तरीके ढूंढ रहे हैं? अगर हां तो बताइए क्या आपने कभी एप्पल साइडर विनेगर के बारे में सुना है जो वजन घटाने में मदद (pple Cider Vinegar For Weight Loss) कर सकता है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं एप्पल साइडर विनेगर के फायदों (Apple Cider Vinegar Benefits) और इसे पीने के सही समय के बारे में।

एप्पल साइडर विनेगर सदियों से अपने चमत्कारी फायदों के लिए जाना जाता है। इसमें ढेरों एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बेहद जरूरी हैं।

यह वजन कम करने, खराब कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा दिलाने, ब्लड शुगर लेवल को कम करने और डायबिटीज के लक्षणों में सुधार करने में भी मदद करता है। इन सभी गुणों के कारण लोग अक्सर यह जानना चाहते हैं कि एप्पल साइडर विनेगर को दिन के किस समय पीना चाहिए (Best Time to Drink ACV)? अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, तो आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं।

कैसे वजन कम करता है एप्पल साइडर विनेगर?

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करे:- एप्पल साइडर विनेगर आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद कर सकता है, जिससे आपकी कैलोरी जलने की दर बढ़ जाती है।

भूख को कम करे: यह आपके पेट को भरा रखने में मदद करता है और आपको लंबे समय तक फुल महसूस कराता है, जिससे आप ओवरईटिंग से बचते हैं।

इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाए: यह आपके शरीर की इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ा सकता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल को काबू करने में मदद मिलती है और वजन घटाना भी आसान हो जाता है।

चर्बी जलाने में मदद करता है: कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि एप्पल साइडर विनेगर शरीर में चर्बी जलाने की प्रक्रिया को बढ़ा सकता है।

एप्पल साइडर विनेगर पीने का सही समय

एप्पल साइडर विनेगर को दिन में किसी भी समय पिया जा सकता है, लेकिन सबसे अच्छे रिजल्ट्स के लिए इसे खास वक्त पर पीना बहुत जरूरी है।

सुबह खाली पेट: सुबह खाली पेट एक गिलास पानी में एक या दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है और दिन भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है।

खाने से पहले: हर मील से पहले एक गिलास पानी में एक या दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पीने से आप कम खाते हैं और लंबे समय तक भरे हुए महसूस करते हैं।

सोने से पहले: रात को सोने से पहले एक गिलास पानी में एक या दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पीने से ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

एप्पल साइडर विनेगर पीते समय सावधानियां

पानी में मिलाकर पिएं: एप्पल साइडर विनेगर को सीधे पीने से आपके दांतों और गले को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए इसे हमेशा पानी में मिलाकर ही पिएं।मात्रा का ध्यान रखें: एक दिन में तीन चम्मच से अधिक एप्पल साइडर विनेगर न पिएं।

कांग्रेस : विश्वासघातियों का फोटो लगाने से अच्छा संदेश नहीं

कांग्रेस को यह समझना जरूरी है कि इस समय उसका मुकाबला उन मोदी से है जिन्होंने सारी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। बस केवल एक राहुल बचे हुए हैं। जो हथियार डालने को तैयार नहीं है। जो बात उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा से पहले कही थी कि कोई चले या न चले में अकेला जाऊंगा। उस पर आज तक कायम हैं।कांग्रेस का नया भवन अच्छा है लेकिन पार्टी इसे जो अपना भविष्य बनाने वाले और सब कुछ बदल देने वाले कारनामे की तरह पेश कर रही है यह खतरनाक है।भवनों से सफलता नहीं मिलती। समस्याएं खत्म नहीं होती। उनसे तो लड़ना पड़ता है। पहचान की स्टेज तक तो पहुंच गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नवंबर में दिल्ली में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में सब कुछ बता दिया कि पार्टी की हालत क्या है। भयंकर गुटबाजी है। रणनीति का अभाव है, संगठन नहीं है। और भी बहुत कुछ। कहा कि कठोर निर्णय लेना पड़ेंगे। जवाबदेही तय करना पड़ेगी। हम जब आपस में ही एक दूसरे पर आरोप लगाते हैं तो विरोधियों को कैसे हरा पाएंगे? राहुल गांधी ने भी कहा कि सख्ती से काम लीजिए। कड़े एक्शन लीजिए।तो यह समस्याओं की पहचान तो सही ढंग से हो गई। उसके बाद बेलगावी की एक और सीडब्ल्यूसी भी हो गई। अब समस्याओं के समाधान का समय है। संगठन के पुनर्निर्माण का।इन सब का हल नए भवन से नहीं मिलेगा। हर बड़ी पार्टी का दिल्ली में अपना मुख्यालय है। भाजपा के तो दो एक मुख्यालय, एक उसका एक्सटेंशन। सीपीएम, सीपीआई, बसपा सबके अपने आफिस हैं। कांग्रेस का तो सबसे बाद में बना है। और शायद इसलिए वह खुशी भी ज्यादा प्रकट कर रही है।

ठीक है। बुरे समय में खुशी का कोई मौका छोड़ना नहीं चाहिए। मगर उसे इलाज नहीं समझ लेना चाहिए। यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि इंदिरा भवन लोकतंत्र की रक्षा और सजग विपक्ष की भूमिका निभाने को तैयार। पार्टी की ऐतिहासिक विरासत का प्रतिबिम्ब इसमें देखना। पार्टी की विरासत बहुत बड़ी चीज है। आजादी के आन्दोलन का नेतृत्व करने के मौके से लेकर भारत के नवनिर्माण तक। मगर यह समझने की और इसके विचार लोगों तक लगातार पहुंचाते रहने की जरूरत है। विरासत के नाम पर नेताओं के फोटो लगाने से पार्टी का मैसेज कहीं नहीं जाएगा। और उन नेताओं के फोटो जिन्होंने पार्टी के साथ गद्दारी की हो लगाने से उल्टा मैसेज और चला जाएगा।वीपी सिंह जिन्होंने बोफोर्स के झूठे आरोप लगाकर राजीव गांधी की सरकार ही पलट दी थी- का फोटो या सोनिया गांधी राहुल पर झूठे आरोप लगाने वाले गुलाम नबी आजाद का फोटो लगाकर कांग्रेस अपने वफादार नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्या संदेश दे रही है? कि गद्दारी करोगे तो हमेशा याद रखे जाओगे। सम्मान मिलता रहेगा? लोग सफाई में कह रहे हैं कि इतिहास नहीं बदला जा सकता। फोटो कोई इतिहास होता है?139 साल पुरानी पार्टी के पास इतिहास को बदल देने वाले लाखों फोटो हैं। दुनिया का भूगोल बदल देने वाले भी। उनमें आजाद और वीपी सिंह की तस्वीरों की क्या प्रासंगिकता है। किसी एक ग्रुप में साथ हैं बस यह! या तो कोई ऐसा फोटो हो जो एक मात्र हो। यह तो ऐसे हैं जिस नेचर को हजारों हजार फोटो हैं। राजीव गांधी के साथ वीपी का। और सोनिया राहुल प्रियंका के साथ आजाद का।

किसे दिखाना चाह रहे हो आप? राजीव, सोनिया, प्रियंका, राहुल के तो बहुत फोटो हैं उन नेताओं के साथ जो जीवन भर पार्टी के लिए समर्पित रहे। वीपी और आजाद के साथ राजीव सोनिया राहुल प्रियंका को दिखाने का क्या मैसेज है?कांग्रेस के इन फैसलों को कोई नहीं समझ सकता। लेकिन यह स्पष्ट है कि इससे वफादार कार्यकर्ताओं और नेताओं में गलत संदेश जाता है। अब लोग कहने लगे हैं कि हरियाणा में पार्टी को हराने वाले नेताओं को चिन्ता करने की कोई जरूरत नहीं। वीपी और आजाद के फोटो लगाकर पार्टी ने बता दिया है कि नुकसान पहुंचाने वालों से पार्टी नाराज नहीं होती है बल्कि उनका सम्मान कायम रहता है या और बढ़ता है।चिन्ता समर्पित कार्यकर्ताओं को करने की जरूरत है जो हरियाणा और महाराष्ट्र की हार के बाद हुई दिल्ली सीडब्ल्यूसी और बेलगावी सीडब्ल्यूसी में कहे गए वचनों पर भरोसा करने लगे थे। दिल्ली के बाद बेलगावी में तो खरगे ने एक कदम और आगे बढ़ाकर यहां तक कहा था कि पार्टी अच्छे मेहनती लोगों को ढूंढकर संगठन में जगह देगी।कांग्रेस को यह समझना जरूरी है कि इस समय उसका मुकाबला उन मोदी से है जिन्होंने सारी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। बस केवल एक राहुल बचे हुए हैं। जो हथियार डालने को तैयार नहीं है। जो बात उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा से पहले कही थी कि कोई चले या न चले में अकेला जाऊंगा। उस पर आज तक कायम हैं। और न केवल कायम हैं बल्कि एक कदम आगे बढ़कर अभी दिल्ली में कांग्रेस चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए सीलमपुर में यहां तक कह दिया कि जब तक मैं जिन्दा हूं कोई किसी कमजोर को गरीब को छू नहीं सकता।राहुल को देश नहीं समझ रहा यह शिकायत जायज है। मगर खुद कांग्रेस नहीं समझ रही इसका क्या इलाज है? राहुल संगठन के आदमी नहीं हैं। वे सीधे जनता से जुड़ने वाले आदमी हैं। बहुत मुश्किल से महासचिव बने थे। फिर उपाध्यक्ष। फिर अध्यक्ष। यह कहते हैं परिवार सब पर अपना कब्जा रखना चाहता है। यह राजनीतिक बयान है। परिवार को राहुल को दबाव में लाने के लिए जनता में भ्रम पैदा करने के लिए।राहुल चाहते तो सीधे प्रधानमंत्री भी बन सकते थे। और अगर वे 2009 के बाद कभी भी बन जाते तो इतनी सीटों से ज्यादा तो कांग्रेस की आ ही जातीं। 2014 चुनाव से पहले कांग्रेस हार मान चुकी थी। राहुल होते तो लड़ते। और अगर कांग्रेस थोड़ा सा भी लड़ते दिखती तो उसकी सौ से कम सीटें को किसी भी हालत में नहीं आतीं। इमरजेन्सी के बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 2014 से पहले तक के चुनावों में सबसे कम सीटें मिली थी। 154। मगर 2014 में तो वह केवल 44 पर आ गई।

लेकिन राहुल कुछ नहीं बने। पद और दिखावटी प्रतिष्ठा में उनकी रूचि नहीं रही। 2017 में भी पार्टी के दबाव में अध्यक्ष बने मगर केवल डेढ़ साल रहे। 2019 में इस्तीफा दे दिया।राहुल क्या कर सकते हैं। यह उन्होंने बता दिया। एक जन नेता की तरह पार्टी और देश को निर्भय नेतृत्व। यह मैसेज अपने बोलने, जनता के बीच लगातार रहने से वे दे चुके हैं। राहुल किसी से नहीं डरता। जनता का जो भी दुखी परेशान है राहुल उनके साथ खड़ा है। और कोई किसी जाति, धर्म, गरीब, मध्यमवर्गीय किसी वर्ग का हो राहुल को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हर पीड़ित उनके लिए समान है और यही बात सीलमपुर में कही थी कि जब तक जिन्दा हूं किसी के साथ कोई अत्याचार नहीं होने दूंगा।यह राहुल की ताकत और उनकी जनता में छवि है। इसी के अनुरूप कांग्रेस को उनके प्रोग्राम बनाना चाहिए। संविधान, जाति गणना, 50 प्रतिशत से ऊपर आरक्षण के मुद्दों को वे स्थापित कर चुके हैं। कांग्रेस को इसी के आसपास अपनी उस रणनीति को बनाना चाहिए जिसका जिक्र खरगे ने दिल्ली सीडब्ल्यूसी में किया था।अब काम खरगे का और कांग्रेस के बाकी नेताओं का है कि वे जल्दी से जल्दी पार्टी संगठन के काम को पूरा करें। उन लोगों को बाहर करें जो राज्यों की विधानसभाओं की हार के सीधे जिम्मेदार हैं। कम से कम तीन राज्यों हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश के नेताओं ने तो सीधे-सीधे कांग्रेस को डूबोया है। इन सबको बाहर करने की जरूरत है।रणनीति बनाना, ट्रेनिंग, यह सब बाद की चीजें हैं। पहला नेतृत्व दिखाना। सामने खरगे ही हैं। उन्हीं को करना पड़ेगा। सलाह चाहे जिस से लें। मगर संगठन को जल्दी से जल्दी पूरा बनाना पड़ेगा। नए आफिस में जगह दे दी है। क्या जरूरत थी। पुराने में अकबर रोड वाले पर ही कौन बैठता है? नए आफिस में जब नए लोग आते थे उन्हें बिठाना था। खुद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आफिस में बैठना शुरू नहीं किया है। दो साल से ज्यादा हो गए अध्यक्ष बने। दफ्तर में बैठना और लोगों से मिलने का सबसे ज्यादा असर होता है।कांग्रेस के काम बहुत हैं। 11 साल से बहुत सुस्त रफ्तार में पार्टी चल रही है। नए आफिस को बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। मगर यह भी 2009 में शुरू हुआ था 2025 में बन पाया। 16 साल बहुत होते हैं।

संपादकीय

एमएसपी और आठवां वेतन आयोग

पिछले 55 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आखिरकार चिकित्सा सहायता लेने के लिए राजी हो गए हैं। श्री डल्लेवाल ने यह मंजूरी तब दी जब केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि आगामी 14 फरवरी को चंडीगढ़ में किसानों से वह बातचीत करेगी। हालांकि जगजीत सिंह डल्लेवाल अब भी इस बात पर अडिग हैं कि वह मांगें पूरी होने तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। पिछले 11 महीनों से आंदोलन पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों से केंद्रीय कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। बैठक के ऐलान के बाद किसान नेताओं ने डल्लेवाल से अनुरोध किया कि वे चिकित्सा सहायता लें ताकि वे इस प्रस्तावित बैठक में हिस्सा ले सकें। श्री डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है और इस पर अदालत भी चिंता जतला चुकी है, लेकिन सरकार इस बारे में सही में कितनी फिक्रमंद है, यह विचारणीय है। पिछले साल 13 फरवरी से शंभू और खनौरी सीमा पर आंदोलनकारी किसान डेरा डाले हुए हैं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने उन्हें अपनी फसलों के लिए कानूनी एमएसपी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली तक मार्च करने की अनुमति नहीं दी थी। पिछले साल 8, 12, 15 और 18 फरवरी को केंद्रीय मंत्रियों और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच चार दौर की बैठकें हुई थीं, जो बेनतीजा रही थी। अब एक लंबे अंतराल के बाद फिर से किसानों के साथ बैठक प्रस्तावित हुई है, जिसका क्या नतीजा निकलेगा इस बारे में कुछ भी कहना कठिन है।

पिछले अनुभव तो यही बताते हैं कि सरकार हद दर्जे की हठधर्मिता दिखाती है। वह हर हाल में किसानों को मजबूर और लाचार बनाकर झुकाना चाहती है। इससे पहले जब 2020-21 में किसानों ने ऐसा ही लंबा आंदोलन किया था, तो आखिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह कहकर तीनों कृषि कानून वापस लिए थे कि मेरी तपस्या में कोई कमी रह गई, जो मैं समझा नहीं पाया। यानी यहां भी सरकार ने अपनी गलती नहीं मानी, केवल यह स्वीकार किया था कि किसान कृषि कानूनों की उपयोगिता नहीं समझ सके। किसान तब कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य अपनी फसलों के लिए मांग रहे थे, अब भी उनकी मांग वही है। लेकिन सरकार के तर्क भी वही हैं कि इससे सरकारी कोष पर भार बढ़ेगा। आश्चर्य यह है कि जब सरकार आठवां वेतन आयोग के गठन की मंजूरी देती है, तब उसे इस वित्तीय भार की चिंता नहीं होती।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और पेंशनभोगियों के भत्तों में संशोधन के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी है। सरकार के इस फैसले से लगभग 50 लाख केन्द्रीय कर्मियों को लाभ होगा, साथ ही लगभग 65 लाख पेंशनधारकों की पेंशन में भी बढ़ोतरी होगी। अकेले दिल्ली में ही लगभग चार लाख कर्मचारियों को लाभ होगा, इनमें रक्षा और दिल्ली सरकार के कर्मचारी शामिल हैं। दिल्ली में अगले महीने की शुरुआत में ही चुनाव होने हैं, जिसमें भाजपा उम्मीद लगा कर बैठी है कि उसका 26 सालों का वनवास खत्म होगा और उसे दिल्ली की सत्ता भी मिलेगी। हालांकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की तगड़ी तैयारियों के आगे भाजपा के लिए सत्ता हासिल करना कठिन चुनौती है। भाजपा की मुश्किल आसान करने के लिए ही शायद मोदी सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन का फैसला लिया, ताकि दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी आबादी के वोट उसके लिए सुनिश्चित हो जाएं।जानकारी के मुताबिक, आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम आधार वेतन को बढ़ाकर 34,650 रुपये किया जा सकता है, जो कि सातवें वेतन आयोग में 17,990 रुपये है। वहीं, पेंशन को 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,280 रुपये किया जा सकता है। हालांकि, ये सिर्फ संभावना है, अगले साल 2026 में जब आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होंगी, तब असल आंकड़े सामने आएंगे। पाठकों को बता दें कि सातवें वेतन आयोग का गठन 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू हुई थीं, जो 2026 में समाप्त हो रही हैं।

ट्रम्प शासन के शुरुआती दौर में भारतीय रुपये में गिरावट का खतरा वास्तविक

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की विनिमय दर में हाल ही में हुई अस्थिरता ने इस बात पर बहस को जन्म दिया है कि केंद्रीय बैंक को राष्ट्रीय मुद्रा के प्रगतिशील अवमूल्यन की स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए

जहां तक भारतीय विदेशी मुद्रा बाजार का सवाल है, दरें लगभग सीधे तौर पर व्यवहार से जुड़ी हुई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अगर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) घरेलू बाजार में बिकवाली करते हैं और फिर अपने फंड निकाल लेते हैं, तो रुपया दबाव में आ जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के ताजा अंक में प्रकाशित एक पेपर में इस बारे में लिखा है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की विनिमय दर में हाल ही में हुई अस्थिरता ने इस बात पर बहस को जन्म दिया है कि केंद्रीय बैंक को राष्ट्रीय मुद्रा के प्रगतिशील अवमूल्यन की स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कुछ टिप्पणीकारों और रिपोर्टों के अनुसार, रुपया कुछ ही समय में 90 डॉलर के स्तर पर पहुंच सकता है।

भारत के अग्रणी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ने रुपये-डॉलर की दरों में मौजूदा उतार-चढ़ाव को ट्रम्प टैंट्रम्स के रूप में वर्णित किया है, जो कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपने शानदार अध्यक्ष, बेनबर्नानके के तहत नीति सुधार चरण के दौरान पहले जो हुआ था, उसके संदर्भ में है।

बर्नानके प्रभावशाली अर्थशास्त्रियों में से एक थे और 1930 के दशक की महामंदी पर उनके काम ने उन्हें 2008 के वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद की स्थिति को संभालने के लिए एक विशेष उपकरण प्रदान किया। ऐसी स्थिति का सामना करते हुए जिसमें केंद्रीय बैंकर अर्थव्यवस्था के व्यवहार को प्रभावित करने के लिए ब्याज दर भिन्नता जैसे मौद्रिक नीति साधनों का उपयोग करने में असमर्थ थे, प्रमुख केंद्रीय बैंकरों ने %मात्रात्मक सहजता% (क्यूई) के रूप में जाना जाने वाला उपाय शुरू किया था। इसमें वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद करके सिस्टम में अधिक तरलता जारी करना और इस प्रकार नये फंड डालना शामिल था। स्थिति स्थिर होने के बाद, क्यूई जारी रहा और फिर वह समय आया जब इन्हें रोकना पड़ा-अर्थात्नीति उलटने का जमाना आया। बर्नानके ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से इस प्रक्रिया की शुरुआत की थी, जिसके कारण 2012-13 में वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल मच गयी थी।तब जो हुआ था, वह यह था कि नीतिगत रुख के उलट होने से उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) से धन का पलायन हुआ और वापस अमेरिका में आ गया। परिणामस्वरूप, ईएमई की मुद्राओं में एक तरह की गिरावट आई और विनिमय स्थिरता ने ईएमई को गंभीर रूप से प्रभावित किया। सबसे अधिक प्रभावित लोगों को एक नाम भी दिया गया था, फ्रैंजाइल फाइव।

वित्त विशेषज्ञों के बीच उस चरण को टेपरटैंट्रम के रूप में जाना जाता था, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व प्रणाली द्वारा बॉन्ड खरीद को कम किया गया था।नये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आर्थिक कार्रवाइयों की एक श्रृंखला का सुझाव देने के साथ, वित्तीय बाजारों द्वारा एक समान अस्थिरता प्रकट की जा रही है। यह स्पष्ट और स्पष्ट रूप से घबराहट है। डोनाल्ड ट्रम्प उन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, जिनके निर्यात बाजार अमेरिका में हैं। इस प्रकार, ट्रम्प कह रहे हैं कि वे केनडा, मैक्सिको और सबसे बढ़कर, चीन पर उनके उत्पादों पर टैरिफ लगायेंगे जो अमेरिकी बाजार में प्रवेश करते हैं।

ट्रम्प ने भारत को भी नहीं बख्शा है। उन्होंने अक्सर भारत को टैरिफ किंग के रूप में वर्णित किया है, यह इंगित करते हुए कि भारत अक्सर संयुक्त राज्य अमेरिका से आयात पर टैरिफ लगाता है।ट्रम्प टैरिफ का उद्देश्य बाहर से आयात को सीमित करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक रूढ़िवादी निरंकुश शासन स्पष्ट रूप से आयात को प्रतिबंधित करेगा और इसके बजाय अमेरिकी मांगों को बाहर से आयात करने के बजाय घरेलू उत्पादित वस्तुओं पर निर्देशित करेगा। उम्मीद है कि इससे ट्रम्प के समर्थकों और उनके अनुयायियों द्वारा घोषित और प्राप्त की गयी तथाकथित मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मगा)कार्य योजना - अमेरिका को फिर से महान बनाओ- को बहाल या हासिल किया जा सकेगा।

हालांकि, अमेरिका और उसके व्यापार भागीदारों में जमीनी स्तर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए, आयात को प्रतिबंधित करने वाले टैरिफ अमेरिका के अंदर आपूर्ति दबाव पैदा करेंगे। जैसा कि अर्थशास्त्र के जाने-माने प्रोफेसरों में से एक बैरी आइचेन ग्रीन ने तर्क दिया है, संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर विनिर्माण की कठोरता के कारण, अमेरिकी उपभोक्ताओं को घरेलू कमी को दूर करने के लिए आयातित वस्तुओं की ओर रुख करना होगा। ऐसा होने के लिए, विदेशी उत्पादों को खरीदना अभी भी सस्ता बनाने के लिए अमेरिकी डॉलर को मजबूत करना होगा।

इस प्रकार, ऐसा प्रतीत होता है कि अल्पावधि में, अमेरिकी डॉलर में वृद्धि के लिए भारी दबाव आयेगा। व्यापारिक साझेदारों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पहले से ही, कई प्रतिस्पर्धी मुद्राएं, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीनी मुद्रा ने डॉलर के मुकाबले निचले स्तर दिखाये हैं। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ अमेरिका की नयी वास्तविकताओं के लिए इस तरह के वैश्विक समायोजन की स्थिति में, भारतीय वित्तीय क्षेत्र को नई वास्तविकताओं के मद्देनजर समायोजित करने के लिए बहुत सतर्क दृष्टिकोण अपनाना समझदारी होगी।नयी वास्तविकताएं और रुझान क्या हैं जिनके खिलाफ भारतीय केंद्रीय बैंक को निकट भविष्य के लिए अपनी नीतियां बनानी चाहिए? सबसे पहले, बाजार की ताकतों के खिलाफ मुद्रा की विनिमय दर को वास्तव में नियंत्रित करना लगभग असंभव है। क्या होता है जब केंद्रीय बैंक दरों को स्थिर करने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए भारी मात्रा में धन खर्च करते हैं। हस्तक्षेप समाप्त होने के तुरंत बाद मुद्राओं पर हमले फिर से शुरू हो जाते हैं। ऐसा बार-बार हुआ है। दूसरे, मुद्रा दरें आम तौर पर एक अवधि में घरेलू ताकत और कमजोरियों को दर्शाती हैं। इस प्रकार, समग्र व्यापार में रुझान, घरेलू मूल्य स्तर, ब्याज दरें और इसी तरह के कारक दीर्घकालिक संभावनाओं को प्रभावित करते हैं।जहां तक भारतीय विदेशी मुद्रा बाजार का सवाल है, दरें लगभग सीधे तौर पर व्यवहार से जुड़ी हुई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अगर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) घरेलू बाजार में बिकवाली करते हैं और फिर अपने फंड निकाल लेते हैं, तो रुपया दबाव में आ जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के ताजा अंक में प्रकाशित एक पेपर में इस बारे में लिखा है। यह प्रवृत्ति कोई नई नहीं है। यह 2008 के बाद की वित्तीय मंदी के दौर में देखी गयी थी।

इस तरह की पृष्ठभूमि में बाजार को स्थिर करने के लिए आरबीआई का भारी हस्तक्षेप कुछ हद तक निरर्थक है। बेशक, ये हस्तक्षेप अपने तात्कालिक लक्ष्य को हासिल करते हैं-अर्थात तत्काल दरों को स्थिर करते हैं।

लेकिन विदेशी मुद्रा बाजार का एक और पहलू है - सख्त तकनीकी कारक जो अक्सर बढ़ जाते हैं और उन्हें थोड़ा ठीक करने की जरूरत होती है। ऐसा ही एक कारक विदेशी गैर-वितरणीय रुपया व्यापार प्रवृत्ति है। ये पूरी तरह से सट्टा हैं और वास्तव में डिलीवर करने योग्य नहीं हैं। जब रघुराम राजन ने रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभाला था, तब इसने कुछ हद तक महत्व हासिल कर लिया था। एक अच्छे अर्थशास्त्री होने के नाते, उन्होंने विदेशी गैर-वितरणीय बाजार को नियंत्रित करने के लिए बहुत सफलतापूर्वक कदम उठाये थे।उन दिनों के सबक पर फिर से विचार करना उचित हो सकता है और उनमें से कुछ सबक शिक्षाप्रद हो सकते हैं। हालांकि, रुपये की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए हस्तक्षेप के लिए एक विस्तृत और निरंतर कार्यक्रम प्रति-उत्पादक हो सकता है और हम विदेशी मुद्रा भंडार का एक अच्छा हिस्सा बर्बाद कर सकते हैं।

ट्रंप शासन अमेरिका को प्राथमिकता देने की अपनी योजनाओं के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था को अशांत करने की क्षमता रखता है। निश्चित रूप से अस्थिर वित्तीय बाजार और सीमाओं के पार पूंजी का बड़ा प्रवाह होगा, जो कई अन्य मापदंडों को अज्ञात क्षेत्रों में छोड़ देगा, विनिमय दरों को तो छोड़ ही दें। हमें अपनी चौकसी कम नहीं करनी चाहिए।

किसी भी दर पर, रिजर्व बैंक के पास उथल-पुथल के समय विनिमय बाजार को संभालने की बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी संस्थागत स्मृति है। आरबीआई जानता है कि ऐसी स्थिति में कैसे आगे बढ़ना है।

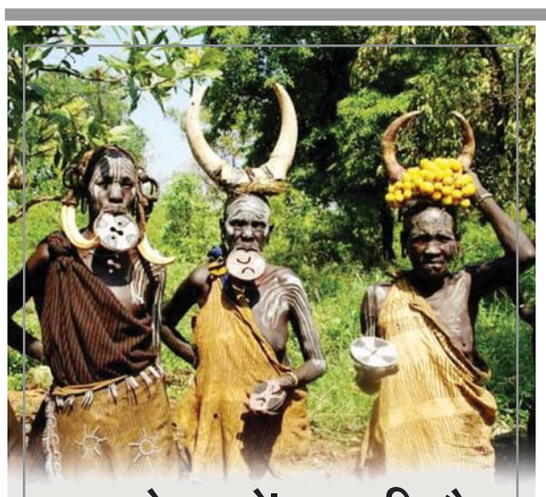

इस देश में रहती है दुनिया की सबसे खूंखार जनजाति, अजीबोगरीब हैं रस्मों रिवाज

दुनिया में आदिवासियों की कई जनजाति मौजूद है, कुछ जनजाति काफी खूंखार मानी जाती है। आज भी यह अपने पुरानी परंपराओं को पूरे सम्मान से निभाते चले आ रहे हैं। आम इंसान से हटकर यह जंगलों में रहना पसंद करते है, सरकार भी इनकी निजि जिंदगी में दखल देना सही नहीं समझती, इनके अधिकारों की पूरी रक्षा की जाती है। पूरी दुनिया में सबसे खतरनाक मुर्सी जनजाति मानी जाती है, यह इथियोपिया के जंगलों में रहते हैं।

क्यों है सबसे खतरनाक जनजाति?

दक्षिण इथियोपिया और सूडान बॉर्डर पर स्थित ओमान घाटी में रहने वाली यह जनजाति दुनियाभर की खतरनाक जनजातियों में गिनी जाती है, इस जनजाति के लोग किसी की भी हत्या करने से पहले नहीं सोचते, उनके लिए यह एक गौरव की बात होती है। यह जनजाति कई साल पुराने खास तरीके से बने हथियारों का इस्तेमाल करती है, इनसें किसी भी व्यक्ति को मिनटों में मारा जा सकता है। यह एक खास वजह है जो इस जनजाति को दुनिया में सबसे खतरनाक बनाता है।

ऐसे अजीबोगरीब है इनके रस्मों रिवाज

मुर्सी जनजाति आज भी सलों से चली आ रही परंपरा को मानती है, इनके यहां दिलदहलाने देने वाली बॉडी मॉडिफिकेशन प्रक्रिया की जाती है औरतों के साथ, उनके निचले होंठ में एक गोल लकड़ी या मिट्टी से बनी डिस्क पहनाई जाती है। ऐसा करने की वजह चौंकाने वाली है कहा जाता इससे महिलाएं कम खूबसूरत दिखेंगी और उन्हें किसी की बुरी नजर नहीं लगेगी।

बिना इजाजत क्षेत्र में जाने से मिलती है मौत

लगभग 10 हजार आबादी वाले इस मुर्सी समुदाय के लोग काफी खतरनाक होते हैं, इनकी इजाज्त लिए बिना आप इनके इलाकें में कदम नहीं रख सकते हैं। यह मानते है कि दूसरों को मारे बिना जीवन चक्र नहीं चल सकता है, अगर वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उनके जीवित रहने का कोई मतलब नहीं है इससे बेहतर होगा की वह खुद को खत्म कर लें। अभी तक इस जनजाति ने 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, अगर आप गलती से भी इनके इलाके में चले जाते हैं तो यह आपको मार डालेंगे।

सरकार ने लगाया है बैन?

मुर्सी जनजाति के खूंखार व्यवहार को देखते हुए सरकार ने लोगों को इन से संपर्क करने पर बैन लगाया दिया है। बाहर आए राष्ट्रप्रमुख सरकारी मेहमानों को एक खास आर्म्ड गार्ड के सुरक्षा घेरे इन्हें देखने के लिए भाजा जाता है। यह सुरक्षा घेरा लोगों को इस समुदाय के गेरों से बचाता है।

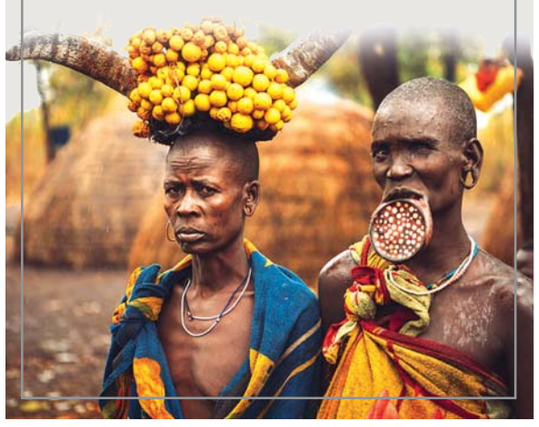

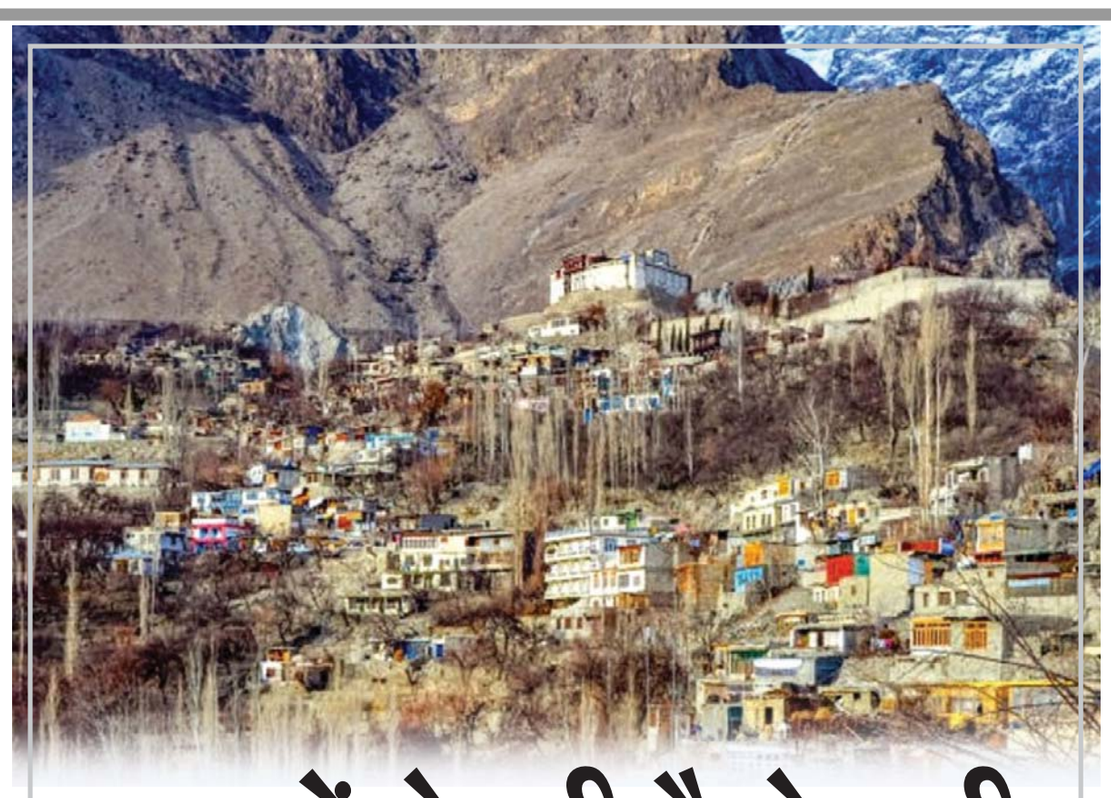

रहस्यों से भरी है ये घाटी

यहां रहने वाले लोग 150 साल तक रहते हैं जिंदा

दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं। वैज्ञानिक इन रहस्यों के बारे में लगातार जानने की कोशिश कर रहे हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की एक घाटी भी रहस्यों से भरी हुई है। नॉर्थ पाकिस्तान की हुंजा वैली में लोग 120 साल से लेकर 150 साल तक जिंदा रह सकते हैं, तो वहीं पाकिस्तान में लोगों की औसत आयु सिर्फ 67 साल है। यहां पर हुंजा समुदाय के लोग रहते हैं।

हुंजा वैली में रहने वाले लोगों की सेहत का राज क्या है? यह अभी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों तक नहीं पहुंच पाया है। हुंजा समुदाय के लोगों की आयु बहस का विषय भी रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यहां रहने वाले लोग दुनिया से दूर एक प्रकार के आइसोलेशन में रहते हैं और वह अपनी कुछ खास आदतों की वजह से अधिक सेहतमंद हैं। आखिर पाकिस्तान की इस घाटी के लोग इतने सालों तक कैसे जिंदा रहते हैं यह अभी रहस्य है।

माना जाता है कि इस घाटी में रहने वाले हुंजा समुदाय के लोग ज्यादा उम्र तक बच्चे पैदा कर सकते हैं जो कि असाधारण है। यहां पर न तो लोग कभी बीमार होते हैं और न ही उन्हें कैंसर जैसी घातक बीमारियां होती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुताबिक हुंजा समुदाय की महिलाएं 60 से 90 वर्ष की आयु तक गर्भधारण कर सकती हैं। इस दावे पर शायद किसी साधारण व्यक्ति को यकीन हो।

उत्तर पाकिस्तान के बिल्कुल सूनसान इलाके में हुंजा घाटी स्थित है। यहां रहन वाले लोग किसी भी प्रकार का प्रोसेस्ड फूड नहीं खाते हैं। वह सब्जियां, दूध, अनाज और फल खासतौर पर खूबानी को खाते हैं। ग्लेशियर का पानी पीने के साथ-साथ उनके नहाने के काम भी आता है।

लोगों की नहीं होती हैं जानलेवा बीमारियां

हुंजा समुदाय के लोग खूबानी फल को बहुत शौक से खाते हैं। माना जाता है कि इस फल के जूस को पीकर वहां के लोग कई महीनों तक जिंदा रह सकते हैं। खूबानी के बीज में एमीग्डालिन पाया जाता है जो विटामिन बी-17 का सोर्स होता है। इसकी वजह से लोगों को कैंसेर जैसी घातक बीमारियां भी नहीं होती हैं। यह लोग अपने खाने-पीने में कच्चे फल और सब्जियों को प्रमुखता देते हैं। यह लोग मीट कम खाते हैं। यह स्थान बाकी दुनिया से कटा हुआ है और इस वजह से लोगों को साफ हवा भी आसानी से मिलती है। बताया जाता है कि हुंजा समुदाय के लोग हर दिन नियमित रूप से योगा करते हैं जिसमें सांस लेने की टेक्निक और ध्यान भी शामिल होता है। यहां के लोग एनर्जी मैनेजमेंट और रिलैक्सेशन पर भरोसा करते हैं। लगातार काम करने के बीच यहां के लोग आराम करने को प्राथमिकता देते हैं और इमोशनल स्ट्रेस को बढ़ाने वाली चीजों से दूर रहते हैं।

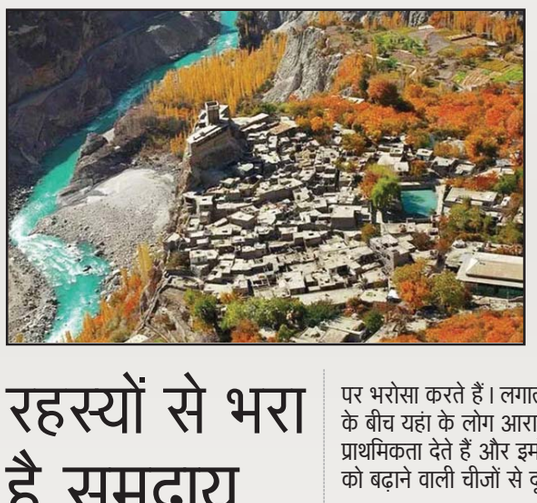

रहस्यों से भरा है समुदाय

यह समुदाय रहस्यों से भरा हुआ है। माना जाता है कि आज तक यहां पर परियां हैं। लोगों का मानना है कि हुंजा वैली के आसपास आज भी परियां रहती हैं और यह स्थानीय लोगों की बाहरी खतरों से रक्षा करती हैं। भेड़, बकरियां चराने वाले चरवाहों के मुताबिक, ऊंचाई वाली जगहों पर जाने पर परियों की आवाज उन्हें सुनाई देती है। यहां के एक व्यक्ति ने एक इंटरव्यू में बताया था कि परियां इंसानों जैसी ही दिखती हैं और सुनहरे बाल और हरे रंग के कपड़ों में रहती हैं।

हॉलीवुड फिल्म में हुआ है घाटी जिक्र

साल 1930 में हॉलीवुड फिल्म लॉस्ट होराइजन रिलजी हुई थी जिसमें हुंजा समुदाय का जिक्र था। फिल्म जेम्स हिल्टन के एक नॉवेल पर बनी थी और इसमें शांगरी-ला को पहली बार दिखाया गया था। फिल्म में अंग्रेजी सेना का काफिला चीन से आते समय हिमालय के क्षेत्र में आकर रुक जाता है। फिल्म में स्थानीय लोगों की मुलाकात उस क्रू से होती है और बर्फीले तूफान की वजह से उन्होंने हुंजा में शरण ली।

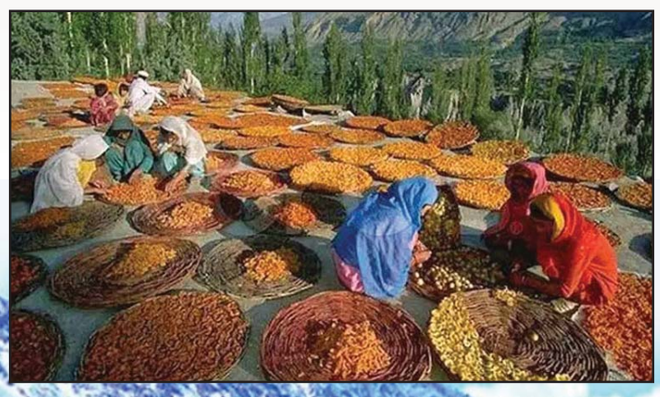

दादी का मोती

मोती एक शिकारी कुत्ता था। पतला-दुबला, लंबा, देखने में जरा भी खूबसूरत नहीं लगता था। पर उसकी आंखें बड़ी थीं। हमेशा प्यार से चमकती रहती थीं। दादी को वह बहुत प्यार करता था। दादी भी उसे बहुत चाहती थीं। दादी गांव में रहती थीं। परिवार बड़ा था। मकान भी बहुत बड़ा था और गांव में उन दिनों डाकू भी खूब आते थे। रात को अकसर कहीं न कहीं डाका पड़ ही जाता था। इसीलिए लोग कुत्ते पालते थे। शिकारी कुत्ता डाकुओं को देखते ही पहचान लेता था। फिर तो वह खतरनाक हो उठता था। उसके हमले से बचना कोई मामूली बात नहीं थी। इसीलिए मोती की बहुत पूछ होती थी। वह सबका प्यारा था। वह घर के किसी आदमी पर कभी हमला नहीं करता था। प्यार इतना करता कि लोग परेशान हो जाते। वह गांव, गंगा नदी से कुछ ही दूर था। कार्तिक के महीने में वहां बड़ा मेला लगता था। दादी हर साल उस मेले में हम सब बच्चों को भी लेकर जाती थीं। उनकी रखवाली के लिए मोती भी जाता था। बच्चों को वह खूब पहचानता था। उनका दोस्त जो बन गया था।

एक बार ऐसा हुआ कि मोती उस मेले में गायब हो गया। बहुत ढूंढ़ा, लेकिन कहीं पता नहीं लगा। किसी ने कहा कि उस पार चला गया है, उसने उसे नदी में घुसते देखा था। मेला खत्म हो गया, लेकिन मोती नहीं आया। हमने समझ लिया कि कोई उसे पकड़कर ले गया है या वह नदी में डूब गया है। सभी बहुत दुखी थे, लेकिन दादी के दुख की मत पूछो। रोत-रोते उनकी आंखें लाल हो गईं। सब लोग लौट आए। रुकते भी कब तक! फिर बहुत दिन बीत गए। शायद तीन महीने बाद की बात है। जाड़े के दिन थे। अचानक आधी रात को दरवाजे पर खड़खड़ाहट शुरू हुई। हां, एक बात बताना तो मैं भूल ही गया था। मकान का दरवाजा बहुत बड़ा था और वह लकड़ी का नहीं था, टीन का था। इसलिए जरा सी भी आहट होती, तो बहुत शोर होता था। रात का सन्नाटा था। टीन के दरवाजे पर जो खड़खड़ाहट शुरू हुई, तो सब जाग उठे। समझ गए कि डाकू आ गए हैं। सब डर गए, लेकिन यह क्या? खड़खड़ाहट हुए जा रही है, हुए जा रही है, रुकती ही नहीं। कभी कम, कभी तेज। डाकू तो ऐसा नहीं कर सकते। वे तो एकदम दरवाजा तोड़ देते हैं। कौन है यह? आदमी है, तो आवाज क्यों नहीं देता?

तभी दादी एकदम चिल्ला पड़ीं, मेरा मोती आया है। सबने दादी की ओर देखा। उनकी आंखों में आंसू थे, लेकिन भला मोती कहां से आता? वह दरवाजा कैसे खड़खड़ाएगा? लेकिन दादी ने तुरंत लालटेन उठाई और दरवाजा खोलने के लिए चल पड़ीं। उन्हें रोकना चाहा, लेकिन वह नहीं रुकीं। अब तो सबको ही पीछे-पीछे चलना पड़ा। भला, उन्हें अकेले कैसे जाने देते। अगर डाकू हुए तो!

बस आगे-आगे हाथ में लालटेन लिए दादी थीं और पीछे थे कोई पंद्रह-बीस औरतें और आदमी हाथों में लाठियां लिए हुए। एक-दो के पास छुरे भी थे। पर डर सब रहे थे। जैसे-जैसे दरवाजे के पास आ रहे थे, एक और आवाज उनके कानों में पड़ रही थी। वह मोती की आवाज थी। हां, हां, यह मोती ही है।

तभी किसी ने तेजी से आगे बढ़कर दरवाजा खोल दिया। सचमुच वह मोती था। दरवाजा खुलते ही वह तीर की तरह लपका और दादी से आ चिपटा। वह पागलों की तरह कभी इस कंधे पर झपटता, कभी उस कंधे पर चढ़ता, कभी मुंह चूमता और कभी अपना सिर उनकी गोद में रख देता। और दादी थीं कि रोए जा रही थीं। बोल रही थीं, मेरा मोती, मेरा बेटा मोती, तू कहां गया था रे? मैं तुझे रोज याद करती थी और जानती थी कि तू एक दिन आएगा।

मोती केवल दादी से ही नहीं मिला, वह घर के हर सदस्य के पास गया। उनके पास भी गया, जो अभी तक सोए पड़े थे। सबके साथ उसने वैसा ही प्यार दिखाया। वह रात कब बीती, कब सवेरा हुआ, किसी को पता नहीं चला। लेकिन यह बात सभी जानते हैं कि अगले दिन दादी ने देवी के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद सबको दो-दो पेड़े दिए थे।

पूरे एक हफ्ते तक मोती की जो आवभगत हुई थी, उसकी चर्चा तो बच्चे बड़े हो जाने पर भी किया करते थे। लेकिन यही मोती एक दिन पागल हो गया। गांव में डाकू आते थे, तो गीदड़ भी आते थे। मोती अकसर उन गीदड़ों को मार भगाता था। कभी-कभी गीदड़ भी उसे काट लेते थे। एक दिन उन गीदड़ों में शायद कोई पागल गीदड़ भी आ गया था। उसी ने मोती को काट लिया और मोती पागल हो गया। उसके मुंह से बराबर राल टपकने लगी। उसकी आंखों का रंग बदलने लगा, लेकिन उसका प्यार अब भी कम नहीं हुआ था। अब लोग उससे डरते थे। दादी भी डरती थीं, रोती थीं। जिसे वह इतना प्यार करती थीं, उसे अब गोद में नहीं ले सकती थीं। मोती ने अभी तक किसी को काटा नहीं था, लेकिन काट तो सकता था। पागल कुत्ते चुपचाप काट लेते हैं। भौंकते तक नहीं। मोती ने किसी को काट लिया तो! पागल कुत्तों के काटने का उन दिनों कोई इलाज भी नहीं था। इसीलिए लोगों ने कहा, मोती को मार डालो। कैसी बुरी सलाह थी। दादी रोने लगीं। सब लोगों के दिल भर आए, लेकिन और कोई रास्ता भी तो नहीं था। मोती को मारना ही होगा।

फिर भी दो-तीन दिन बीत गए। इसी बीच में क्या हुआ कि घर का एक छोटा बच्चा अकेला सड़क पर निकल आया। वह धीरे-धीरे बाजार की ओर चल पड़ा। शाम का वक्त था। बैलगाड़ियां आ-जा रही थीं। अचानक एक गाड़ी के बैल भड़क उठे। वे तेजी से दौड़ने लगे। उनके ठीक सामने ही वह बच्चा चल रहा था। लोगों की निगाह उस पर पड़ी। वे चिल्लाए, बच्चे को बचाओ, बच्चे को बचाओ।

दौड़ते बैलों को रोकना आसान काम नहीं था। एकाएक कोई आदमी सामने नहीं आया। लेकिन मोती यह सब देख रहा था। वह तेजी से झपटा। पहले जब कभी ऐसा होता था, तो मुंह से कपड़ा पकड़कर खींच लेता था और बच्चे को सड़क से दूर ले जाता था, लेकिन अब तो वह पागल था। देखने वाले डर गए। कहीं उसके दांत बच्चे के बदन में गए तो। लेकिन हुआ क्या? मोती तेजी से झपटा और उसने अपनी पीठ से धक्का देकर, बच्चे को सड़क से बाहर धकेल दिया। उसे मुंह से नहीं पकड़ा।

लोगों ने यह सब देखा, तो अचरज से दांतों तले उंगली दबा ली। सब कहने लगे, इतना समझदार कुत्ता! बीमार है, फिर भी बच्चे को बचा लिया।'

नाखूनों का सौंदर्य बढ़ाने के तरीके

गुलाबी, दोषरहित नाखून किसी भी व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य की निशानी होते हैं। नाखून के रोग इनकी सुंदरता कम करने के साथ आपके स्वास्थ्य का राज भी खोल देते हैं। नाखूनों की कई बीमारियां होती हैं। अगर आप उन्हें सही समय पर पहचान लें और उनकी सही देखभाल करें तो वे दोबारा स्वस्थ और सुंदर हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी टिप्स अपनाकर आप आकर्षक और खूबसूरत नाखूनों की धनी हो सकती हैं-

स्वस्थ-सुंदर नाखून

- भोजन में पोषक तत्वों की कमी भी नाखूनों के कई बीमारियों का कारण होती है। अपनी डाइट में पोषक पदार्थों का सेवन करके नाखूनों की चमक लौटाई जा सकती है।
- मजबूत नाखून पाने के लिए दिन में 8-10 ग्लास पानी अवश्य पिएं।
- कैल्शियम की कमी नाखूनों के कई रोगों का कारण बनता है। इसलिए अपने भोजन में दूध और उससे बनी चीजें, यानी डेयरी प्रोडक्ट भी शामिल करें।
- सैलेड, फलों व उनके रस का सेवन करने पर पर्याप्त पोषक पदार्थों की आपूर्ति होती है।
- अगर आप शाकाहारी हैं तो ब्रॉक्ली व प्याज, अगर मांसाहारी हैं तो मछली खाएं। उनमें सिलिकॉन और सल्फर होता है जो नाखूनों के लिए फायदेमंद होता है।
- विटमिन बी के स्त्रोत खमीर व सोयाबीन नाखूनों के सफेद धब्बों और दरारों या धारियों को दूर करने में सहायक होते हैं, अत: उनका सेवन करें।
- गाजर के रस में कैल्शियम व फास्फोरस प्रचुर मात्रा में होता है, जो नाखूनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यकहोता है।
- हाथों और नाखूनों की रोज अच्छी तरह सफाई करने से उनमें फंसा मैल निकल जाता है और किसी भी प्रकार के बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने की संभावना नहीं रहती।
- रूखे, बेजान नाखूनों से परेशान होने के बजाय यदि आप उनकी सही और नियमित ढंग से देखभाल करेंगी तो कुछ ही दिनों में सुंदर नाखून आपके हाथों का सौंदर्य दोगुना कर देंगे।
- यदि नाखून अधिक कमजोर या बदरंग हो रहे हों तो तेज खुशबूदार लोशन के प्रयोग से बचें, क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में उपस्थित एल्कोहॉल नाखूनों को हानि पहुंचाता है।
- अगर नाखून बहुत अधिक कमजोर हों तो आप नेल हार्डनर का प्रयोग भी कर सकती हैं। नेल हार्डनर नाखूनों को सुरक्षा प्रदान करते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।
- ध्यान रखें, अधिक देर पानी में हाथ न डालें और हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सुखाकर क्रीम या मॉयस्चराइजर लगाएं और सोने से पहले नाखूनों पर क्यूटिकल ऑयल, क्यूटिकल क्रीम या बेबी ऑयल लगाएं।
- नाखून बहुत कडे हों तो नॉन एसीटोन नेल पेंट रिमूवर का प्रयोग करें, क्योंकि एसीटोन पॉलिश रिमूवर नाखूनों से नमी सोखकर उन्हें कडा बना देता है।
- नेल पेंट हटाने के बाद नाखूनों पर क्यूटिकल क्रीम या ऑलिव ऑयल से मालिश करें।
- नाखूनों को शेप देते समय ध्यान रखें कि वे सूखे हों।
- नाखूनों को दांत से न कांटे। ऐसा करने से उनके विकास की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और वे देखने में खराब भी लगते हैं।
- अगर अधिक लंबे नाखून न हों तो उन्हें काटने की जगह फाइलर से फाइल करना बेहतर है लेकिन कभी भी साइड से अधिक फाइल ना करें अन्यथा नाखून टूट सकते हैं।
- कई स्त्रियां यह सोचती हैं कि मेनीक्योर और पेडीक्योर को हर हफ्ते क्यों कराएं, लेकिन हफ्ते में एक बार ऐसा करने से नाखून सही शेप में रहते हैं और उनकी एक प्रकार से कंडीशनिंग भी हो जाती है। मेनीक्योर अथवा पेडीक्योर करवाते समय प्रयोग में लाए जाने वाले सामान स्टरलाइज्ड हों वरना बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का डर रहता है।
- हफ्ते में दो बार नाखूनों पर नेल स्ट्रेंथनर लगाएं। इसे आप नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर या बिना नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर भी लगा सकती हैं।
- सप्ताह में कम से कम एक बार नाखूनों पर गुनगुने ऑलिव ऑयल से हलके हाथों मसाज करें। ऐसा करने से पहले गुनगुने पानी में नीबू का रस डालें और हाथों को इसमें कुछ देर तक डुबोकर रखें। फिर मसाज करें।
- नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए नेल पेंट रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश अच्छे से साफ कर लें और नाखूनों को फाइल करके मनचाहा शेप दें।
- नेलपॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं, फिर नेल पेंट के दो कोट लगाकर टॉप कोट अप्लाई करें।
- लाइड शेड्स के नेल कलर सदाबहार होते हैं। इन्हें आप किसी भी अवसर और समय पर लगा सकती हैं।
- नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहती हैं तो लगाने के बाद नाखूनों को कुछ देर ठंडे पानी में डुबो दें या हेयर ड्रायर की कूल सेटिंग से सुखा लें। एक बात का और ध्यान रखें कि अगर नेलपॉलिश जल्दी सुखानी है तो सिर्फ एक कोट ही एप्लाई करें।
- रिमूवर का अधिक प्रयोग करने से बचें। अधिक इस्तेमाल करने से नाखूनों पर धब्बे पड जाते हैं।
- हमेशा अच्छी कंपनी की नेलपॉलिश का ही प्रयोग करें।
- कोई जरूरी नहीं है कि नाखूनों पर हरदम नेलपॉलिश लगी रहे। कभी-कभी उन्हें ऐसे ही छोड दें। बहुत मन हो तो ट्रांसपेरेंट नेलकलर लगाएं।

यूं निखर जाए रूप आपका

- अपनी त्वचा के अनुरूप ही मेकअप का इस्तेमाल करें।
- हमेशा चेहरा धोने के बाद टोनर लगाएं। इससे मेकअप अधिक देर तक टिकता है।
- फाउंडेशन लगाने से पहले गीली त्वचा पर ही हलका-सा मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि वह एकसार दिखे और चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो नजर आए।
- कभी भी क्रैश डाइटिंग न करें। इससे त्वचा की खूबसूरती नष्ट हो जाती है।
- खाने-पीने पर हमेशा नियंत्रण रखना जरूरी है, साथ ही थोडा-सा व्यायाम भी। इससे खूबसूरती बरकरार रहने के साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।
- तैलीय त्वचा में निखार लाने के लिए मलाई में नीबू का रस मिलाकर लगाएं। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाती है।
- रोज 6-7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सस्ती लिपस्टिक बिंदी कभी इस्तेमाल न करें, इससे एलर्जी की संभावना अधिक रहती है।
- सुबह खाली पेट एक सेब रोज खाने से त्वचा में निखार आता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।
- बालों के झडने और सफेद होने के कारण अकसर तनाव होता है, जिससे चेहरे की कांति नष्ट हो जाती है। इसके लिए खाने में पोषक तत्वों की मात्रा पर्याप्त रखें।
- सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद व नीबू का रस मिलाकर पिएं। इससे पेट साफरहता है।
- जहां तक संभव हो सके, सुबह की पहली धूप की किरणें शरीर को दें, जिससे विटमिन ए और डी की प्राप्ति शरीर को हो जाती है, स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।
- रात को सोने से पहले क्लींजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल निकल जाए।
- हाथों में क्लींजर डालकर हथेलियों को रगड कर झाग बना लें, फिर चेहरे पर मलें, इससे चेहरा जल्दी साफ हो जाता है।
- विटमिन ए, बी, सी, डी और ई त्वचा में निखार लाते हैं, इन्हें भोजन में शामिल करना न भूलें। किसी न किसी रूप में इनका प्रयोग जरूर करें।

मां तुम बदल जाओ

मेरी मां मुझे बात-बात पर टोकती है। कहीं भी जाओ उनसे पूछकर जाना पड़ता है। आखिर वे क्यों नहीं बदलतीं। अक्सर टीनएज लड़कियों के मुंह से अपनी मां को लेकर इस तरह की शिकायतें सुनने मे आ ही जाती हैं। हो सकता है कि आपका भी अपनी मां के साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठ पा रहा हो। पर अब ज्यादा परेशान न हों बस मनोचिकित्सकों और जाने-माने लेखकों की इन बातों पर गौर फरमाएं-

बदलने की कोशिश न करें : आपकी मां की कई ऐसी आदतें होंगी जिन्हें आप बदलना चाहती हैं। क्योंकि, वे आपको पसंद नहीं। बस यही तो आपकी भूल है। डॉटर एंड मदर पुस्तक की लेखिका और साइकोथैरेपिस्ट डोरेथी फिरमैन कहती हैं कि हम में से कई लोग अपनी मां को बदलने की कोशिश करते हैं। यह सोचकर कि इससे आपसी रिश्तों में सुधार होगा। पर शायद हम यह भूल जाते हैं कि हम उन्हें नहीं बदल सकते।

नियंत्रण अपना लें : जिन बातों को लेकर आपकी मां को आपकी चिंता होती है, आपको बंधन लगती हैं। जितना वे आपकी जिंदगी का हिस्सा बनने की कोशिश करती हैं उतना ही आप उन्हें खुद से दूर कर देती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे आपको हर बात पर टोकने लगती हैं। आप चाह कर भी उनसे दूर नहीं भाग सकतीं। अपनी जिंदगी मे उन्हें शामिल करें। उन्हें महत्त्व देकर आप उनका अपनी जिंदगी में नियंत्रण थोड़ा कम कर सकती हैं।

रजामंदी जरूरी : आपको लगता है कि हर बात पर मां की रजामंदी लेना क्या जरूरी है। अक्सर आपको इस बात पर झुंझलाहट भी होती होगी। पर ऐसे में आप अपनी मां का अनादर करने की बजाय बीच का रास्ता निकालें। उनके सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि आप बेहतर डिसीजन ले सकती हैं। अगर एक बार उनको तसल्ली हो जाएगी कि आप जो काम कर रही हैं वह सही है और आपने जो राह अपने लिए चुनी है वह भी सही है, तो हो सकता है कि वे आपका साथ दें।

तरीका बदलें : उनकी अगर यह आदत है कि उन्हें आपसे जुड़ी हर बात पर बोलना है, चाहे वे उसे समझ रही हैं या नहीं। तो भड़कें नहीं। इससे उनकी इस आदत को बढ़ावा ही मिलेगा। उनकी किसी बात का जवाब देने का तरीका बदलें। ऐसे तर्क उनके सामने रखें जिनसे उन्हें लगे कि उनका हर बात पर बोलना और राय देना ठीक नहीं है।

मां से प्यार करें : आपकी मां आए दिन आप पर गुस्सा करती हैं या फिर बड़बड़ाती रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आपने उन्हें अपने से दूर कर दिया है। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपके लिए आपकी मां अच्छा ही सोचेगी। उन्हें प्यार-सम्मान दें और यह मानकर चलें कि जो कुछ वे कह रही हैं या कर रही हैं उसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं है।

बीन्स विद पनीर

सामग्री: 175 ग्राम चवली (बीन्स), 200 ग्राम पनीर, 1 कप फ्रेंच बीन्स, गाजर, हरी प्याज, मटर, 1 छोटा प्याज, 1 टेबलस्पून टोमैटो केचअप, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून जीरा, सजाने के लिए हरी धनिया।

विधि: चवली को रातभर पानी में भिगोकर रखें। प्रेशर कुकर में पका लें। फ्रेंच बीन्स को थोड़ा-सा उबाल लें। एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें। प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, पकी हुई फ्रेंच बीन्स और चवली डालें। नमक व पनीर डालें। 1 टीस्पून टॉमैटो केचअप डालकर हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

किचन टिप्स

- कस्टर्ड बनाते वक्त चीनी के साथ अगर थोड़ा सा शहद डालें तो कस्टर्ड और भी स्वादिष्ट बनता है।
- पालक, मेथी जैसी हरी सब्जियों को अगर प्लास्टिक की थैली में अलग-अलग बांध कर रखा जाए तो खराब नहीं होती।
- नींबू को ज्यादा देर तक ताजा रखने के लिए नमक के बर्तन में डालकर रखें।
- ब्रेड बटर पेपर में लपेटकर रखने से ताजा रहती है।
- चावल पानी में उबालते समय एक तेज पत्ता डालने से खुश्बूदार बनते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 1964

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1963 का हल

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1964

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1963

सूडोकु -1964

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1963 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 1964

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1963 का हल

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मुठभेड़ में दो नक्सली ढ़ेर

एजेंसी

गरियाबंद/रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के के कुल्हाड़ी घाट के भालू डिग्गी के जंगल में आज सुबह से बड़ी संख्या में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबल संयुक्त रूप से सर्चिंग ऑपरेशन चला रहे हैं। बताया गया कि इस दौरान सुरक्षाबलों की नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें दो नक्सलियों के मारे गए जबकि कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरक्षाबलों ने मारे गए दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गये हैं और घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रायपुर ले जाया रहा है। मौके से एक एसएलआर और तीन आईईडी भी बरामद किया गया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से कई राउंड गोलीबारी हुई। सर्चिंग अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

कोलकाता दुष्कर्म मामले में कोर्ट के फैसले का राष्ट्रीय महिला आयोग ने किया स्वागत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के ममाले में सियालदह कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है।

आयोग ने एक बयान में कहा कि सियालदह के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दुष्कर्म के आरोपित को 18 जनवरी को जघन्य अपराध का दोषी करार दिया।आयोगि इस मामले के दोषी को आजीवन कारावास की सजा देने के न्यायालय के फैसले को स्वीकार करता है। आयोग ने मामले के दोषी के लिए मृत्युदंड देने की वकालत की थी। एनसीडब्ल्यू ने मामले में त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि इससे लोगों के बीच न्याय की भावना पैदा हुई है। इस मामले को लेकर देशभर में काफी आक्रोश था। लोगों की तरफ से सख्त फैसले की मांग थी। पीड़िता के परिवार वालों को न्याय मिल गया है। आयोग का मानना है कि इस सजा से समाज में न्याय की भावना पैदा होगी और सभी को याद दिलाया जाएगा कि ऐसे अपराधों को बख्शा नहीं जाएगा। आयोग ने मांग की कि मामले में शामिल अन्य आरोपित, जो वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं, को दोषी पाए जाने पर सख्त सजा दी जाए। आयोग ने कोर्ट के फैसले के बाद दोषी व्यक्ति की मां के बयान की सराहना की।

राजस्थान की भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ का ऑपरेशन सर्द हवा अभियान 22 से

जोधपुर। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल 22 से 29 जनवरी तक ऑपरेशन सर्द हवा चलाएगा। अभियान में निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए सुरक्षा पहरा और कड़ा करने के लिए नफरी बढ़ाई जाएगी।

सीसुब के अधिकारी भी अभियान के दौरान सीमा चौकियों में दिन-रात रहकर चौकसी पर नजर रखेंगे। बीएसएफ के अनुसार, पश्चिमी सरहद पर हाड़ कंपाने वाली सर्दी के मौसम में किसी भी तरह की घुसपैठ और अवांछनीय गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से सीमा सुरक्षा बल की ओर से गणतंत्र दिवस से ठीक पहले ऑपरेशन सर्द हवा अभियान चलाया जाता है। सीसुब के अधिकारी सीमा चौकियों पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ सीमा चौकियों में रात्रि विश्राम करेंगे। ऑपरेशन अवधि में सीसुब की तरफ से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पैदल जवानों और वाहनों के साथ ऊंटों पर सवार होकर गश्त बढ़ाई जाएगी।अभियान के दौरान सुरक्षा प्रहरियों को विशेष सतर्कता बरतने और हर सूचना से उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने के दिशा-निर्देश दिए जाते हैं। सीसुब के सेक्टर और बटालियन मुख्यालय से रिजर्व जाब्ते और कार्यरत अधिकारियों, साजो-सामान को बाड़मेर सीमा पर भेजा जाता है।

चुनाव निकायों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को राजीव कुमार करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग की मेजबानी में विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों का दो दिन का सम्मेलन राजधानी में गुरुवार को शुरू होगा। इसका उद्घाटन मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार करेंगे। आयोग की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सम्मेलन का शीर्षक है- वैश्विक चुनाव वर्ष 2024= लोकतांत्रिक स्थानों की पुनरावृत्ति, चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लिए सीख। वर्ष 2024 लोकतांत्रिक विश्व के लिए एक असाधारण वर्ष रहा जबकि जब कि दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले 70 से अधिक देशों में चुनाव कराए गए जिसमें भारत में लोक सभा का आम चुनाव भी जो दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा चुनाव है।

अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना बनी सहारा

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा शुरू की गई 'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)' अनाथ और जरूरतमंद बच्चों के लिए एक नई आशा लेकर आई है। अगस्त 2021 में शुरू की गई इस योजना से योगी सरकार बच्चों और किशोरों को सहायता प्रदान कर रही है जिन्होंने कोरोना से इतर कारणों से अपने माता-पिता, किसी एक अभिभावक या संरक्षक को खो दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह योजना अनाथ बच्चों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान नहीं कर रही है, बल्कि बच्चों और युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। योजना के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को हर माह ?2500 की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

यह सहायता उन बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिन्हें माता-पिता के निधन के बाद आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। योगी सरकार ने इन बच्चों की आर्थिक और शैक्षिक आवश्यकताओं को समझते हुए इस योजना को लागू किया, जो अब लाखों बच्चों की मदद कर रही है।

इस योजना का लाभ केवल 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों तक सीमित नहीं है। 18 से 23 वर्ष के ऐसे किशोर और युवा, जिन्होंने कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और जो राजकीय डिग्री कॉलेज, विश्वविद्यालय या तकनीकी संस्थानों से स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत सहायता दी जाती है। यह कदम न केवल युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि उनके भविष्य निर्माण में भी सहायक है। नीट, जेईई और क्लैट जैसी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को भी इस योजना के अंतर्गत विशेष सहायता प्रदान की जा रही है। इन छात्रों को 23 वर्ष की आयु पूरी होने तक या स्नातक शिक्षा अथवा मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, योजना का लाभ दिया जाएगा। योगी सरकार की इस योजना ने पहले ही हजारों बच्चों और युवाओं की जिंदगी बदल दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 29,029 बच्चों को इस योजना के तहत चिन्हित कर लाभान्वित किया गया है।

विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा-बाबा साहब के अपमान की माफी मांगें

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने महू में कांग्रेस की निकाली जा रही जय बापू जय भीम जय संविधान यात्रा को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि आपके पूर्वजों ने बाबा साहब के साथ बहुत अन्याय किया है, ऐसे में आपको क्षमा यात्रा निकालते हुए बाबा साहब के सामने उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ग्वालियर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनके खानदान ने कभी आंबेडकर साहब का सम्मान नहीं किया। नेहरू जी ने सबसे ज्यादा किसी का तिरस्कार किया तो डॉक्टर आंबेडकर का किया था। वह पार्लियामेंट में न आएं, उनको हारने को लेकर वे सभा लेने खुद गए। मतदान हो गया। वह जीत जाते, लेकिन मतगणना में गड़बड़ी की गई। बाबा साहब आंबेडकर ने चुनाव आयोग को शिकायत की थी। उस वक्त 75 हजार वोट कांग्रेस की सरकार ने इनवेलिड कर दिए। बाबा साहब का सम्मान पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कभी नहीं किया। इसलिए राहुल गांधी डॉ. आंबेडकर के प्रति जो कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए महू जा रहे हैं, उन्हें तो कान पड़कर बाबा साहब के सामने उठक बैठक लगानी चाहिए और कहना चाहिए कि मेरे पूर्वजों ने जो गलती की है जो सम्मान आपको मिलना चाहिए था, जो नहीं दिया इसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। इसलिए उन्हें क्षमा यात्रा निकालना चाहिए।

सफाई कर्मचारी नहीं, स्वच्छता सेनानी हैं : मनोहर लाल

एजेंसी

प्रयागराज। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि किसी भी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सफाईकर्मी नींव का पत्थर होते हैं। आज पूरा विश्व दिव्य-भव्य और स्वच्छ महाकुम्भ देख पा रहा है तो इसका सर्वाधिक श्रेय स्वच्छता के वाहक सफाई कर्मचारियों को ही जाता है।

ये सफाईकर्मी नहीं, बल्कि स्वच्छता सेनानी हैं। केंद्रीय मंत्री ने नगर निगम में सफाई कर्मचारियों को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्हें किट और ट्रैक सूट वितरित किए। नगर विकास मंत्री और महापौर ने केन्द्रीय मंत्री को महाकुंम्भ का स्मृति चिह्न भेंट किया।इस दौरान केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुम्भ प्रयागराज में चल रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा से लेकर हर सुविधा मुहैया करवाई है। इसमें नगर निगम का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शहर में दुनिया भर से लोग आ रहे हैं, ऐसे में सफाई व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। केन्द्रीय मंत्री ने नवनिर्मित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम और शहर की

एआई मॉनिटरिंग सेल और सर्विस सेल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के जाने के बाद नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने महापौर और पार्षदों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या स्नान के दो दिन बाद तक यह व्यवस्था जारी रखी जाए। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि मेला प्राधिकरण ने शहर की व्यवस्था के लिए निगम को 100 करोड़ की धनराशि दी है, जिसका उपयोग शहर की सफाई व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के लिए किया गया है। बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों के विकास को लेकर बात रखी। बैठक में उप सभापति और पार्षद सुनीता दरबारी, बबलू रघुवंशी, किरण देव जायसवाल, सुनीता चोपड़ा आदि पार्षदगण मौजूद रहे।

सुकमा में दो लाख के इनामी सहित छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय एक इनामी सहित छह नक्सलियों ने पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष सोमवार को आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित सभी नक्सली कई नक्सल घटनाओं में शामिल थे। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति'' एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव के कारण नक्सली संगठन में सक्रिय छह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के मुताबिक नक्सली कुंजाम मासा पिता स्व. लखमा (उत्तर बस्तर माड़ डिवीजन सीसीएम कोसा दादा का गार्ड, इनामी दो लाख) निवासी सुरपनगुड़ा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, कुंजाम जोगा पिता सोमड़ा (मोरपल्ली आरपीसी जनताना सरकार सदस्य) 27 वर्ष, निवासी मोरपल्ली जोन्नापारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, बोड़के हुर्रा पिता स्व.पेंटा उर्फ मंगडू (मोरपल्ली आरपीसी मिलिशिया

सदस्य) 34 वर्ष निवासी मोरपल्ली पटेलपारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, मड़कम हिड़मा पिता नंदा (मोरपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) 28 वर्ष निवासी मोरपल्ली बर्रेपारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, वंजाम कोसा पिता हुंगा (मोरपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) 24 वर्ष निवासी मोरपल्ली बर्रेपारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा, माड़वी जोगा पिता नंदा (मोरपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) 30 वर्ष निवासी मोरपल्ली थाना चिंतलनार जिला सुकमा के द्वारा नक्सल संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला सुकमा में आत्मसमर्पण किया है। इस मौके पर सीआरपीएफ 217 वाहिनी द्वितीय कमान अधिकारी श्नीर सिंह मीना, एवं प्रभारी नक्सल सेल सुकमा निरीक्षक रोशन सिंह राजपूत उपस्थित रहे। इनामी नक्सली कुंजाम मासा पिता स्व. लखमा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में रेंज फील्ड टीम (आरएफटी. कोंटा) तथा शेष नक्सलियों को आत्मसमर्पित हेतु प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल आसूचना एवं विशेष सूचना शाखा जिला सुकमा के कार्मिकों की विशेष भूमिका थी।

संतों के संकल्प से सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करेगा भारत : अनिल ओक

एजेंसी

महाकुम्भनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक ने कहा कि पूज्य संतों के संकल्प व विचारों के आधार पर आने वाले समय में भारत सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करेगा। जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी भाषा में समझायेंगे । दुनिया आज अंधेरी गली से निकल रही है। संत परम्परा को जानने के लिए विदेशों के लोग रिसर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संत की कोई जाति नहीं होती है। तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित। इसके बाद और क्या यही वास्तव में संत को संत बनाता है। यही संत की विशेषता है। अनिल लोक सेक्टर 17 में आ?योजित संत समागम को संबोधित कर रहे थे। अनिल ओक ने कहा कि सनातन का आधार अध्यात्म

है। संत आध्यात्मिकता के वाहक होते हैं। संत स्वयं के आचरण एवं व्यवहार से आध्यात्मिक जीवन की सीख देते हैं। संत देश एवं समाज के लिए जीते हैं। शक्ति, ज्ञान एवं वैभव का नहीं रहता। देश एवं समाज कैसे सुरक्षित रहे और हमेशा दूसरों का भला चाहते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई।सह व्यवस्था प्रमुख ने कहा कि प्रत्यके व्यक्ति के अंदर ब्रह्म है। भगवान भाव के भूखे होते हैं। वह हमारे अंदर बैठा है। जितना भीतर जाओगे उतना तर जाओगे। संत समागम को विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार,सामाजिक समरसता गतिविधि के संयोजक श्याम प्रसाद व विहिप के प्रवक्ता देवजी भाई रावत ने संबोधित किया। इस अवसर पर विहिप के सह संगठन मंत्री विनायक राव देशपाण्डे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल, सामाजिक समरसता ?गतिविधि के सह संयोजक रवीन्द्र किरकोले, संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य शिवनारायण, काशी प्रान्त के प्रान्त प्रचारक रमेश, सामाजिक समरसता गतिविधि के क्षेत्र संयोजक नरेन्द्र सिंह एवं सामाजिक समरसता गतिविधि अवध प्रान्त के प्रमुख राजकिशोर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुल 699 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कुल 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सबसे ज्यादा नई दिल्ली विधानसभा सीट पर 23 उम्मीदवार हैं, जबकि सबसे कम उम्मीदवार पटेल नगर और कस्तूरबा नगर से हैं, जिनकी संख्या पांच है। चुनाव आयोग के मुताबिक उम्मीदवारों की नाम वापसी का आखिरी दिन था। स्क्रूटनी और नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों की कुल संख्या 699 बची है। इनमें सबसे ज्यादा नई दिल्ली सीट पर 23 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं जबकि सबसे कम पटेल नगर और कस्तूरबा नगर से हैं, जिनकी संख्या पांच है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 05 फरवरी को वोट डाले जाएंगे, जबकि 08 फरवरी को परिणाम आयेंगे। इस चुनाव में नामांकन के आखिरी दिन तक कुल 1522 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। नाम वापस लेने और नामांकन पत्रों की छंटनी के बाद अब मैदान में कुल 699 उम्मीदवार बचे हैं।

एनसीसी कैडेट विकसित भारत के सपने को साकार करें: रक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनसीसी कैडेटों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया और उन्हें भारत की संपत्ति बताया। दिल्ली कैंट में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के अपने दौरे के दौरान कैडेटों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि कैडेट, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में काम करते हों, एनसीसी द्वारा उनमें विकसित किए गए 'नेतृत्व', 'अनुशासन', 'महत्वाकांक्षा' और 'देशभक्ति' के गुणों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। वह स्वयं एक एनसीसी कैडेट रहे हैं। इसलिए, यदि किसी पूर्व एनसीसी कैडेट ने कोई सपना देखा है, तो उसे पूरा करना

अन्य सभी कैडेटों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इसका अर्थ है 140 करोड़ भारतीयों की प्रगति, जो सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद एकता में रहते हैं। हमें अपने साथ-साथ समाज के लिए भी कुछ अच्छा करना चाहिए और जल्द ही भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कैडेटों की प्रतिबद्धता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति प्रेम की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक देश के रूप में भारत जो कुछ भी हासिल करने में सक्षम है, वह सभी की कड़ी मेहनत, खासकर युवाओं की बदौलत है। जब भी मैं एनसीसी कैडेटों से मिलता हूं, तो मुझे उनमें सिर्फ एक कैडेट नहीं दिखता। मैं भारत का प्रतिबिंब देखता हूं, जिसमें कई शरीर हैं लेकिन आत्मा एक है। कई शाखाएं हैं लेकिन जड़ एक है। कई किरणें हैं लेकिन रोशनी एक है। ये कैडेट अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं, अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं और अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं का पालन करते हैं लेकिन एक चीज जो उनमें समान है, वह है 'एकता'। उनकी ऊर्जा और उत्साह इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली, उसी समय कई देश स्वतंत्र हुए। केवल वे राष्ट्र ही आज विकास कर रहे हैं, जिन्होंने अनुशासन, अखंडता और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को बनाए रखा है, जबकि जो नहीं रखते, वे अराजकता में हैं। कैडेटों को नेतृत्व का सही अर्थ समझाते हुए रक्षा मंत्री ने 26/11 मुंबई हमलों के दौरान मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के वीर बलिदान का हवाला दिया, जो राष्ट्र को प्रेरित करता है। उन्होंने बदलते समय के साथ खुद को ढालने के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि नई समस्याओं को पुराने दृष्टिकोण या पुराने कौशल-सेट से हल नहीं किया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने एनसीसी के तीनों विंग से आए कैडेटों द्वारा एक प्रभावशाली 'गार्ड ऑफ ऑनर' की समीक्षा की। कार्यक्रम में 'अलंकरण समारोह' भी शामिल था, जहां कैडेटों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए रक्षा मंत्री पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

सप्त ऋषि मंदिर परकोटा एवं मंदिर निर्माण की प्रगति का नृपेन्द्र मिश्र ने किया निरीक्षण

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्रा ने दूसरे दिन भी बैठक की। बैठक से पूर्व उन्होंने सप्त ऋषि मंदिर परकोटा एवं मंदिर निर्माण की प्रगति का भ्रमणकर निरीक्षण किया। तत्पश्चात एलएंडटी सभाकक्ष में बैठक में सम्मिलित होकर सबसे चर्चा किया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया को बताया कि अभी निर्माण की स्थिति पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी । कल पत्थर और कांसे के भित्ति चित्रों को लेकर चर्चा हुई थी जिसमें कारीगर भी आए थे। उन्होंने कहा आज और कल, हम मंदिर के निर्माण और इसकी प्रगति पर चर्चा करेंगे।

महाकुम्भ के कारण, अयोध्या में प्रतिदिन औसतन 2 लाख से अधिक भक्तों की संख्या बढ़ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए कुछ स्थानों पर निर्माण रोक दिया गया है । श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से काम रोका गया है। फरवरी तक निर्माण रुका रह सकता है।

बांग्लादेशियों की पहचान के लिए अभियान चलाए दिल्ली पुलिस: उपराज्यपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को विशेष अभियान चलाकर दिल्ली में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करने का निर्देश दिया है। आयुक्त को उपराज्यपाल सचिवालय की ओर से पुलिस आयुक्त को भेजे गए पत्र में सैफ अली खान पर अवैध बांग्लादेशी के हमले का उदाहरण दिया है। उपराज्यपाल ने पुलिस आयुक्त को प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से एक जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा है। उन्होंने सुझाव दिया है कि लोग अपने यहां काम कर रहे व्यक्तियों और घरेलू सहायकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं। इसमें रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन तथा शॉपकीपर एसोसिएशन को भी जागरूक किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अवैध प्रवासियों को आवास और छत मुहैया कराने वालों पर उचित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।हाल ही में फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के हमलावर की पहचान बांग्लादेशी नागरिक के तौर पर की गई है। इसका जिक्र करते हुए एलजी ने कहा है कि वह नकली पहचान पर किसी रेस्टोरेंट में भी काम कर रहा था। उपराज्यपाल ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासी कई अवैध एवं अपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उपराज्यपाल ने इस ओर भी इशारा किया कि एक संगठित सिंडिकेट और निहित स्वार्थी समूह इस तरह के अवैध प्रवासियों को ठहरने के लिए सुविधाएं प्रदान करते हैं और नकली दस्तावेजों जैसे आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड के माध्यम से उनके लिए कामकाज का प्रबंध करते हैं ।

प्रोजेक्ट्स में मैनपावर बढ़ाएं, काम में तेजी लाएं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (विकास परियोजनाओं) में मैनपावर बढ़ाकर काम में तेजी लाई जाए। किसी भी परियोजना की गति सुस्त नहीं होनी चाहिए। हर परियोजना समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की ली जाए। हर प्रोजेक्ट की जिलाधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर

एक निश्चित अवधि पर जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाए। सीएम योगी गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जीडीए, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम, गीडा समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारीको उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी समय समय पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारी नियमित और संवेदनशील ढंग से सुनवाई करें। आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करने के साथ शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लें। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

बालों की खोई हुई खूबसूरती

वापस पाना चाहते है तो अपनाए शहद

चेहरे के साथ-साथ बाल भी हमारी पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। इसके बिना हमारी खूबसूरती अधूरी सी लगती है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने से पहले ही हमें झड़ते बाल, रूखे-बेजान बाल, रूसी और खुजलीज्जैसी कई समस्याएं face करनी पड़ती हैं। अगर आप इसके लिए ढेर सारे उपाय भी कर चुके हैं और कोई फायदा नहीं हुआ, तो अब आजमाएं कुछ Natural। इसमे honey important रोल प्ले कर सकता है। ये आपके बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस ला सकता है।

1. बालों की लंबाई (Hair Growth)

शहद एक natural Antio&idant हैं। इससे scalp हेल्दी होते हैं और बालों की growth भी अच्छी होती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच शहद में एक चम्मच पुदीने का तेल और एक चम्मच नारियर तेल मलिाएं। इस हेयर मास्क को गीले या सूखे बालों पर लगाएं। इसे थोड़ी देर बाद पानी में सेब का सरिका मलिाकर बाल धो लें। इसके बाद कंडीशनर लगाएं।

2. बालों को Highlight करना

बनिा कसिी हार्थ केमकिल का इस्तेमाल कए भी आप अपने घने बालों को हाइलाइट कर सकती हैं। शहद में मौजूद ग्लोकज ऑक्सीडोज इसमें Natural तरीके से मदद करता है। इससे की में स्सा साफ पानी मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और बाद में इसे बालों पर 20 मनिट के लिए लगा कर छोड़ दें। बाद में इनहे कंडीशनर से धो लें। अगर आप Bride blond color चाहती हैं, तो इस मक्सिचर में नींबू मलिाएं। अगर Reddish Blonde चाहती हैं, तो इस मिश्रण में दालचीनी ए

शहद natural softener का भी काम करता है।

ये बालों को रुखा होने से बचाता है। High sugar content के कारण बालों को मजबूत बनाने में शहद अहम रोल अदा करता है। इसके लिए वर्जनि Olive oil में शहद मलाकर हल्का गर्म करें। इसे साफ बालों पर लगाएं। शॉवर कैप से बालों को कवर करें और 30 मनिट तक ऐसे ही छोड़ दें। ए धो लें।

4. बालों में Dandruff

शहद के anti bacterial गुणों के कारण ये ह्यण्ड्यश्च को Infection और बैक्टीरया से भी बचाता है। इसका मतलब ये है द्वक इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ या खुजली आदकी परेशानी से भी नजिात मलिती है। इसके लिए शहद को पानी में मलिाकर scalp पर लगाएं। 2-3 घंटे बालों को ऐसे ही रहने दें। इसके बाद बाल धो लें। अगर बालों में चपिचपिहाट रहे, तो सेब के सरिके में पानी मलिाकर बाल धोएं।

5. बालों में Shine

शहद आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। अगर बाल dull, रुखे-सूखे और बेजान हैं, तो आप Honey पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पांच बड़े चम्मच शहद में दो कप पानी मलिाएं और साफ धुले हुए बालों पर इस मश्रिण को लगाएं। शॉवर कप लगाएं और 30 मनिट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बाल धो लें। आपको फर्क नजर आएगा।

सुंदरता

का बहुत बड़ा राज छुपा है इन ब्यूटी फूड्स में..

हर कोई चाहता है की वो सुन्दर और खूबसूरत दिखे। इसके लिए वे कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आज हम आपको ब्यूटी प्रोडक्ट्स नही बल्कि ऐसे ब्यूटी फूड्स क बारे में बता रहे हैं जिन्हे रोजाना खाने से आप पा सकती हैं बेहद खूबसूरत और आकर्षक त्वचा।

आइए जाने किस फ़ूड में छुपा है सुंदरता का राज;

सेब

सेब हेल्थ के साथ सुंदरता के लिए बहुत लाभकारी है यह एक एंटीऑक्सीडेंट है जिसके सेवन से धूप से त्वचा का बचाव होता है और स्किन कैंसर के खतरे को भी रोकता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट, ग्रीन टी और रेड वाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे चेहरे पर अच्छा निखार आता है। इससे त्वचा में नमी आती है और धूप से झुलसी त्वचा को भी साफ़ करता है।

शकरकंद खाएं

शकरकंद में विटामिन ए पाया जाता है। यह एक एंटी रिंकल एजेंट है। इससे त्वचा कोमल बनती है।

दही का सेवन करे

रोजाना दही खाएं इससे त्वचा के दाग-धब्बे व झांइया दूर होती है। दही में जिंक और कैल्शियम पाया जाता है जिसके सेवन से सेहत अच्छी होती है साथ ही खूबसूरत त्वचा बनती है।

ब्रोकली खाएं

इसमें एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो पैरों को मुलायम बनाने के साथ खूबसूरत बनता है।

लंबे व मजबूत नाखून पाना चाहते है तो अपनाएं ये चीजें

आजकल हर महिला चाहती है कि उसके नाखून तेजी से बढ़ें और दूखने में खूबसूरत लगें। लंबे नाखूनों नेलपॉलिश बहुत अच्छी लगती है और दिखने में भी वह बहुत खूबसूरत लगते है। लंबे नाखून हाथ की खूबसूरती भी बढ़ा देते है। ऐसे नाखूनों पर नेल आर्ट करना बहुत ही आसान होता है। मगर कई लड़कियों की समस्या होती है कि उनके नाखून अच्छी तरह से बढ नहीं पाते या फिर अगर बढ़ते भी हैं तो वह जल्द टूट जाते हैं। यह समस्या आपके आहार में ढेर सारे पोषक तत्व न शामिल होने के कारण होते है। आज हम आपको मजबूत और लंबे नाखून पाने के घरेलू उपचार बताएंगे।

1. लहसुन लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे। पर इस प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी पड़ेगी।

2. संतरे का रस अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकाले और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

3. जैतून तेल अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढाता है जिससे नाखून बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

4. टमाटर नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्द बढ़ेंगे।

5. अलसी का तेल एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें। इससे आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

6. नारियल का तेल नारियल तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

7. एप्पल साइडर वेनिगर 1 चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाएं और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

झुर्रियों से यूं बचाएं अपने Soft hands

चेहरे के मुकाबले हमारे हाथों पर झुर्रियां जल्दी आ जाती हैं। यह बात तो आपने भी नोटिस की होगी। इसका कारण यह है कि हम लोग अपने चेहरे की तो केयर करते हैं लेकिन हाथों और पैरों के मामले में अनदेखी बरतते हैं, जिसकी वजह से हाथों पर उम्र से पहले ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हाथों को, बल्कि शरीर के सभी हिस्सों को चेहरे जैसी ही देख-रेख की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह उम्र से पहले ही पड़ने वाली झुर्रियों से हाथों को बचा सकते हो। इन आसान तरीकों को अपनाने से आपके हाथ मुलायम रहेंगे।

-सख्त साबुन

हम दिन में बहुत बार हाथ धोते हैं लेकिन हाथों को धोने के लिए बार-बार हार्ड साबुन का इस्तेमाल न करें जबकि इसके उल्ट लोग सारा दिन साबुन से ही हाथ घिसते हैं। यह हमारे हाथों की त्वचा को सख्त और बेजान बना देता है। हाथ रूखे-सुखे लगने लगते हैं इसलिए जितना ज्यादा हो सके सख्त और ज्यादा खूशबू वाले साबुन से बचें क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

-डिटर्जेंट

आप घर पर कपड़े तो धोते ही होंगे तो क्या हाथों को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ खास तरीकों को इस्तेमाल करती है? डिटर्जेंट में बहुत तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप की स्किन सेंसटिव है तो यह आपकी त्वचा को जख्म भी दे सकता है इसलिए कपड़े धोने से पहले हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें। इससे न तो आपके हाथ फटेंगे और न ही यह अपनी नमी खोएंगे।

-हैंड सेनिटाइजर

बदलते जमाने के साथ साथ आजकल लोग हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। हाथ सेनिटाइजर से धोना अच्छी बात है लेकिन अगर वह बढ़िया क्वालिटी का हो तो नहीं तो यह आपके हाथों की त्वचा को खराब कर सकते हैं।

-मोएस्चराइजर क्रीम साबुन से हाथ धोने के बाद अक्सर लोग मोएस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं लेकिन मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न करने से हाथ सख्त से हो जाते हैं। आप जितनी बार हाथ धोते हैं, उतनी बार मोएस्चराइजर लगाएं ताकि हाथ मुलायम रहें।

सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप -2025 में दमदार प्रदर्शन के साथ सर्वाधिक 59 स्वर्ण पदक के साथ अपना दबदबा बनाते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के अंतिम दिन सीआरपीएफ की टीम उपविजेता रही जबकि मध्य प्रदेश को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। मेजबान उत्तर प्रदेश ने 59 स्वर्ण, 62 रजत व 109 कांस्य पदक सहित कुल 230 पदक के साथ पहला स्थान हासिल किया। सीआरपीएफ 13 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक के साथ दूसरे व मध्य प्रदेश 8 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रिचर्ड डॉसन बने ग्लैमरगन के अंतरिम मुख्य कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब ने रिचर्ड डॉसन को अपना अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह कदम पिछले महीने पूर्व कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने के बाद उठाया गया। डॉसन का कोचिंग करियर बेहतरीन अनुभवों से भरा है। उन्होंने ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच के रूप में छह वर्षों तक काम किया, जिसमें टीम को 2019 में डिवीजन वन में प्रमोशन दिलाने और 2020 के टी20 फाइनल में पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रदर्शन मार्ग में योगदान दिया और इंग्लैंड अंडर-19 टीम की देखरेख भी की।

डॉसन का बयान

नियुक्ति पर डॉसन ने कहा, मैं ग्लैमरगन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होकर बेहद खुश हूं। वेल्श फायर के साथ मेरे अनुभव ने मुझे क्लब के कामकाज को करीब से समझने का मौका दिया। मैं खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पिछले सत्र की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

इंग्लैंड के खिलाफ मध्यक्रम को लचीला बनाए रखेगा भारत : अक्षर पटेल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के होनहार ऑलराउंडर अक्षर पटेल इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के लचीले मध्यक्रम के साथ मैदान में उतरने की बात कही। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान टीम इंडिया लचीले मध्यक्रम के साथ काम करेगी। पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने अपनी बल्लेबाजी लाइनअप में अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया है जिन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के शुरूआती मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर ने कहा कि केवल सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ही निश्चित बल्लेबाजी स्थान की उम्मीद कर सकते हैं। पटेल ने कहा, ...सलामी बल्लेबाज तय हैं लेकिन तीसरे से सातवें नंबर तक के सभी बल्लेबाजों को कहा गया है कि वे किसी भी समय, किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा मध्यक्रम मैच की स्थिति, उस समय किस तरह के गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हैं, कौन सी जोड़ी अच्छी तरह काम कर रही है, इस आधार पर बल्लेबाजी के लिए आएगा। हमने इस बारे में बात की है कि हम सभी फ्लोटर्स कैसे हो सकते हैं, चाहे वह जल्दी आना हो या स्पष्ट रूप से समाप्त करना हो।

नौ साल बाद रणजी में खेलेंगे रोहित, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मैच के लिए टीम में मिली जगह

मुंबई। रोहित शर्मा को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की 17 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह मुकाबला गुरुवार से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बीकेसी मैदान में खेला जाएगा।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा द्वारा महत्वपूर्ण मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि करने के बाद संजय पाटिल की अगुवाई वाली मुंबई की चयन समिति ने अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में सितारों से भरी टीम की घोषणा की रोहित शर्मा ने इससे पहले आखिरी रणजी मैच नवंबर 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। हालांकि इस बार खराब फॉर्म की वजह से उन्हें रणजी खेलों की ओर रुख करना पड़ा है। यह निर्णय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के क्रिकेटरों को शेष घरेलू प्रथम श्रेणी सीज़न में खेलने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने के आदेश के मद्देनजर आया है। यह नहीं, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के भी जल्द मुंबई रणजी टीम से जुड़ने की उम्मीद है। रोहित इस युवा खिलाड़ी के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। जबकि मध्यक्रम को रहाणे, श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे मजबूती देंगे। अनुभवी गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है।

सोफी एक्लेस्टोन ने एशेज हार के बाद टीवी इंटरव्यू से किया इनकार : एलेक्स हार्टले

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड की पूर्व विश्व कप विजेता स्पिनर एलेक्स हार्टले ने दावा किया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। हार्टले का कहना है कि टीम की प्रमुख खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने उनके साथ टीवी इंटरव्यू करने से इनकार कर दिया। यह विवाद हार्टले द्वारा इंग्लैंड की खिलाड़ियों की फिटनेस पर की गई आलोचना के बाद खड़ा हुआ है।

हार्टले, जो पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक सफल प्रसारक और विश्लेषक के रूप में सक्रिय हैं, ने हाल ही में कहा था कि इंग्लैंड की टीम ने अक्टूबर में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फिटनेस के कारण निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार को इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट और कोच जॉन लुईस ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे टीम के प्रदर्शन का कारण मानने से इनकार किया था।

सिडनी में खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा,

जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में 8-0 की बढ़त बना ली। इस हार के बाद हार्टले ने बीबीसी के टीएमएस पॉडकास्ट पर खुलासा किया कि इंग्लैंड की टीम अब उनसे कोई संवाद नहीं कर रही है।

हार्टले ने कहा, इंग्लैंड की टीम ने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। मैंने केवल यह कहा था कि उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलिया के स्तर की नहीं है। मेरा मकसद था कि वे बेहतर बनें और बड़ी ट्रॉफियां जीतें। लेकिन तब से टीम ने मुझसे दूरी बना ली है।

इंग्लैंड की फील्डिंग और फिटनेस पर सवाल

एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग और एथलेटिक प्रदर्शन सवालों के घेरे में रहा है। हार्टले ने कहा कि इंग्लैंड ने पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की एथलेटिकिज्म का सामना करने में संघर्ष किया। उन्होंने इंग्लैंड के कोच जॉन लुईस के उस बयान को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने टीम में फिटनेस को कोई समस्या नहीं बताया था। हार्टले ने कहा, जॉन लुईस का मानना है कि इंग्लैंड की फिटनेस में कोई समस्या नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों की एथलेटिकिज्म में सुधार की जरूरत है। अगर मेरी राय टीम को गलत लगती है, तो यह उनका अधिकार है, लेकिन मेरे साथ किया गया व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है। हार्टले ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियों का मकसद टीम की आलोचना नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने में मदद करना था। उन्होंने कहा, अगर इंग्लैंड और मेरे रिश्ते इसी तरह आगे बढ़ने वाले हैं, तो ऐसा ही सही। लेकिन मैं हमेशा वही कहूंगी जो मुझे सही लगे।

मैनचेस्टर सिटी ने उज्बेकिस्तान के डिफेंडर खुसानोव के साथ अनुबंध पूरा किया

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने फ्रांसीसी टीम लेंस से सेंट्रल डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव के साथ अनुबंध की पुष्टि की है। इसके साथ ही खुसानोव प्रीमियर लीग में खेलने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2029 तक साढ़े चार साल के अनुबंध पर सहमति जताई है, और इंग्लिश क्लब को इसके लिए 33.6 मिलियन पाउंड (41.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि वे अपनी पहली टीम के दल को फिर से जीवंत करना चाहते हैं। यह बिक्री लेंस के लिए बहुत बड़ा लाभ है, जिन्होंने 18 महीने पहले बेलारूसी क्लब एनर्जेटिक-बीजीयू से उज्बेकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 90,000 यूरो (94,000 अमेरिकी डॉलर) में साइन किया था। खुसानोव ने पेप गार्डियोला द्वारा प्रशिक्षित क्लब के लिए साइन करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, क्लब की वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की टीम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भरी हुई है, और मैं उनसे मिलने और उनके साथ खेलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, और निश्चित रूप से पेप गार्डियोला अब तक के सबसे महान कोचों में से एक हैं और मैं उनसे सीखने और अपने खेल को और भी बेहतर बनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉल निदेशक सिकी बेगिरिस्टेन ने बताया कि खुसानोव, जिन्होंने अपने देश के लिए 18 बार खेला है, बहुत बुद्धिमान हैं, साथ ही मजबूत, आक्रामक और बेहद तेज हैं।

सिंधु, चिराग-सात्विक लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जकार्ता में शुरू होने वाले इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। महिला एकल विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज पीवी सिंधु अपने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में वियतनाम की दुनिया की 32वें नंबर की खिलाड़ी गुयेन थ्यू लिन्ह से भिड़ेंगी। इसी के साथ महिला एकल वर्ग में आकर्षी कश्यप, अनुपमा उपाध्याय और रक्षिता रामराज भी एक्शन में नजर आएंगी।

लक्ष्य सेन अपने राउंड ऑफ 32 में जापान के ताकुमा ओबायाशी का सामना करेंगे।

प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज भी इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में पुरुष एकल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। पुरुष युगल स्पर्धा में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी भारत की एकमात्र और सबसे बड़ी उम्मीद होगी। चिराग-पोनप्पा-तनीषा क्रास्टो भारतीय जोड़ी पहले दौर में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसाथापोर्नपार्न-सुकिता सुवाचाई से मुकाबला करेंगी।

सात्विक की जोड़ी अपने राउंड ऑफ 32 मैच में चीनी ताइपे के चेन झी-रे और लिन यू-चीह से भिड़ेगी। महिला युगल वर्ग में अश्विनी मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो ध्रुव कपिला के साथ इंडोनेशिया के अदनान मौलाना और इंदा काहया सारी जमील भिड़ेंगी।

तेजस शिरसे ने लक्जमबर्ग में 60 मीटर हर्डल्स का तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

लक्जमबर्ग । भारतीय धावक तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्जमबर्ग इंडोर मीटिंग 2025 में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ एथलेटिक्स में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। तेजस शिरसे ने कोक स्पोर्ट सेंटर में हुई अपनी हीट्स में 7.65 सेकेंड का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 2017 में सिद्धांत थिंगालया द्वारा बनाए गए 7.70 सेकेंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

फाइनल में भी 22 वर्षीय भारतीय एथलीट ने अपनी हीट्स का समय दोहराया और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। हालांकि, वह वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2025 के लिए निर्धारित क्वालीफाइंग मानक (7.57 सेकेंड) से सिर्फ 0.08 सेकेंड से चूक गए। इस प्रतियोगिता में पोलैंड के जकुब स्ज़िमान्स्की ने 7.41 सेकेंड के समय के साथ

स्वर्ण पदक जीता। बेल्जियम के एली बकारी (7.55 सेकेंड) और पोलैंड के डेमियन च्जिकियर (7.60 सेकेंड) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। तेजस का इससे पहले 60 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 7.75 सेकेंड का था, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में ईरान के तेहरान में आयोजित एक एथलेटिक्स मीट में बनाया था। पिछले साल तेजस ने फिनलैंड के ज्यवेस्किला में वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर मीटिंग में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में भी नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को 57 रनों से हराया

एजेंसी

सिडनी। बेथ मूनी (75) रनों की अर्धशतकीय पारी के बाद जॉर्जिया वेयरहैम (तीन विकेट) और अलाना किंग (दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 57 रनों से हरा दिया हैं। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र चार रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। मैया बाउचियर और डेनिएल वायट बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गई। इसके बाद सोफिया डंकली ने नेट साइबर ब्रंट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। नेट साइबर ब्रंट (20) को अलाना किंग ने बोल्ड आउट किया। कप्तान हीथर नाइट

(18), एमी जोंस (12), सोफी एक्लस्टन (13) रन बनाकर आउट हुई। सोफिया डंकली ने इंग्लैंड के लिए 30 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुए (59) रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड की पूरी टीम को 16 ओवर में 141 के स्कोर पर समेट कर 57 रनों से मुकाबला जीत लिया। 75 रनों की अर्धशतकीय पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज बेथ मूनी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन विकेट और अलाना किंग ने दो विकेट लिये। मेगन शूट, किम गार्थ, ऐनाबेल सदरलैंड और तालिया मैक्ग्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिये बेथ मूनी और जॉर्जिया वेयरहैम की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए (40) रन जोड़े। चौथे ओवर में लॉरेन बेल ने जॉर्जिया वेयरहैम (21) को पगबाधा आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद फीबी लिचफील्ड (25) रनआउट हुई। एलिस पेरी (सात), ऐनाबेल सदरलैंड (तीन) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने नौ गेंदों में 26 रनों की पारी खेली। ग्रेस हैरिस (14) रन बनाकर आउट हुई। बेथ मूनी ने 51 गेंदों में 11 चौकों की मदद से (75) रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 198 का स्कोर खड़ा किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : शेल्टन ने मोनफिल्स को तथा सोनेगो ने टिएन को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन फ्रांस के गेल मोनफिल्स तथा इटली के लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिका के लर्नर टिएन पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में 22 वर्षीय अमेरिका के खिलाड़ी ने लगभग तीन घंटे की कड़ी टक्कर के बाद 7-6, 6-7, 7-6,1-0 से जीत दर्ज की। 19वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने वाले मोनफिल्स को पीठ की चोट के कारण रिटायर होना पड़ा। इस बीच एक अन्य मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिकी लर्नर टिएन को 6-3, 6-2, 3-6, 6-1 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया।

सिनेर ने रूण को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

मेलबर्न। गत चैंपियन जैनिक सिनेर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं।

आज यहां खेले गये मुकाबले में इटली के सिनेर ने कड़ी चुनौती के बीच अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता का पूरा इस्तेमाल करते हुए डेनमार्क के होल्गर रूण पर 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

इटली के टेनिस खिलाड़ी ने पहला सेट मात्र 33 मिनट में जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त रूण को सिनेर की ताकत और सटीकता को नियंत्रित करने में संघर्ष करना पड़ा। डेन केवल एक बार सिनेर की सर्विस पर 2-0 से आगे थे। हालांकि, रूण ने अपनी लय हासिल करते हुए कई ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। रूण की मैच में वापसी के बावजूद सिनेर ने तीसरे सेट में अपनी स्थिति मजबूत की। कई ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, सिनर ने रूण की गलतियों का

फायदा उठाया, डेन की सर्विस को तोड़कर मैच पर नियंत्रण हासिल किया। रूण ने जांघ की चोट के लिए उपचार भी करवाया, लेकिन सिनेर ने अपना ध्यान बनाए रखा। चौथा सेट निर्णायक साबित हुआ।

इस दौरान टूटे हुए नेट के कारण थोड़े समय के व्यवधान के बाद सिनेर ने गति पकड़ी, रूण की सर्विस को दो बार तोड़ा और फिर आसानी से मैच जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में सिनेर का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनाउर और अमेरिकी खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन के मैच के विजेता से होगा।

सूरमा हॉकी क्लब ने श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया

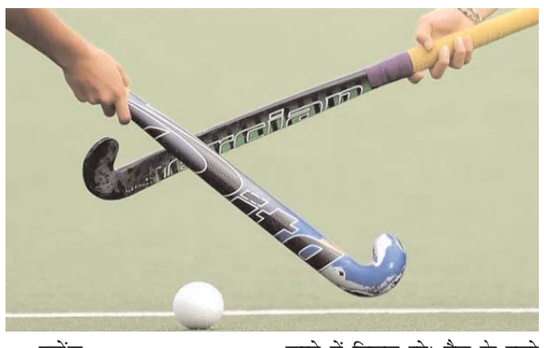

एजेंस

राउरकेला। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में रोमांचक मुकाबले में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया। यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रमाक खेल का प्रदर्शन किया लेकिन दोनों ही गोल करने में विफल रहे। मैच के दूसरे क्वार्टर में में सूरमा हॉकी क्लब के लिए प्रभजोत सिंह ने (21वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मनिंदर सिंह ने (28वें) मिनट में गोलकर टीम को बढ़त को दोगुना कर दिया। वही श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए एकमात्र गोल जुगराज सिंह ने (39वे) मिनट में किया।

अगला खो खो विश्वकप बर्मिंघम में होगा : सुधांशु मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि वर्ष 2027 में होने वाले अगले विश्वकप की मेजबानी इंग्लैंड का बर्मिंघम करेगा। खो खो विश्व कप के पहले संस्करण के सफल समापन के बाद आज यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्री मित्तल ने अगले खो-खो विश्वकप की मजबानी करने वाले शहर के नाम की घोषणा की। श्री मित्तल ने कहा, केकेडब्ल्यूसी 2025 एक बड़ी सफलता थी। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अगला खो-खो विश्व कप 2026-2027 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित किया जाएगा। हमें यह देखकर बहुत खुशी होगी कि दूसरा संस्करण पहले संस्करण से बड़ा होगा और सभी उम्मीदों को पार करेगा।उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ का अगला कांग्रेस सत्र भी 17 अप्रैल को होगा, जहां अगले चार वर्षों की रणनीति पर चर्चा की जाएगी और उसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय महिला और पुरुष टीमों के कप्तानों ने केकेएफआई अध्यक्ष और सचिव को ट्रॉफी सौंपते हुए जीत पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। दोनों टीमों के कोच सुमित भाटिया, डॉ. मुन्नी जून (महिला टीम) और अश्विनी शर्मा (पुरुष टीम) ने भी इस आयोजन के लिए महासंघ का आभार व्यक्त किया और खेल को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद की। इस समारोह में

केकेएफआई के महासचिव एम.एस. त्यागी, अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ के महासचिव रोहित हल्दानिया, इंज माई ट्रिप के वीरेंद्र कुमार, केकेडब्ल्यूसी के सीईओ मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा और दोनों विश्व कप विजेता कप्तान- प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले शामिल हुए।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप : 59 स्वर्ण के साथ उप्र ने जीता चैंपियन ट्राफी, सीआरपीएफ रही उपविजेता

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के साथ सर्वाधिक 59 स्वर्ण पदक के साथ अपना दबदबा बनाते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के अंतिम दिन सीआरपीएफ की टीम उपविजेता रही, जबकि मध्य प्रदेश को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

मेजबान उत्तर प्रदेश ने 59 स्वर्ण, 62 रजत व 109 कांस्य पदक सहित कुल 230 पदक के साथ पहला स्थान हासिल किया। सीआरपीएफ 13 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक के साथ दूसरे व मध्य प्रदेश 8 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया और आगामी टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। समापन समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने की। जूनियर बालक अंडर-48 किग्रा में सर्विसेज के जश्न योगी ने

स्वर्ण, बिहार के सौरभ कुमार ने रजत एवं मध्य प्रदेश के अभि शर्मा व उत्तर प्रदेश के प्रखर सिंह ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-51 किग्रा में उत्तर प्रदेश के सुधीर कुमार ने स्वर्ण, सर्विसेज के शिवांश सेंगर ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के लवकुश व साई रायबरेली के निर्जल कुमार ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-55 किग्रा में साई काशीपुर के प्रथमेश पंवार ने स्वर्ण, हरियाणा के प्रदीप ने रजत, सर्विसेज के अनुज तिवारी व बिहार के ऋतिक कुमार ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालिका अंडर-52 किग्रा में तूषिका वर्मा ने स्वर्ण, अनन्या यादव ने रजत एवं आयुषी कुशवाहा व आरोही खन्ना (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-63 किग्रा में सर्विसेज के भूपिंदर ने स्वर्ण, साई काशीपुर के विजय यादव ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के विजय व हिमांशु तिवारी ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक 78 किग्रा से अधिक में बिहार के राजकुमार ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश के अंश प्रताप सिंह ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के अबु हुरैरा व युवराज गुप्ता ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-78 किग्रा में आदित्य राज कौशल ने स्वर्ण, अक्षत गुसाई ने रजत (दोनों साई काशीपुर) एवं उत्तर प्रदेश के आदित्य कुमार दुबे व पंजाब के शरद सिंह ने कांस्य पदक जीते।

खेसारी लाल नहीं इस एक्टर के साथ आ रही

काजल राघवानी

की भोजपुरी मूवी, जानें सभी अपडेट्स

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजल राघवानी की ज्यादातर फिल्में खेसारी लाल के साथ आई और उनकी जोड़ी भी पसंद की जाती है. लेकिन इस बार काजल की जोड़ी खेसारी लाल नहीं बल्कि मनीष तिवारी के सथ जमेगी.

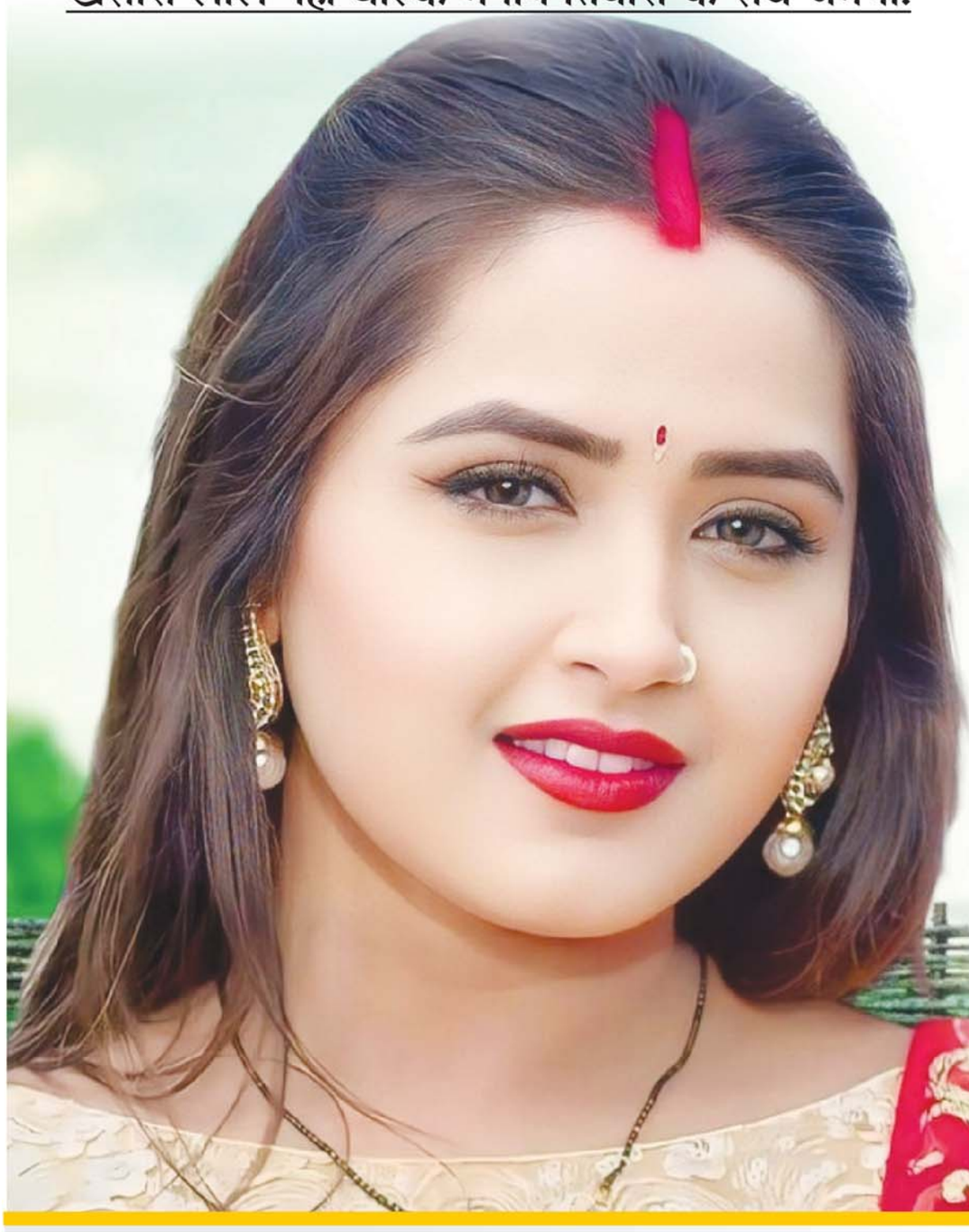

भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने खेसारी लाल, पवन सिंह जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है. काजल की भोजपुरी फिल्में हिट भी होती हैं और वो इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आती हैं. लेकिन उनकी आने वाली फिल्मों में एक बैदेही भी है जिसमें वो किसी बड़े स्टार नहीं बल्कि न्यूकमर मनीष तिवारी के साथ नजर आएंगी.

दीप लैंड एंटरटेनमेंट कंपनी में बनने वाली फिल्म बैदेही की अनाउंसमेंट हो गई है. इस फिल्म की शूटिंग 2025 में होगी जिसमें काजल राघवानी और मनीष तिवारी लीड रोल में नजर आएंगे. मेकर्स ने बताया है कि ये फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आएगी.

काजल राघवानी और मनी तिवारी की फिल्म होगी 'बैदेही'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रोड्यूसर अरुण कुमार पांडे ने बताया है कि इस फिल्म की कहानी वीरू ठाकुर ने लिखी है. उनका दावा है कि इस फिल्म से दर्शक जरूर जुड़ेंगे और सभी को काजल राघवानी के साथ मनीष तिवारी की जोड़ी पसंद आएगी. वहीं इसी रिपोर्ट में बताया गया है कि जल्द ही भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों को फिल्म बैदेही के ट्रेलर और रिलीज डेट की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी जाएगी. बताया गया है कि 'बैदेही' एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी जिसका

उद्देश्य मनोरंजन करते हुए दर्शकों को प्रेरित करना है.

अगर बात मनीष तिवारी और काजल राघवानी की जोड़ी की करें तो मेकर्स ने कहा है कि दर्शकों को उनकी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी. फिल्म आने से पहले ही उनकी जोड़ी पर चर्चा होने लगी है और अब फिल्म की अनाउंसमेंट ने लोगों में उत्सुकता और बढ़ा दी गई है. बताया गया है कि इसी साल फरवरी या मार्च तक फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट की भी अनाउंसमेंट कर दी जाएगी.

काजल और खेसारी है भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर जोड़ी

भोजपुरी सिनेमा के दो सितारे काजल राघवानी और खेसारी लाल के अफेयर के किस्से तो खूब आपने सुने होंगे. खेसारी लाल ने हमेशा काजल को अपनी को-एक्ट्रेस या दोस्त कहा है. दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग है. यहां तक इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री भी काफी पसंद की जाती है. इन्होंने साथ में 'मेहंदी लगा के रखना', 'बालम जी लव यू', 'नागदेव', 'दबंग सरकार', 'दुल्हन गंगा पार के', 'मुकद्दर' और 'प्रतिज्ञा 2' जैसी सुपरहिट भोजपुरी फिल्मों में साथ नजर आए हैं.

सुशांत सिंह राजपूत

ने अपनी पीठ पर किसके लिए बनवाया था टैटू, इस खास शख्स ने की थी मदद

सुशांत सिंह राजपूत भले ही आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन उनके फैन्स एक्टर को भूले नहीं हैं. आज सुशांत की बर्थ एनिवर्सरी है. इस खास मौके पर हम आपको एक्टर के एक खास टैटू के बारे में बताने जा रहे हैं, जो उन्होंने दिल के बहुत करीब एक शख्स के लिए बनवाया था.

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें फैन्स कभी नहीं भुला पाएंगे. एक्टर के निधन को पांच साल बीत गए हैं, लेकिन आज भी ऐसा लगता है कि जैसे कल की बात हो. सुशांत भले ही दुनिया से जा चुके हैं, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए आज भी लोगों के दिलों में बसे हैं. आज दिवंगत स्टार की बर्थ एनिवर्सरी है.

सुशांत की बर्थ एनिवर्सरी के इस खास मौके पर हम आपको एक्टर से जुड़ी एक खास चीज के बारे में बताएंगे जो कि उनके दिल के बेहद करीब थी. वो चीज थी सुशांत की पीठ पर बना एक टैटू, जो कि किसी बेहद करीबी शख्स के लिए बनाया गया था.

किसके लिए था सुशांत का खास टैटू ?

सुशांत सिंह राजपूत ने बहुत कम उम्र में अपनी मां को खो दिया था. वो मां से बहुत प्यार करते थे और इसीलिए एक्टर ने उनको याद करने के लिए एक अनूठा तरीका अपनाया था. सुशांत ने अपनी मां की याद में पीठ पर एक टैटू बनवाया था. इस टैटू को बनवाने में मदद की थी उनकी बहन प्रियंका ने. शुरुआत में सुशांत इस टैटू को अपनी गर्दन पर बनवाना चाहते थे, लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि इसके लिए उनकी पीठ एक बेहतर जगह रहेगी. सुशांत एक ऐसा टैटू चाहते थे जो कि उनके और उनकी मां के रिश्ते को करीब से दिखाए. बहुत सोचने के बाद उन्होंने अपनी बहन प्रियंका की मदद से एक खास डिजाइन बनवाया था. सुशांत सिंह राजपूत के पीठ पर खास टैटू

सुशांत ने बताई थी टैटू की खासियत

सुशांत ने अपने टैटू के बारे में खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था और बताया था कि इसे उन्होंने बहुत खास मैसेज के साथ बनवाया है. इस टैटू में एक ट्राएंगल सर्कल और उसके अंदर एक और ट्रायंगल बना हुआ है. इसके अंदर एक मां और गर्भ में पल रहे बच्चे की तस्वीर है. सुशांत ने बताया था, 卐इस टैटू में पांच एलिमेंट्स, मां और मैं हैं. आप इस टैटू को ध्यान से देखेंगे तो आपको ट्राएंगल के बीच में एक छोटा सा बच्चा और मां भी नजर आएंगी.卐 सुशांत अक्सर अपनी पोस्ट के जरिए मां को याद करते रहते थे.

जिसने 'पुष्पा 2' को हिंदी में बनाया ब्लॉकबस्टर, उनकी बेटी राशा का अधूरा रह जाएगा ये सपना?

17 जनवरी को दो फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी. पहली- कंगना रनौत की Emergency और दूसरी- अजय देवगन की Azaad. इस पिक्चर से रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भांजे अमन ने डेब्यू किया. पहली ही फिल्म के लिए Rasha Thadani सुपर एक्साइटेड दिखीं. राशा ने काफी जल्दी बॉलीवुड में कदम रख लिया है. दरअसल जब 'आजाद' की शूटिंग चल रही थी, उस वक्त राशा 12वीं के एग्जाम्स दे रही थीं. अब फाइनली फिल्म आ चुकी है और एक गाने के लिए राशा की खूब तारीफें भी हुईं, पर क्या एक सपना अधूरा रह जाएगा.राशा थडानी के सपने पर दोबारा लौटेंगे, उससे पहले बताते हैं उनका पुष्पा 2 से कनेक्शन. अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को हिंदी में ब्लॉकबस्टर बनाने के पीछे अनिल थडानी का हाथ है. अनिल थडानी देश के सबसे बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स में से एक हैं. उन्होंने ही पुष्पा 2 के नॉर्थ इंडिया वाले थिएट्रिकल राइट्स खरीदे थे. अब उनकी बेटी का क्या सपना है ?

राशा थडानी का क्या सपना है ?

रवीना टंडन और अनिल थडानी की बेटी राशा स्टार बन गई हैं. उनका अजय देवगन की फिल्म आजाद से डेब्यू हुआ. लेकिन फिल्म तीन दिनों में कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पाई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये के साथ ओपनिंग की थी. दूसरे दिन कलेक्शन 1.3 करोड़ रुपये पहुंचा. वहीं संडे को भी यह फिल्म जनता को खास इम्प्रेस नहीं कर पाई. महज 1.85 करोड़ की कमाई हुई है. अगर वीकेंड पर फिल्म ने ऐसा परफॉर्म किया है, तो वीक डेज में मामला ही खत्म हो जाएगा.

राशा थडानी ने काफी जल्दी फिल्मी करियर शुरू कर लिया है. वो पहले इसके लिए तैयार नहीं थीं. वहीं दूसरी ओर माता-पिता भी चाहते हैं कि उनका पहला फोकस पढ़ाई पर ही रहे. लेकिन 'ऊई अम्मा' गाने से उन्हें जैसा रिस्पॉन्स मिला, राशा को यह उम्मीद है कि उनकी पहली फिल्म ही हिट हो जाएगी. उम्मीद के साथ ही सपना भी होगा, क्योंकि बॉलीवुड में आते ही पहली फिल्म का हिट होना बहुत बड़ा अचीवमेंट है. लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि यह टूटने वाले हैं. पहले वीकेंड में जब फिल्म कमा नहीं पाई, तो दूसरा वीकेंड आते-आते बिजनेस लगभग खत्म ही हो जाएगा.

पवन सिंह और खेसारी लाल में कौन है वरुण धवन का फेवरेट भोजपुरी स्टार? एक्टर ने लिया इनका नाम

2024 के आखिरी महीने में फिल्म बेबी जॉन आई जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई. फिल्म में वरुण धवन लीड रोल में थे और इस फिल्म को एटली कुमार ने प्रोड्यूस किया था. इस फिल्म के लिए वरुण धवन ने काफी मेहनत की थी. उन्होंने इस फिल्म का जमकर प्रमोशन भी किया था. प्रमोशन के दौरान वरुण धवन एक पॉडकास्ट में पहुंचे जहां कई टॉपिक्स पर बात की थी.शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में फिल्म बेबी जॉन का प्रमोशन करने वरुण धवन पहुंचे. यहां उन्होंने फिल्म के अलावा कई अलग-अलग बातें शेयर कीं. इसी दौरान जब उनसे उनके फेवरेट भोजपुरी एक्टर के बारे में पूछा गया तो एक्टर ने कुछ ऐसा जवाब दिया.

वरुण धवन का फेवरेट भोजपुरी स्टार

पॉडकास्ट में एंकर ने वरुण धवन से सवाल किया, 'पवन सिंह, खेसारी लाल को जानते हो आप ?' एक्टर ने इसका में कहा, 'हां जी, कौन नहीं जानता, खेसारी लाल और पवन सिंह को.' फिर एंकर ने कहा, 'पवन सिंह का तो गाना भी आया था स्त्री 2 में.' इसपर वरुण ने कहा, 'मैं तो उन्हें पहले से जानता हूं. लॉलीपॉप गाना आया था, एबीसीडी 2 में उनके इस गाने का एक थोड़ा सा टेक भी होगा.'इसके बाद एंकर ने वरुण से सवाल किया, 'पवन सिंह और खेसारी लाल में आपका फेवरेट कौन है ?' वरुण धवन ने कहा, 'दोनों ही पसंद आते हैं, दोनों को साथ में देखकर मजा आता है. लेकिन मैंने पवन सिंह के काम को ज्यादा देखा है, मैं मिला भी हूं तो वो अच्छे इंसान लगे मुझे. बाकी अपने-अपने लेवल पर दोनों अच्छे हैं.'

पवन सिंह ने फिल्म स्त्री 2 (2024) में आई नहीं गाना गाया है जो सुपरहिट हुआ. इसके अलावा भी पवन सिंह ने कई हिंदी गाने गाए जिन्हें पसंद किया गया. वहीं पवन सिंह को पहचान 'लगावेलू जब लिपिस्टिक' से मिली थी, जिसे देश-विदेश हर जगह पसंद किया जाता है.

वरुण धवन का फिल्मी करियर

2012 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से वरुण धवन ने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वरुण ने 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'बदलापुर', 'मैं तेरा हीरो', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया', 'जुड़वा 2', 'बवाल', 'भेड़िया', 'कलंक' और 'जुग जुग जियो' जैसी हिट फिल्में दीं. वरुण धवन की आने वाली फिल्मों में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' है जो 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी. इसके अलावा 'बॉर्डर 2' है जो 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी, वहीं 14 अगस्त 2026 को फिल्म भेड़िया 2 रिलीज होगी.